ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिक्षित लोगों में जाति चेतना बढ़ रही है जो चिंता का विषय: सीएम सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 20 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-171

मोदी और भाजपा को हराने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा

दुष्प्रचार के लिए पानी की तरह बहा विदेशी धन

जॉर्ज सोरोस | क्रिस्टोफ जॉफरलेट

- जॉर्ज सोरोस और हेनरी लुईस फाउंडेशन ने मोदी को हराने के लिए दिया पैसा
- फ्रांसीसी पत्रकार जरिया बने, भारत के टुकड़ाखोर पत्रकारों ने दुष्प्रचार फैलाया
- फ्रेंच पत्रकार क्रिस्टोफ जॉफरलेट को मिली 3.85 लाख डॉलर की बड़ी धनराशि
- बर्कले सेंटर फॉर रिलिजन और पीस एंड वर्ल्ड अफेयर्स को मिले 3.46 लाख डॉलर
- कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस (सीईईपी) को मिले 1.20 लाख डॉलर

(अगले अंक में खोलेंगे इस अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र का अगला अध्याय)

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।
अमेरिका में बैठे भारत विरोधी धनपशुओं ने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को हराने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया। विदेश से आया धन नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमीनी स्तर तक दुष्प्रचार करने और मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे कुछ प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के प्रमुख नेताओं तक पहुंचा। विदेशी धन भारत के कुछ पत्रकारों को भी मिला, जिसके बल पर वे उछल-उछल कर नरेंद्र मोदी विरोधी माहौल बनाने में लगे थे। नरेंद्र मोदी को हराने में विदेशी धनपशु और विदेशी कंपनियां दोनों लगी थीं। इसमें अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और उसकी संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ-साथ हेनरी लुइस फाउंडेशन का नाम प्रमुखता से सामने आया है। इस षडयंत्र में शामिल इजराइल की एक कंपनी का नाम भी आया है, जो जॉर्ज सोरोस के पैसे से ही चलती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में शोध और खोज करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ओपनएआई और डिसइंफो लैब ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ किए गए अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र का खुलासा किया है।

डिसइंफो लैब की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में मतदाताओं की मानसिकता को प्रभावित करने के लिए आम चुनाव में हस्तक्षेप की साजिश रची गई। डिसइंफो लैब ने भारत में आम चुनाव के दरम्यान भी यह दावा किया था कि भारत के चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप हो रहा है। एक बार फिर से डिसइंफो लैब ने चुनाव में हस्तक्षेप को लेकर बड़े खुलासे किए हैं। कहा गया है कि भारत में लोकसभा चुनाव में हस्तक्षेप के लिए बड़ी ताकतों ने छोटी ताकतों तक आर्थिक मदद मुहैया कराई। यह एक ऐसा जाल है, जिसका तानाबाना सिर्फ विदेश में ही नहीं बल्कि भारत तक बुना गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत एक उभरती हुई आर्थिक और रणनीतिक शक्ति है। भारत की विदेश नीतियों से वैश्विक गतिशीलता को एक नया आकार मिलता है। रूस-यूक्रेन और इज़राइल-हमास युद्ध के बीच भारत ने अतुलनीय विदेश नीति का प्रदर्शन किया।

▶10पर

832 साल बाद फिर से खड़ा हुआ गौरवशाली नालंदा विश्वविद्यालय

आग की लपटें भी ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं : मोदी

नालंदा, 19 जून (एजेंसियां)।
दुनिया को ज्ञान देने वाला गौरवशाली नालंदा विश्वविद्यालय 832 साल बाद फिर से खड़ा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय जैसी ऐतिहासिक विरासत आज देश को समर्पित की। कुतुबुद्दीन ऐबक के अहमक सेनापति बख्तियार खिलजी ने विश्व विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था, उसे आज पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आग की लपटें भी ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। हमें अपनी गौरवशाली विरासत को हिफाजत से संजो कर रखने की इच्छाशक्ति को

पीएम मोदी ने राष्ट्र को समर्पित की नालंदा की ऐतिहासिक विरासत

भारत में ही खुल रहे सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान, ज्ञान पर दे रहे ध्यान

दृढ़ करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस नए नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया, वह 455 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें कुल 221 संरचनाएं हैं। तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा 19 सितंबर 2014 को इसके निर्माण की नींव रखी गई थी। आर्किटेक्ट बीबी जोशी ने नालंदा विश्वविद्यालय के प्रारूप को डिजाइन किया है।

नालंजा विश्वविद्यालय को राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत में ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान खुल रहे हैं। अब भारत के शिक्षण संस्थान ग्लोबल हो रहे। नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के हर इलाके में जाना जाता है। दुनिया बुद्ध के इस देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाह रही है।

▶10पर

ऐबी ऐबक ने जलाया, फिर भी दुनियाभर में छाया रहा नालंदा विवि

नालंदा, 19 जून (एजेंसियां)।
भारत के ज्ञान से जलने और ईर्ष्या रखने वालों में कुतुबुद्दीन ऐबक भी शामिल था, जिसके सेनापति मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को जला कर खाक कर दिया था।

मूल रूप से पांचवीं शताब्दी में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय, दुनिया भर के छात्रों को आकर्षित करने वाला एक प्रसिद्ध संस्थान था। यह 12वीं शताब्दी में नष्ट होने तक 800 वर्षों तक फलता-फूलता रहा। नष्ट होने के बाद भी नालंदा का गौरव नष्ट नहीं हुआ और यहां का ज्ञान दुनिया को जाग्रत करता रहा।

साल 1193 में दिल्ली सल्तनत के शासक कुतुबुद्दीन ऐबक के सेनापति मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने आग लगाकर इस विश्वविद्यालय को जला दिया था। नालंदा विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में इतनी किताबें थीं कि 3 दिनों तक आग धधकती रही।

▶10पर

पेट्रोल डीजल के बाद पानी और बस किराए की बारी

कर्नाटक में जनता पर बोझ खटाखट

खजाना खाली, धन का जुगाड़ तलाश रहे फटाफट
रेवड़ी बांटने पर खर्च कर दिए 52,000 करोड़ रुपए

बेंगलुरु, 19 जून (एजेंसियां)।
कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राज्य के आम आदमी पर और भी बोझ डालने की तैयारी कर रही है। कई रेवड़ी का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस के लिए राज्य का खाली खजाना अब चिंता का सबब बन रहा है। खजाने की भरपाई के लिए कांग्रेस सरकार ने डीजल पेट्रोल की कीमतें बढ़ाने के बाद अब पानी के दाम और बस के किराए पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। इन्हें भी बढ़ाए जाने की बात हो रही है। इसके अलावा, कांग्रेस सरकार ने एक अमेरिकी कम्पनी को कमाई बढ़ाने पर सुझाव देने को लेकर काम पर लगाया है। 2023 में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस ने पांच गारंटी दी थी। इन्हें रेवड़ी कहा गया था। कांग्रेस ने 2023 विधानसभा चुनाव में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देगी। इसे गृह ज्योति योजना का नाम दिया गया था। इसके अलावा गृह लक्ष्मी नाम की योजना का भी एक वादा किया गया था। इसके अंतर्गत कांग्रेस ने वादा किया था कि वह राज्य की महिलाओं को 2000 रुपए प्रतिमाह देगी। कांग्रेस ने कर्नाटक की आर्थिक स्थिति और मुफ्त सुविधाओं के वादों से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले बोझ को दरकिनार करते हुए हर परिवार को 10 किलो अनाज देने का भी वादा किया था, इसे अन्न भाग्य योजना का नाम दिया गया था। कांग्रेस ने राज्य में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का भी वादा किया था। इसके अलावा राज्य के बेरोजगार युवाओं को भी 1500 रुपए देने की बात कही गई थी। इनमें से कुछ योजनाएं लागू कर दी गईं तो कुछ को आंशिक रूप से लागू किया गया है।

कांग्रेस के इन रेवड़ी वादों का असर अब राज्य के खजाने पर दिख रहा है और वह राजस्व बढ़ाने के लिए नई-नई जुगत भिड़ा रही है।

▶10पर

रियासी के हत्यारे आतंकियों को शरण देने वाला पकड़ा गया

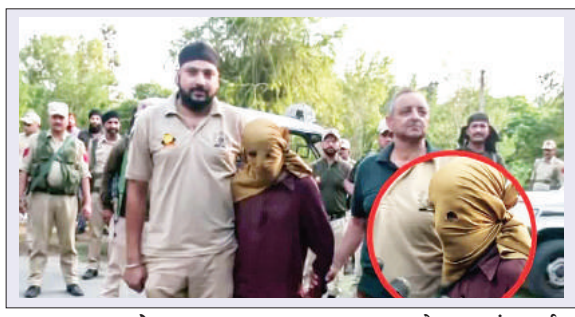

महज छह हजार में किया था 10 जिंदगियों का सौदा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 जून।
एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पुलिस ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है, जिसे रियासी यात्री बस हमले के दौरान आतंकवादियों को सुविधा प्रदान करने और रसद सहायता देने के लिए मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, वह आतंकियों के लिए गाइड का काम करता था और उन्हें 6000 रुपए में पनाह देता था। उसके मुताबिक, रियासी में यात्री बस पर हमला करने वाले तीन पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस का कहना है कि खाना और रहने की जगह मुहैया कराने के साथ-साथ उक्त व्यक्ति ने गाइड का काम भी किया और घटनास्थल तक पहुंचने में उनकी मदद की।

▶10पर

सुरक्षाबलों ने सोपोर में दो आतंकी मारे, दो जवान जख्मी

जम्मू, 19 जून (ब्यूरो)।
उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के हादीपोरा सोपोर इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। सेना और पुलिस के एक एक जवान भी जख्मी हो गए। दूसरी तरफ जम्मू संभाग के जिला डोडा में पुलिसकर्मी से एके-47 राइफल लेकर भागने वाले शख्स मोहम्मद रफी को एसओजी की टीम ने बुधवार को धर-दबोचा। एसओजी के जवानों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। उसके पास से राइफल भी जब्त कर ली गई है। हादीपोरा में सुरक्षा बलों के हाथों मारे गए दोनों आतंकवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने संदिग्ध स्थान की ओर तलाशी तेज की, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मुठभेड़ में दो आतंकियों के मारे जाने और दो जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। जम्मू संभाग के जिला कठुआ की तहसील हीरानगर के सैडा सोहल में आतंकियों की मौजूदगी के बाद सांबा जिला में भी कई क्षेत्रों में संदिग्ध देखे जाने की सूचना पर पुलिस,

डोडा में पुलिसकर्मी की एके-47 लेकर भागने वाला गिरफ्तार

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,930/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,950/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

खुफिया एजेंसियों ने किया गृह मंत्रालय को अलर्ट

भारत में हर रोज घुसाए जा रहे हैं रोहिंग्या मुसलमान

रोहिंग्या को बसाने में सक्रिय हैं इस्लामिक और सियासी सरपरस्त

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।
भारत घुसपैठियों की समस्या से जूझ रहा है, खासकर बांग्लादेश-म्यांमार से आने वाले रोहिंग्या घुसपैठियों ने देश की नाक में दम कर रखा है। उन्हें हटाने के लिए जब भारत सरकार एनआरसी जैसा कानून लेकर आती है तो विपक्षी दल इन इस्लामी घुसपैठियों के समर्थन में उठ खड़े होते हैं। एक अनुमान है कि भारत में 50,000 से अधिक रोहिंग्या घुसपैठिए बसे हुए हैं। प्रति महीने सैकड़ों रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों को भारत में घुसाया जा रहा है।

देश के एक दर्जन से भी अधिक राज्यों में इन रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों को बसाया जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह भी इसमें लगा हुआ है। एनआईए की टीम

ने हाल ही में इसके मास्टरमाइंड जलील मियां को गिरफ्तार किया है। अधिकतर रोहिंग्या म्यांमार के रखाइन प्रान्त से आते हैं। 1982 में ही वहां इन्हें नागरिकता से वंचित कर दिया गया था, 2015 के बाद इनमें से 9 लाख बांग्लादेश-भारत समेत कई देशों में भाग चुके हैं। 1 लाख का इनामी जलील मियां गिरोह के मुखिया जिबोन रूद्र पाल उर्फ़ सुमन का साथी है।

वह पहले ही एनआईए की शिकंजे में आ चुका था। वहीं इनके अन्य साथी जज मियां और शंतो अब तक फरार है। एनआईए इस गिरोह के 29 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। नवंबर 2023 में भी जलील मियां को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई थी, लेकिन तब वह फरार हो गया था। रोहिंग्या मुस्लिमों को 10-20 लाख रुपए (14-28 लाख बांग्लादेशी टका) के पैकेज के तहत भारत में फर्जी दस्तावेज देकर बसाया जा रहा है। केंद्र सरकार इन्हें अवैध अप्रवासी बता चुकी है, साथ ही इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा तक घोषित कर चुकी है। जबकि संयुक्त राष्ट्र इन्हें शरणार्थी बताता है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

विसर्जन दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा धर्म संघ को ऐतिहासिक ऊंचाइयां प्रदान करने वाले तथा नारी जाति के उन्नायक गणाधिपति गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी के 28 वें महाप्रयाण दिवस पर गुरुदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु साध्वी श्री उदित यशा जी के पावन सानिध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में विसर्जन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी जी द्वारा नमस्कार महामंत्र से किया गया। तत्पश्चात मंडल की बहनों ने तुलसी अष्टकम् का मधुर संगान किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने गुरुदेव को अपनी श्रद्धांजलि

अर्पित करते हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। साध्वी भव्य यशाजी एवं साध्वी शिक्षा प्रभा जी ने गुरुदेव को याद करते हुए सुमधुर गीतिका का संगान किया। साध्वी संगीतयशा जी ने गुरुदेव के उपकारों को याद करते हुए बताया कि किस प्रकार गुरुदेव अनेक विरोधों की परवाह किए बगैर संघ के विकास में सतत प्रयासरत रहे। उन्होंने अपने पद का भी विसर्जन किया।

साध्वी उदित यशाजी ने फरमाया कि जब व्यक्ति को अपना पूर्ण भान भी नहीं रहता उस अल्प आयु में गुरुदेव ने इतने बड़े संघ का दायित्व संभाला और अपने कुशल नेतृत्व से अनेक कठिनाइयों को पार करते हुए संघ को सफलता की नई-नई ऊंचाइयां प्रदान की। आज महिला मंडल हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। यह आचार्य तुलसी की ही देन है। गुरुदेव ने अपने पद का विसर्जन करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ जी को अपना उत्तराधिकारी बनाया तो आज इस विसर्जन दिवस के अवसर पर हमें भी अहंकार, ममत्व तथा पदल-ोलुपता का विसर्जन करना चाहिए। साध्वीजी ने कहा कि सभी भाई - बहन महीने में एक दिन मोबाइल के अनावश्यक उपयोग का विसर्जन करें। अतिआवश्यक होने पर ही उपयोग करें। उपासक भरत बोथरा, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया तथा अभिलाषा डांगी ने भी गुरुदेव के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित करते हुए अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री दीपिका गोखरू तथा आभार ज्ञापन मंजू लुणिया ने व्यक्त किया।

प्रवासियों ने किया ओझा का बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के हेब्बाल में सीरवी समाज की बड़ेर में भाजपा नेता व जोधपुर युवा मोर्चा प्रभारी एडवोकेट प्रफुल्ल ओझा के बेंगलूरु आगमन पर प्रवासी राजस्थानियों द्वारा मारवाड़ी परंपरा अनुसार माला, साफा एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर ओझा ने संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के प्रत्येक चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जिताने में प्रवासी बंधुओं का महत्पूर्ण सहयोग रहता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यहां बेंगलूरु में भी प्रवासी बंधु पार्टी के प्रत्येक कार्य में अपनी अहम भूमिका निभाते है। इस अवसर पर समाजसेवी भैरुनाथ, भूपेश कश्यप, थानाराम बेलन्दूर, प्रकाशसिंह, डूंगर प्रजापत, नितेश चौहान, खेताराम सीरवी, खंगारराम सीरवी, गोविंद कुमावत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी विचरण करते हुए बुधवार को चामराजपेट से विहार कर हनुमंतनगर सभा भवन पहुंची। साध्वीश्री जी का 25 जून तक का प्रवास हनुमंतनगर भवन में ही रहेगा। श्रावक समाज काफी उत्सुकता से इस प्रवास का लाभ लेने के लिए तत्पर है। तेरापंथ सभा, युवक परिषद्, महिला मंडल इस प्रवास काल में निरंतर कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी। इसी श्रृंखला में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा निर्देशित भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। रास्ते की सेवा का लाभ अध्यक्ष अंकुश बैद, परमार्शक धर्मेश कोठारी, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, सह मंत्री देवेंद्र आँचलिया, सह मंत्री द्वितीय सुमित चिंडालिया, कोषाध्यक्ष गौतम चावत व विहार सेवा प्रभारी रक्षित लोढ़ा ने लिया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला अंधत्व नियंत्रण संस्थान, मैसूरु रोटरी इंस्टीट्यूट बन्नूर, लायंस ग्रीन लैंड बन्नूर, विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान बन्नूर और कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्व-ावधान में स्व.कान सिंह राजप-ुरोहित की 15वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन बुधवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बन्नूर स्थित विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान में किया गया। दीप प्रज्वलित कर वन्या व विराट सिंह

ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दे कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्नड़ फिल्म अभिनेता प्रेम रहे। प्रेम ने समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित के माध्यम से की जा रही विभिन्न तरह की समाजसेवा की सराहना कर आभार जताया। शिविर में 6 सौ लोगों ने निशुल्क नेत्र जांच के तहत मोतियाबिंद, रक्तचाप, शुगर, दमा आदि की जांच करवाई। नेत्र विशेषज्ञ डॉ.विकाश, डॉ.रोहिल तथा डॉ.विजय ने लोगों के नेत्रों की गहन जांच कर 100 लोगों को कोयम्बत्तूर के अरविंद अस्प-ताल में आँखों के निःशुल्क ऑपरेशन हेतु बसों में रवाना किया। शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ.गुरुबसप्पा ने लोगों को उचित परामर्श दे कर आयुर्वेदिक दवाईयां दी। शिविर के प्रयोजक गवरीदेवी, समाजसेवी महेंद्र सिंह, राजेश सिंह राजप-ुरोहित परिवार का विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर विवेकानंद शिक्षण संस्थान के व्यवस्थापक एम.प्रकाश, कृष्ण गौड़ा, योगेंद्र, केम्पे गौड़ा, गुरु चक्रवती, दिलीप पारिक, अशोक भाटी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कर्नाटक भारत की आरएंडडी और नवाचार राजधानी: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को कहा कि राज्य नवाचार के मामले में सबसे आगे है, जो वैश्विक अनुसंधान एवं विकास में 22 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रौद्योगिकी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न केवल कर्नाटक बल्कि भारत को एक कुशल राष्ट्र, अनुसंधान और विनिर्माण गंतव्य, नवाचार राजधानी और बायोटेक और स्टार्टअप हब बनाने का प्रयास कर रही है। यहां सीआईआई कर्नाटक आरएंडडी कॉन्क्लेव-2024 के पहले

संस्करण में बोलते हुए, खड़गे ने कहा कि कर्नाटक वैश्विक नवाचार के मामले में सबसे आगे है, जो वैश्विक अनुसंधान एवं विकास में 22 प्रतिशत का योगदान देता है और निर्यात, एफडीआई और प्रौद्योगिकी सेवाओं में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि करीब 250 इंजीनियरिंग कॉलेजों, 44 विश्वविद्यालयों और 25,000 स्टार्ट-अप के साथ, कर्नाटक भारत की आरएंडडी और नवाचार राजधानी है।

उद्योग-अनुकूल नीतियों और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा में निरंतर निवेश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सतत विकास और बेहतर जीवन स्तर को बढ़ावा देती है। हमें भारत का नेतृत्व करने और वैश्विक क्षेत्र को प्रभावित करने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास विकास, नवाचार और सतत प्रगति के लिए उत्प्रेरक है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करना अनिवार्य है, खासकर स्टार्टअप, इंजीनियरिंग और चिकित्सा पारिस्थितिकी तंत्र में। कर्नाटक शायद हर उस क्षेत्र में अग्रणी है जिसे आप देखना चाहते हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये चीजें रातोंरात हो गई हैं। नहीं, कर्नाटक पारिस्थितिकी तंत्र या बेंगलूरु पारिस्थितिकी तंत्र को अब तीन दशकों में पोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में 80 मेडिकल कॉलेज और 1777 सार्वजनिक और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी हैं।

हम न केवल भारतीय बाजार के लिए बल्कि वैश्विक कार्यबल के लिए भी सबसे अधिक संख्या में स्नातक तैयार कर रहे हैं। हम रातों-रात दुनिया के चौथे सबसे बड़े प्रौद्योगिकी क्लस्टर नहीं बन गए। हम दुनिया के कॉल सेंटर, दुनिया की आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर अब आरएंडडी (दुनिया का केंद्र) बन गए हैं।

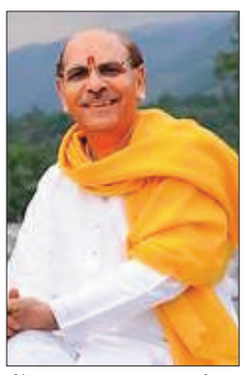

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एचएच सुधांशुजी महाराज का चार दिवसीय अमृत प्रवचन गुरुवार से शुरू होगा। पहले दिन गुरुवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक राजनकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में अमृत प्रवचन होगा। उसके बाद शुक्रवार को 5 से 7 बजे तक, शनिवार को 11 से 1 बजे तक और रविवार को 10 से 12 बजे तक जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेशन हॉल में अमृत प्रचवन होगा। इसके आयोजक विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु हैं।

नयी कार्यकारिणी का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मागडी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में कर्नाटक महर्षि दाधीच परिषद बेंगलूरु ट्रस्ट की नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें संरक्षक किशोरचंद सुंटवाल, मुरलीधर सुंटवाल, दामोदर जोशी, श्याम सुंदर काकड़ा एवं परामर्श दाता सत्यनारायण गोटेचा, ओम प्रकाश तिवारी, हुलास बेहेड, हनुमान तिवारी एवं अध्यक्ष पद पर नथमल पाटोदिया, उपाध्यक्ष बाबूलाल बोरायडा, महामंत्री प्रभाकर काकडा, मंत्री अमित सुंटवाल, सह मंत्री प्रदीप जोशी, कोषाध्यक्ष नीतिन दायमा, संगठन मंत्री राजकुमार जोशी, संगठन मंत्री मनमोहन बोरायडा, संयोजक भानुप्रकाश रीणवा, संयोजक पंकज मुंडेल और सांस्कृतिक मंत्री के रूप में किशनलाल मांडोलिया को चुना गया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विजय कर्नाटक क्रिकेट क्लब द्वारा बसवेश्वरा नगर स्थित अंबेडकर खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा जीपीएल कप 2024 का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा जो फिट रहता है वह हिट रहता है। सफलता का फिटनेस से गहरा संबंध है। फिट रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

निशान यात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकलश्री हरि वनवासी विकास फाउंडेशन महिला समिति बेंगलूरु के सानिध्य में पहली बार 100 महिला भक्तों के साथ निशान यात्रा बनेरगट्टा रोड स्थित श्रीदेवी मुकाम्बिका मन्दिर से श्री श्याम मन्दिर बन्नेरघट्टा धाम के लिए निकाली गई। जिसमें नाचते गाते श्याम प्रेमी ढोल नगाड़ों के साथ मंदिर पहुंचे। बाबा श्याम को निशान अर्पित करने के बाद सभी भक्तों ने महाप्रसादी का आनंद लिया। निशान यात्रा का आयोजन संयोजक रीना मित्तल और हरि वनवासी विकास फाउंडेशन के महिला समिति की अध्यक्ष कांता सोमानी, सचिव पूजा पांडिया की टीम के सानिध्य में हुआ। यात्रा में सरंक्षक देवेन्द्र सोनी, सचिव संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे। निशान पूजा रामेश्वर भूतड़ा एवं संतोष भूतड़ा ने की। कार्यक्रम में संतोष भूतड़ा और शोभा पारीक का सहयोग रहा।

शिवकुमार ने दिए संकेत

शहर में मासिक जल शुल्क में संभावित वृद्धि की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को संकेत दिया कि शहर में मासिक जल शुल्क में संभावित वृद्धि की संभावना है, क्योंकि उन्होंने बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा सामना किए जा रहे वित्तीय तनाव को उजागर किया। शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने कहा कि घाटे में चल रहा बीडब्ल्यूएसएसबी नई परियोजनाएं शुरू नहीं कर पाया है।

राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह ईंधन पर बिक्री कर बढ़ा दिया था, जिससे पेट्रोल और डीजल क्रमशः 3 रुपये और 3.5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा पिछले दस वर्षों से बेंगलूरु में जल शुल्क में वृद्धि नहीं की गई है। यह (बीडब्ल्यूएसएसबी) बहुत घाटे में है।

हमें नई परियोजनाएं शुरू करनी हैं। कोई भी बैंक बीडब्ल्यूएसएसबी को वित्तपोषित करने के लिए आगे नहीं आ रहा

है। अब (कावेरी) पांचवां चरण (जल आपूर्ति परियोजना) पूरा होने जा रहा है। मंत्री ने कहा 70 प्रतिशत बिजली बिल और श्रम लागत है और हर साल हमें (बीडब्ल्यूएसएसबी) बड़ा घाटा हो रहा है। इसलिए, कोई विकल्प नहीं है। मैं संभावनाओं पर काम कर रहा हूं, हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि कंपनी को कैसे सही किया जाए। यहां तक कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) और विश्व बैंक जैसी विकास एजेंसियों ने भी तर्क दिया है कि पानी के टैरिफ में बढ़ोतरी के मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है, और यह सुनिश्चित करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है कि बीडब्ल्यूएसएसबी ब्रेक-ईवन हासिल करे। हम चीजों का विस्तार करना चाहते हैं, हमने बेंगलूरु के लिए (कावेरी से) छह टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) अधिक पानी दिया है, हमें उस पानी को निकालने के लिए एक और चरण शुरू करना होगा। कोई विकल्प नहीं है। हम यह दिखाना चाहते हैं कि यह वित्तीय रूप से एक स्वतंत्र कंपनी है और यह स्वतंत्र रूप से काम करती है। मैंने अधिकारियों से (वृद्धि की) संभावनाओं की जांच करने को कहा है। देखते हैं, आखिरकार, हम सभी तथ्यों को सार्वजनिक डोमेन में रखेंगे और फिर हम कोई फैसला लेंगे।

सतर्क कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया से पेट्रोल पंप पर आग लगने की दुर्घटना टली

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी के सिटी बस स्टैंड के पास एक पेट्रोल पंप पर पंप के कर्मचारियों की समय पर प्रतिक्रिया के कारण एक संभावित आपदा टल गई। शॉर्ट सर्किट के कारण पेट्रोल पंप पर जनरेटर में आग लग गई। यह घटना उडुपी के सिटी बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग की मुख्य सड़क पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर हुई। आग जनरेटर में लगी और पंप के कर्मचारियों ने तुरंत लपटों को देखा।

त्वरित सोच और सतर्कता का परिचय देते हुए, उन्होंने जनरेटर को राष्ट्रीय राजमार्ग की मुख्य सड़क पर ले जाकर आग बुझाई। इसके बाद, उन्होंने अग्निशमन विभाग को सूचित किया। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने आग को सफलतापूर्वक बुझाया और कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई की बदौलत पेट्रोल पंप पर संभावित आपदा टल गई।

केंद्रीय रेल मंत्री से कुमारस्वामी ने की अहम चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और राज्य में रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को लेकर चर्चा की। उन्होंने राज्य में लंबित और चल रही रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, नई रेलवे लाइनों की मंजूरी और वित्तीय सहायता के प्रावधान के संबंध में रेल मंत्री के साथ लंबी मंत्रणा की। कुमारस्वामी ने कहा कि रेल मंत्री ने राज्य की योजनाओं के बारे में बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जिससे मुझे बहुत खुशी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के समय स्वीकृत बेंगलूरु-सत्यमंगला-चामराजनगर (कनकपुरा-मालवल्ली रूट) रेलवे प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने को लेकर चर्चा हुई है।

एकल मेला 22 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस महिला समिति द्वारा ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में 22 जून को बेंगलूरु वासियों के लिए मनपसंद एकल मेला आयोजित किया जाएगा। मेले की लगभग सभी तैयारियां जोरशोर के साथ पूरी कर ली गई हैं। इस साल प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक के रूप में बगारिया एजुकेशन ट्रस्ट और सह प्रायोजक पंच केसरी बडेरा ज्वैलर्स, सहायक प्रायोजक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एवं अरिहंत ज्वैलर्स और सह-सहायक प्रायोजक के रूप में गोमती ग्रुप एवं बोथरा ग्रुप विशेष सहयोगी है। एकल मेले के लिए बेंगलूरु वासियों में बहुत उत्साह है। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के 90 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे, जिसमें विशेष रूप से एकल मेले में सम्मिलित होने के लिए दिल्ली, जयपुर, चेन्नई से लोग बेंगलूरु आ रहे हैं।

शिक्षित लोगों में जाति चेतना बढ़ रही है जो चिंता का विषय: सीएम सिद्धरामैया

मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिक्षित लोगों में जाति चेतना और अंधविश्वास की प्रवृत्ति में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने छात्रों से ऐसी अंधविश्वासी मान्यताओं से दूर रहने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग और कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान संघों द्वारा संयुक्त रूप से बेंगलूरु में आयोजित एक कार्यक्रम में एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी और समाज कल्याण मंत्री एच. सी. महादेवप्पा भी मौजूद थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कई डॉक्टर अभी भी अंधविश्वास से दूर नहीं हुए हैं। शिक्षित लोग भाग्य और कर्म दर्शन में विश्वास करना जारी रखते हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि यद्यपि बुद्ध और बसवन्ना जैसे समाज सुधारकों और आध्यात्मिक नेताओं ने कई शताब्दियों पहले जाति व्यवस्था को मिटाने की कोशिश की थी, लेकिन हाल ही में जाति चेतना बढ़ रही है, खासकर शिक्षित लोगों में। उन्होंने कहा कि समाज में असमानता मुख्य रूप से जाति व्यवस्था के कारण है, जबकि समानता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस ओर इशारा करते हुए कि बड़े-बुजुर्ग बच्चों को जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव सिखाते हैं, उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों को सबसे पहले अज्ञानता और अंधविश्वास से बाहर आने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, केवल तभी छात्र वैज्ञानिक सोच के आधार पर विकसित होंगे और अपने लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। कवि कुवेम्पु की प्रसिद्ध पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कि प्रत्येक बच्चा विश्व मानव के रूप में पैदा होता है, लेकिन, जैसे-जैसे वह बड़ा होता है, हम उसे अल्प मानव में बदल देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को क्षुद्र मनुष्य बनने से रोकें।

उन्होंने याद दिलाया कि बसवन्ना ने 12वीं शताब्दी में ही दलितों और ब्राह्मणों के बीच अंतरजातीय विवाह की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि अगर जाति व्यवस्था को कमजोर करना है तो शोषित समुदायों को सामाजिक और वित्तीय सशक्तीकरण मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने इस बात पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि संविधान की वजह से शोषित समुदायों के बच्चे भी शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम हैं।

20 ऐसे स्कूल खोलने की अनुमति

सिद्धरामैया ने याद दिलाया कि उन्होंने दलित संघर्ष समिति के अभियान से प्रेरित होकर अपना पहला राज्य बजट पेश करते समय ग्रामीण क्षेत्रों में मोरारजी आवासीय विद्यालय शुरू किए थे, जिसका विषय था हमें आवासीय विद्यालय चाहिए, न कि अरक। उन्होंने बताया कि तब से वे लगातार ऐसे नए स्कूलों को अनुमति दे रहे हैं। इस साल ही उन्होंने 20 ऐसे स्कूल खोलने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर होबली में एक आवासीय स्कूल हो। उन्होंने कहा कि अभी कर्नाटक में 946 आवासीय स्कूल हैं, जिनमें से 833 समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत हैं। इन सरकारी आवासीय स्कूलों के छात्रों ने एसएसएलसी और पीयू परीक्षाओं में 96 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की है। उन्होंने छात्रों से अगली बार शत-प्रतिशत परिणाम हासिल करने का आह्वान किया।

भाजपा विरोध करे, हम पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं करेंगे: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं किये जायेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही कीमत बढ़ा दी है और वाहन चालक पेट्रोल और डीजल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में कम है तो पड़ोसी राज्य आकर पेट्रोल-डीजल ले रहे हैं। भाजपा पुलिस की इजाजत लेकर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी वापस लेने की मांग को लेकर सड़क जाम कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक सड़क जाम नहीं किया जा सकता। जनता को असुविधा न हो, बिना अनुमति लिए अथवा अनुमति अवधि से अधिक समय तक सड़क जाम करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सड़क जाम करने वालों को हटाने की कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो लाठीचार्ज भी किया जायेगा। फ्रीडम पार्क में पहले से ही कई संगठन और जनता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसमें कोई बाधा नहीं डाली है, पानी और बस टिकट की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव संबंधित विभाग से संबंधित है और अगर हमें इसके बारे में कोई शिकायत मिलेगी तो हम कार्रवाई करेंगे। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध करना विपक्षी भाजपा का अधिकार है। शासन करना हमारा अधिकार है। हमारे और उनमें यही अंतर है। वे पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर बढ़ाने में राजनीति कर रहे हैं। भाजपा ने हाल ही में हर चीज का राजनीतिकरण किया है। भले ही देश में 14 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि इसे भुला दिया गया है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम थी, तब भी कीमत बढ़ाकर कितना पैसा इकट्ठा किया गया, यह नहीं बताया जा रहा है। पीएसआई भर्ती मामला अगले दो सप्ताह में अंतिम चरण पर पहुंच जाएगा, दो-तीन बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी मुद्दे उठाए गए हैं और उन्हें सुलझा लिया जाएगा।

विधान परिषद के नये सदस्यों का शपथ ग्रहण 24 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद के लिए चुने गए 17 नए सदस्य 24 जून को शपथ लेंगे। विधानसभा की 11 सदस्य सीटों और 3 शिक्षक और 3 स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से ऊपरी 6 सदस्य सीटों के लिए चुनाव हो चुके हैं। शपथ ग्रहण समारोह सोमवार सुबह 11 बजे विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में होगा। विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी नए सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। 11 नवनिर्वाचित सदस्य पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। इस मौके पर भाजपा, जेडीएस, कांग्रेस के नेता और नए सदस्यों के परिजन और प्रशंसक मौजूद रहेंगे। विधानसभा से निर्विरोध चुने गए कांग्रेस के एस वसंतकुमार, भाजपा के सीटी रवि, एन रविकुमार, मारुति राव और जेडीएस के टीएन जवराई गौड़ा शपथ लेंगे। रामोजी गौड़ा (बेंगलूरु स्नातक निर्वाचन क्षेत्र), बीटी श्रीनिवास (दक्षिण पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र), डॉ. चन्द्रशेखर पाटिल (उत्तर पूर्व स्नातक निर्वाचन क्षेत्र), एसएल बोजे गौड़ा (दक्षिण पश्चिम शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र), विवेकानंद (दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) और डॉ. धनंजय सरजी (दक्षिण पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र) से निर्वाचित हुए हैं। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि ये 6 सदस्य सोमवार को शपथ लेंगे। रघुनाथराव मलकापुरे, डॉ. के. गोविंद-राज, अरविंद कुमार अरली, पीएम फारुख, एन. रविकुमार, एस. रुद्रेगौड़ा, के. हरीश कुमार, एनएस बोसाराजू और मुनिराजू गौड़ा 17 जून को सेवानिवृत्त हो गए। डॉ. तेजस्विनीगौड़ा और के.पी. नंजुंदी विश्वकर्मा ने इस्तीफा दे दिया, सेवानिवृत्ति और इस्तीफे के कारण 17 सदस्य सीटें खाली हो गईं, और उन सीटों के लिए चुनाव में 11 सदस्य निर्विरोध चुने गए। शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 21 जून तक है। 22 और 23 जून को छुट्टी होने के कारण सभी 11 नए सदस्यों को 24 जून को शपथ दिलाई जा रही है।

चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव के लिए शतरंज का खेल शुरू

शिवकुमार लोगों की नब्ज टटोल रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी का विधायक पद से इस्तीफा स्वीकार होने के बाद राजनीतिक दलों ने चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न मंदिरों के दर्शन के बहाने लोगों की नब्ज टटोल रहे हैं। उपचुनाव में कौन लड़ रहा है, इसे लेकर लोगों की राय बन रही है।

जेडीएस भी इस सीट को बरकरार रखने की रणनीति बना रही है। ऐसे में भाजपा और

जेडीएस के बीच इस सीट से चुनाव लड़ने की होड़ मची हुई है। गठबंधन की दोनों पार्टियों ने अभी तक यह संकेत नहीं दिया है कि उपचुनाव में किसे टिकट दिया जाएगा। लेकिन जेडीएस यूथ विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी का नाम सबसे आगे सुनाई दे रहा है। साथ ही उनके प्रशंसक चन्नपटना तालुक जेडीएस अध्यक्ष और राज्य ओक्कालिगर संघ के महासचिव एचसी जयमुथु को टिकट देने के लिए कुमारस्वामी पर दबाव बना रहे हैं। उनके प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने नेता को उपचुनाव के लिए टिकट देने की मांग की है।

पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर फिलहाल विधान परिषद के सदस्य हैं और उपचुनाव लड़ने के इच्छुक हैं।

जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से मुलाकात कर इस संबंध में बातचीत कर चुके हैं। कुमारस्वामी ने कहा है कि वह चुनाव की घोषणा के बाद उम्मीदवार का चयन करेंगे, लेकिन उन्होंने फिलहाल यह रहस्य नहीं बताया है कि उपचुनाव में गठबंधन का उम्मीदवार कौन होगा। इस बीच, यह तर्क मजबूत है कि चन्नपटना का प्रतिनिधित्व जेडीएस द्वारा किया जाना चाहिए और यदि योगेश्वर चुनाव लड़ते हैं, तो यह सुझाव दिया गया है कि उन्हें भाजपा के बजाय जेडीएस के प्रतीक के तहत चुनाव लड़ना चाहिए। बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक ए मंजू को योगेश्वर से सलाह कर अंतिम रूप देने की जिम्मेदारी दी गई है। उपचुनाव उम्मीदवारों के चयन को लेकर एनडीए गठबंधन में कोई आधिकारिक बैठक नहीं हुई है। लेकिन पूर्व सांसद डीके सुरेश ने साफ कर दिया है कि वह उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हालाँकि, डी.के. शिवकुमार की निर्वाचन क्षेत्र की यात्रा और लोगों की नब्ज जानने के काम ने गहरी राजनीतिक रुचि पैदा कर दी है। राजनीतिक हलके में चर्चा है कि यदि अनुकूल माहौल मिला और कांग्रेस के पक्ष में विश्वास सुनिश्चित हुआ तो सुरेश को ही उपचुनाव का उम्मीदवार बनाया जायेगा।

नीट के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है

कर्नाटक भी तमिलनाडु की तरह नीट विरोधी विधेयक पर कर रहा विचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने के कदम पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा हम तमिलनाडु की राह पर चलने पर विचार कर रहे हैं। हम नीट का विरोध कर रहे हैं, जो एक बड़ा घोटाला है। हमारे लोगों ने राज्य में संस्थान बनाए हैं, लेकिन वे अपने समुदायों से संबंधित छात्रों को सीटें देने में असमर्थ हैं। हमें इस पर राष्ट्रीय चर्चा की आवश्यकता है। कर्नाटक सरकार का यह रुख नीट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आक्रोश के जवाब में आया है, जब प्रश्नपत्र लीक होने, अंक देने में विसंगतियां और छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले मनमाने प्रशासनिक फैसले सामने आए। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने अब परीक्षा से पहले 30 लाख से 50 लाख रुपये में नीट के प्रश्नपत्र

खरीदने के आरोप में माता-पिता और अन्य आरोपियों के अलावा 10 मेडिकल उम्मीदवारों पर मामला दर्ज किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने राज्य में नीट को खत्म करने के तमिलनाडु के बिल का जिक्र किया। 2021 में, तमिलनाडु में डीएमके के सत्ता में आने के बाद, छात्रों पर नीट के प्रभावों की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ए.के. राजन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था। आयोग ने पाया कि नीट तमिल माध्यम के स्कूलों और सरकारी स्कूलों के छात्रों को फेल कर देता है, जिससे गरीब पृष्ठभूमि के छात्रों को नुकसान होता है, जबकि सीबीएससी पाठ्यक्रम के छात्रों और उन लोगों को फायदा होता है जो अतिरिक्त निजी ट्यूशन का खर्च वहन कर सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि राज्य में नीट कोचिंग सेंटर 5,750 करोड़ रुपये का उद्योग बन गया है।

न्यायमूर्ति ए.के. राजन ने यह भी बताया था कि कैसे नीट अंततः राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को ध्वस्त कर देगा। रिपोर्ट के आधार पर, तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से नीट पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक पारित किया, लेकिन राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस करने से पहले महीनों तक सहमति नहीं दी। फरवरी 2022 में, विधानसभा ने बिना किसी संशोधन के विधेयक को फिर से अपनाया, जिससे यह तमिलनाडु विधानसभा में 70 वर्षों में हुई दूसरी ऐसी घटना बन गई। डीएमके और राज्यपाल रवि के बीच कई बार की खींचतान के बाद मई में विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेज दिया गया था। राज्यपाल ने प्रक्रिया में देरी करना चुना, जबकि संवैधानिक रूप से यह अनिवार्य है कि यदि कोई विधेयक बिना संशोधन के दूसरी बार उनके पास लौटाया जाता है तो वे अपनी सहमति दें और फिर हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजें।

विधेयक अभी भी राष्ट्रपति के पास लंबित

विधेयक अभी भी राष्ट्रपति के पास लंबित है। इस बीच, देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर, सुप्रीम कोर्ट ने अनियमितताओं के विभिन्न आरोपों का जवाब देने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को दो सप्ताह का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जुलाई को सुनवाई के लिए आने वाली याचिकाओं के लंबित बैच के साथ सुनवाई कर रही याचिका को टैग करने का भी आदेश दिया। इससे पहले डीके शिवकुमार ने भी ईवीएम से छेड़छाड़ का मुद्दा उठाया और पेपर बैलेट की वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा ईवीएम खत्म हो जानी चाहिए और पेपर बैलेट की वापसी होनी चाहिए। उनका यह बयान आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी द्वारा ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ इसी तरह की भावनाओं को दोहराने के बाद आया।

दर्शन ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में पैसे देने की बात की स्वीकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन ने 24वीं एसीएमएम कोर्ट में जमा की गई रिमांड कॉपी के अनुसार रेणुकास्वामी हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अन्य आरोपियों को पैसे देने की बात भी कबूल की है। 15वें आरोपी कार्तिक उर्फ कप्पे और 17वें आरोपी निखिल नायक की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए रिमांड कॉपी कोर्ट में जमा की गई। रिमांड कॉपी के अनुसार, दर्शन ने पुलिस और वकीलों को मैनेज करने और शव को ठिकाने लगाने वालों को पैसे देने के लिए आरोपी प्रदोष को 30 लाख रुपये दिए थे। पुलिस ने प्रदोष के घर से पैसे जब्त कर लिए हैं। मामले में सभी 17 आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने कई आईपीसी धाराओं के तहत आरोप दर्ज किए हैं, जिनमें 302 (हत्या), 201 (साक्ष्यों को गायब करना, झूठी सूचना देना), 120बी (आपराधिक साजिश),

364 (अपहरण), 355 (आपराधिक बल का प्रयोग), 384 (जबरन वसूली) और 184 (अवैध रूप से एकत्र होना) समेत अन्य अपराध शामिल है। रेणुकास्वामी के शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने कहा है कि मौत कई कुंद चोटों के परिणामस्वरूप सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई थी। इसके अलावा, विसरा के नमूने आगे के विश्लेषण के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजे गए हैं। जांच में पता चला कि आरोपी प्रदोष ने रेणुकास्वामी और मोबाइल फोन को नाले में फेंक दिया था। राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को चित्रदुर्ग से अगवा किया था और दर्शन के निर्देश पर उसे बेंगलूरु लाया था। फायर फोर्स और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने गटर से मोबाइल फोन बरामद करने के लिए अभियान शुरू किया है। दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी ने अपराध के दिन पहने गए उसके जूते पुलिस को सौंप दिए हैं। 15वें और 17वें आरोपी कार्तिक उर्फ कप्पे (27) और निखिल नायक (21) को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डीके शिवकुमार ने कर्नाटक में चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव लड़ने के दिए संकेत

मतदाताओं के निर्णय का पालन करना होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया, क्योंकि उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी और क्षेत्र के मतदाताओं के निर्णय का पालन करना होगा। पड़ोसी रामनगर जिले के शहर के दौरे से पहले शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा चन्नपटना मेरे दिल में है। चन्नपटना वह जगह भी है, जिसने मुझे राजनीतिक जन्म दिया। चन्नपटना उपचुनाव इसलिए जरूरी है, क्योंकि हाल ही में हुए चुनावों में जेडी(एस) नेता और अब केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के लोकसभा में चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। इस विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम अभी चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया जाना बाकी है। शिवकुमार ने कहा चन्नपटना पहले सथानूर (शिवकुमार द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाने वाला पूर्ववर्ती क्षेत्र) का हिस्सा था। मुझे चन्नपटना से प्यार है, मैं चन्नपटना की मदद करना चाहता हूं।

मैं चन्नपटना को बदलना चाहता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके भाई और पूर्व सांसद डी के सुरेश चन्नपटना से चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा यह तय नहीं है। कमोबेश मैं अपने लिए वोट मांग रहा हूं। हालांकि पहले चर्चा थी कि सुरेश, जो हाल के चुनावों में बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से हार गए थे, चन्नपटना से मैदान में उतर सकते हैं, लेकिन अब राजनीतिक हलकों, खासकर पुरानी पार्टी में अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवकुमार अपने भाई की हार का बदला लेने और क्षेत्र में अपना दबदबा फिर से स्थापित करने के लिए मैदान में उतर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, अगर शिवकुमार चन्नपटना से चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं, तो वह सुरेश के लिए कनकपुरा विधानसभा सीट खाली कर सकते हैं, जिसका वह वर्तमान में प्रतिनिधित्व करते हैं। चन्नपटना और कनकपुरा दोनों वोक्कालिगा बहुल रामनगर जिले का हिस्सा हैं, जो बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां से कुमारस्वामी के रिश्तेदार और प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ सी एन मंजूनाथ ने गठबंधन सहयोगी भाजपा और जद (एस) के बीच समझौते के तहत भाजपा उम्मीदवार के रूप में सुरेश को हराकर जीत हासिल की थी। शिवकुमार ने कहा चन्नपटना ने मुझे राजनीतिक जन्म दिया। चार बार मैं चन्नपटना से होबली में जीता हूं, जो मेरे विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वहां के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा मुश्किल समय में भी लोगों (चन्नपटना के) ने हमें (हाल के लोकसभा चुनावों में) करीब 80,000 वोट दिए हैं। मुझे वहां बदलाव लाकर लोगों का कर्ज चुकाना है। कनकपुरा में मैंने जो किया है, उससे कहीं अधिक विकास वहां करने का अवसर है। शिवकुमार ने कहा कि वह चन्नपटना में मंदिरों में जाकर भगवान की पूजा-अर्चना करेंगे, जिन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया है। इसके बाद वह वहां के मतदाताओं से बात करेंगे और सुनेंगे कि मतदाता और नेता क्या कहते हैं। इसके आधार पर मैं फैसला करूंगा।

कोई और रास्ता नहीं है

अगर लोग चाहते हैं कि वह चुनाव लड़ें तो वह क्या करेंगे, इस पर उन्होंने कहा कोई और रास्ता नहीं है। मुझे अपनी पार्टी और मतदाताओं की बात सुननी होगी। भाजपा एमएलसी सी पी योगीश्वर को भाजपा-जद (एस) गठबंधन से चन्नपटना उपचुनाव के संभावित उम्मीदवारों में से एक बताया जा रहा है। कुमारस्वामी के अभिनेता से नेता बने बेटे निखिल कुमारस्वामी का नाम भी चर्चा में है। निखिल पड़ोसी रामनगर से 2023 का विधानसभा चुनाव हार गए थे। जेडीएस के कुमारस्वामी ने 2018 और 2023 में चन्नपटना सीट जीती थी। इससे पहले योगीश्वर ने भाजपा और समाजवादी पार्टी से इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने इससे पहले निर्दलीय और कांग्रेस पार्टी से भी इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था। शिवकुमार 2008 से कनकपुरा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कुवैत अग्नि पीड़ित को मुआवजा देने का मामला

डॉ. आरती कृष्णा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की प्रशंसा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य एनआरआई फोरम की उपाध्यक्ष डॉ. आरती कृष्णा ने हाल ही में कुवैत आवासीय परिसर में लगी आग में मारे गए कर्नाटक निवासी के परिवार को वित्तीय मुआवजा प्रदान करने में उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की प्रशंसा की। कुवैत के मंगफ में एक आवासीय परिसर में 12 जून को हुई इस दुखद घटना में लगभग 45 भारतीय नागरिकों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ितों में कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक के सरसांबा गांव के कोबन्ना प्रसन्ना के बेटे 40 वर्षीय विजयकुमार प्रसन्ना भी शामिल थे। प्रसन्ना, जो आठ साल से कुवैत में ड्राइवर के रूप में काम कर रहे थे, अपने पीछे आठ आश्रितों का परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद, कर्नाटक राज्य एनआरआई फोरम ने भारत सरकार और कुवैत दूतावास के साथ समन्वय करके प्रसन्ना के शव को स्वदेश भेजने में मदद की। कई सरकारी अधिकारियों की सहायता से उनके शव को कोच्चि से हैदराबाद और फिर उनके पैतृक गांव ले जाया गया। इसके बाद शव को उनके परिवार को सौंप दिया गया। तत्काल सहायता की आवश्यकता को समझते हुए, केरल राज्य सरकार ने मृतक के आश्रितों के लिए 5 लाख रुपये के वित्तीय मुआवजे की घोषणा की। इसके बाद, डॉ. आरती कृष्णा और कर्नाटक राज्य एनआरआई फोरम ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से इसी तरह की सहायता की अपील की। अपील का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रसन्ना के परिवार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये के मुआवजे को मंजूरी दी। डॉ. कृष्णा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा शोक संतप्त परिवार के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत करने में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की त्वरित प्रतिक्रिया के लिए हम उनकी बहुत सराहना करते हैं। यह सहायता इस कठिन समय में परिवार को बहुत जरूरी राहत प्रदान करेगी। कर्नाटक सरकार द्वारा समय पर किया गया हस्तक्षेप, विदेश में अप्रत्याशित त्रासदियों का सामना करने वाले प्रवासियों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुथैया मुरलीधरन कर्नाटक में पेय पदार्थ इकाई के माध्यम से 1,400 करोड़ रुपये का करेंगे निवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीलंकाई क्रिकेट के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन कर्नाटक में अपने शीतल पेय व्यवसाय का विस्तार करने के लिए तैयार हैं, जिसमें 1,400 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण निवेश होगा। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि वह धारवाड़ में निवेश की अतिरिक्त योजनाओं के साथ चामराजनगर जिले में एक विनिर्माण इकाई स्थापित करेंगे। मुरलीधरन, जो श्रीलंका में एक सफल शीतल पेय व्यवसाय चलाते हैं, चामराजनगर में मुथैया बेवरेजेस एंड कन्फेक्शनरीज ब्रांड के तहत एक नई ग्रीनफील्ड इकाई के साथ अपने उद्यम का विस्तार कर रहे हैं। इस इकाई के जनवरी 2025 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें परियोजना के लिए 46 एकड़ जमीन पहले ही आवंटित की जा चुकी है। शुरुआत में 230 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई गई थी, अब निवेश को संशोधित कर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसे अगले कुछ वर्षों में बढ़ाकर 1,400 करोड़ रुपये करने की योजना है। पाटिल ने सोशल मीडिया

पर एक पोस्ट में कहा महान क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन ने हमारे राज्य में कारोबार का विस्तार किया है। श्रीलंका के महान क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन, जो अब रिटायरमेंट के बाद एक उद्यमी हैं, ने अपने देश में एक शीतल पेय विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया है और अब विस्तार के लिए हमारे राज्य को चुना है। पाटिल के साथ एक बैठक के दौरान, मुरलीधरन ने यह भी कहा कि वह धारवाड़ में पेय पदार्थों के डिब्बे के लिए एक इकाई स्थापित करने की प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हटेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव (उद्योग) एस सेल्वाकुमार, उद्योग आयुक्त गुंजन कृष्णा और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

मुंगरु सांस्कृतिक रायचूरु हब्बा का आयोजन 21 से

आयोजकों ने सरकार से धन की मांग की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बारिश के मौसम में किसानों के पहले त्योहार कारा हुन्निमे को मनाने के लिए तीन दिवसीय वार्षिक खेल और सांस्कृतिक महोत्सव मुंगरू सांस्कृतिक रायचूरू हब्बा का आयोजन 21 से 23 जून तक कर्नाटक के रायचूर शहर के राजेंद्र गंज में किया जाएगा।

यह वार्षिक महोत्सव का 24वां संस्करण है, जिसका आयोजन मुन्नूरू कापू (बलिजा) समाज और कृषि उपज एवं विपणन समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कर्नाटक सरकार से वित्तीय सहायता मिलने की उम्मीद आम जनता में लंबे समय से है, लेकिन इस संबंध में कोई कदम नहीं

उठाया गया है। पूर्व विधायक और कार्यक्रम के अध्यक्ष ए. पापारेड्डी ने बताया कि मुंगरू सांस्कृतिक रायचूरू हब्बा जैसे वार्षिक उत्सव के आयोजन के लिए कई लाख रुपये की आवश्यकता होती है। मुन्नूर कापू (बलिजा) समाज और एएमपीसी के व्यापारी इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए दान एकत्र करते हैं। तीन दिवसीय इस आयोजन में कर्नाटक के बैलों और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, तमिलनाडु और अन्य राज्यों की नस्लों के बैलों द्वारा आयताकार पत्थरों को खींचने की प्रतियोगिता शामिल है। पत्थर उठाना, रेत से भरी बोरियाँ और कुश्ती अन्य आयोजन हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों में लोक और जनपद गीत, नाटक, डोलू कुनीता और कर्नाटक के पारंपरिक नृत्य शामिल हैं। विजेताओं को नकद पुरस्कार और पुरस्कार मिलेंगे। आगंतुकों के लिए भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। तीन दिवसीय आयोजन का खर्च 50 लाख है। पिछले साल, कार्यक्रम आयोजकों ने राज्य सरकार से वित्तीय सहायता की अपील की थी। निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का वादा किया था।

हालांकि, वित्तीय सहायता के मामले में कुछ भी नहीं हुआ। मुन्नूरू कापू (बलिजा) समाज अपने दम पर धन जुटा रहा है। लेकिन, सरकार को कल्याण कर्नाटक में इस कार्यक्रम के आयोजन में शामिल प्रयासों को मान्यता देनी चाहिए और कंबाला के लिए अनुदान की तरह धन जारी करके खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

खाद्य सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाली बस स्टैंड की दुकानों पर होगी कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बस स्टैंड की दुकानों और प्रतिष्ठानों को चेतावनी दी है कि यदि वे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ गंभीर कार्रवाई की जाएगी।

यहां बुधवार को सीएमओ की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि जिला और तालुक केंद्रों में स्थित 201 बस स्टेशनों की 748 दुकानों और प्रतिष्ठानों में उपरोक्त अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया था। जून में सीएमओ के लोक शिकायत विंग में विशेष ड्यूटी पर अधिकारी द्वारा विशेष अभियान चलाया गया था। सोशल मीडिया

में ऐसी रिपोर्ट आने के बाद कि ऐसे प्रतिष्ठान समाप्ति तिथि के बाद खाद्य उत्पाद बेच रहे थे और स्वच्छता की कमी थी। शिकायत शाखा के ओएसडी ने इन वाणिज्यिक इकाइयों का निरीक्षण किया था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे मानदंडों का पालन कर रहे हैं या नहीं, साथ ही मानदंडों का पालन करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। ऐसी दुकानों और प्रतिष्ठानों के मालिकों को चेतावनी दी गई थी कि यदि वे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 से संबंधित मानदंडों का पालन करने में चूक को सुधारने में विफल रहे, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आम धारणा यह है कि मानदंडों के उल्लंघन के मामले भीड़भाड़ वाले और व्यस्त क्षेत्रों जैसे बस स्टेशनों पर स्थित दुकानों और प्रतिष्ठानों में अधिक हैं, जहां आबादी अस्थिर रहती है। कुछ दुकानदारों द्वारा उत्पादों के लिए एमआरपी से अधिक राशि मांगने के भी आरोप हैं।

रेणुकास्वामी की हत्या का मामला

मुझे नहीं पता कि रिपोर्ट को गलत साबित करने के लिए पैसे का लालच दिया गया था: स्वास्थ्य मंत्री

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि मेरे संज्ञान में यह बात नहीं आई है कि रेणुकास्वामी के मरणोपरांत रिपोर्ट को गलत साबित करने के लिए पैसों का लालच दिया गया था। अगर ऐसा कुछ है तो हम इसकी जांच करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रेणुकास्वामी की बेरहमी से हत्या की गई है। पुलिस निष्पक्षता से जांच कर रही है। दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए और असहिष्णुता तब होती है जब बात चरम पर पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि यह रवैया बदलना चाहिए कि सब कुछ हम कर सकते हैं। हम इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्होंने कहा

कि पुलिस गहनता से साक्ष्य जुटाकर जांच कर रही है। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, रेणुकास्वामी की मौत यातना और रक्तस्राव के सदमे से हुई। रेणुकास्वामी के शरीर पर 15 से ज्यादा चोट के निशान हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके सिर, पेट, छाती और अन्य हिस्सों पर निशान थे जहां उसे छड़ी, चमड़े की बेल्ट और रस्सी से पीटा गया था, इसलिए पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और दिन-रात निष्पक्ष रूप से जांच कर रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा अन्य राज्यों की तुलना में हमारे राज्य में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हैं। केंद्र सरकार अपने पास आने वाले टैक्स की दर को कम नहीं कर सिर्फ हमारे टैक्स को कैसे कम कर सकती है। राज्य के विकास के लिए पैसा अपरिहार्य है। उन्होंने रिपोर्टर के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम इसके लिए संसाधन जुटा रहे हैं, यह झूठ है कि हमने गारंटी के लिए कीमत बढ़ा दी है। गारंटी योजनाओं को बंद या संशोधित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन कराकर कुछ बदलाव किये जा सकते हैं। कन्या भ्रूण हत्या के मामले से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य में इस पर काफी अंकुश लगा है। इसका मतलब यह नहीं है कि कन्या भ्रूण हत्या पूरी तरह बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारी कुशलता से काम कर रहे हैं। बेलगावी और मांड्या समेत कई इलाकों पर हमले हुए हैं। मैं आने वाले दिनों में इस बारे में एक बैठक करूंगा। उन्होंने कहा कि मैसूरु का मामला कोर्ट में है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट

महिलाओं पर अत्याचार की 12 हजार शिकायतें

आधी से ज्यादा शिकायतें उत्तर प्रदेश से

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय महिला आयोग को इस साल अब तक उत्पीड़न से लेकर घरेलू हिंसा तक की 12,600 शिकायतें मिली हैं, जिनमें सबसे ज्यादा शिकायतें उत्तर प्रदेश से दर्ज की गई हैं। सबसे अधिक शिकायतें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं से संबंधित हिंसा और उत्पीड़न की 3,107 शिकायतें मिली हैं।

यूपी के बाद दिल्ली और महाराष्ट्र का नंबर रहा जिन्होंने महिलाओं से जुड़ी शिकायतों के मामले में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। हिंसा से जूझ रहे मणिपुर से आयोग के पास महिलाओं के खिलाफ अपराध की केवल तीन शिकायतें दर्ज की गई हैं।

2024 में अब तक महिला आयोग को प्राप्त कुल 12,600 शिकायतों में से 6,470 शिकायतें उत्तर प्रदेश से थीं। आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली से 1,113 शिकायतें की गईं जबकि महाराष्ट्र से यह संख्या 762 थी। अन्य राज्यों में, तमिलनाडु में 301, कर्नाटक में 305, बिहार में 584, मध्य प्रदेश में 514, हरियाणा में

509, राजस्थान में 408 और पश्चिम बंगाल में 306 शिकायतें दर्ज की गईं।

इसके बाद घरेलू हिंसा की 3,544 शिकायतें आईं। आंकड़ों के अनुसार, दहेज उत्पीड़न की शिकायतें 1,957, छेड़छाड़ की शिकायतें 817, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की शिकायतें 518 और बलात्कार-बलात्कार के प्रयास की शिकायतें 657 रहीं। आंकड़ों के मुताबिक, यौन उत्पीड़न की 493, साइबर अपराध की 339, पीछा करने की 345 और महिलाओं के सम्मान पर हाथ डालने की 206 शिकायतें थीं।

जहां तक महिलाओं के खिलाफ अपराधों की श्रेणियों का सवाल है, सबसे अधिक 3,567 शिकायतें सम्मान के अधिकार श्रेणी में प्राप्त हुईं, जिनमें घरेलू हिंसा के अलावा अन्य उत्पीड़न शामिल हैं। इसके बाद घरेलू हिंसा की 3,213 शिकायतें आईं। आंकड़ों के अनुसार, दहेज उत्पीड़न की शिकायतें 1,963, छेड़छाड़ की 821, महिलाओं के खिलाफ पुलिस की उदासीनता की 524 और बलात्कार तथा बलात्कार के प्रयास की शिकायतें 658 रहीं। 2023 में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा महिलाओं से संबंधित कुल 28,811 शिकायतें दर्ज की गईं।

राष्ट्रीय महिला आयोग एक वैधानिक निकाय है जो महिलाओं सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देता है। जिसे आमतौर पर महिला पैनल कहा जाता है, यह देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर भी नज़र रखता है और पीड़ितों को ऐसे मामलों में न्याय दिलाने के लिए राज्य और प्रशासन को दिशानिर्देश जारी करता है। वर्तमान में, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पिछले साल महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें दर्ज कीं और उनमें से लगभग 55 प्रतिशत उत्तर प्रदेश से थीं। एनसीडब्ल्यू के आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा शिकायतें (8,540) गरिमा के अधिकार श्रेणी में प्राप्त हुईं, जिसमें घरेलू हिंसा के अलावा अन्य उत्पीड़न शामिल हैं। इसके बाद घरेलू हिंसा की 6,274 शिकायतें आईं थी।

आंकड़ों के अनुसार, 2023 में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 16,109 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 2,411, महाराष्ट्र में 1,343 शिकायतें दर्ज की गईं थी। बिहार में 1,312 शिकायतें, मध्य प्रदेश में 1,165, हरियाणा में 1,115, राजस्थान में 1,011, तमिलनाडु में 608, पश्चिम बंगाल में 569 और कर्नाटक में 501 शिकायतें दर्ज की गईं थी।

आंकड़ों के अनुसार 2023 में दहेज उत्पीड़न की शिकायतें 4,797, छेड़छाड़ की शिकायतें 2,349, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की शिकायतें 1,618 और बलात्कार तथा बलात्कार के प्रयास की शिकायतें 1,537 रहीं थी। यौन उत्पीड़न की 805, साइबर अपराध की 605, पीछा करने की 472 और सम्मान अपराध की 409 शिकायतें थीं। 2022 के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों की संख्या में गिरावट देखी गई है। 2022 में आयोग को 30,864 शिकायतें प्राप्त हुईं थी, जो 2014 के बाद से सबसे ज्यादा थीं।

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005- यह अधिनियम संविधान के तहत उन महिलाओं के अधिकारों की अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करता है जो परिवार के भीतर होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकार हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है। आयोग को महिलाओं को प्रदान किए गए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों का अध्ययन और निगरानी करने का आदेश दिया गया है, जहां भी आवश्यक हो। साथ ही संशोधन का सुझाव देने के लिए मौजूदा कानूनों की समीक्षा करने और महिलाओं की शिकायतों पर गौर करने के अधिकार भी एनसीडब्लू को है। सभी राज्य सरकारों में भी राज्य महिला आयोग की स्थापना की गई है।

उत्तराखंड में नेपाल बॉर्डर के पास बनी अवैध बस्ती ध्वस्त

खटीमा (उधम सिंह नगर), 19 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल से लगे खटीमा के पास वन भूमि सालबोझी से अतिक्रमण हटाया गया है। वन विभाग ने अतिक्रमण करने वालों को पहले चेतावनी दी थी और नोटिस भी जारी किया था।

साल बोझी नंबर एक में अतिक्रमण की गई वन भूमि में तय कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को जेसीबी गरजी। जिन-जिन स्थानों पर लाल क्रॉस के निशान लगाए गए थे, ऐसे दर्जनों लोगों के अतिक्रमण वन विभाग ने ध्वस्त कर दिए। एक सप्ताह पूर्व वन विभाग के रेंजर महेश चंद्र जोशी ने अतिक्रमण किए गए प्लाट, झाले और झोपड़ी में रेड क्रॉस का निशान लगाकर स्वयं अतिक्रमण हटा लेने के लिए कहा था और अगली कार्यवाही 18 तारीख को घोषित की थी।

सोमवार को एसडीओ संचिता वर्मा के नेतृत्व में पूर्वी तराई की 9 रेंज के स्टाफ ने 5 प्रभारियों के नेतृत्व में रेंज अधिकारी महेश चंद्र जोशी की देख-रेख में अभियान शुरू किया गया। इससे पहले एसडीओ और रेंज अधिकारी खटीमा ने सभी प्लाट और झाले में रहने वाले लोगो को उनके स्थानों पर जाकर समान खुद हटा लेने और सहयोग की अपील की। इसके बाद धन सिंह अधिकारी, भैरव सिंह बिस्ट, जागेश वर्मा और दो प्रभारियों के नेतृत्व में टीम ने कई जेसीबी के साथ अतिक्रमण गिराना शुरू कर दिया। कार्रवाई देख लोग खुद अपना सामान हटाने लगे।

वन विभाग के अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि वन भूमि पर बाहर से आए लोगों ने अवैध कब्जा किया था, जिन्हे पूर्व में नोटिस दी गई और उन्हे स्वतः कब्जा छोड़ने के लिए कहा गया था। कोर्ट के द्वारा भी अवैध कब्जे हटाने के दिशा-निर्देश दिए गए थे। डॉ. धकाते ने बताया कि अवैध कब्जेदारों ने तय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया, जिसके बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 60 कच्चे-पक्के मकान हटाए और झाले क्षेत्र की लगभग 4 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर दिया।

गांव की डेढ़ सौ औरतों की नग्न तस्वीर इंस्टाग्राम पर डाली

सहपाठियों से लेकर चर्च आने वाली महिलाओं तक को बनाया शिकार

कासरगोड, 19 जून (एजेंसियां)।

केरल के कासरगोड जिले के एक गांव में तीन युवकों ने मिलकर अपने ही गांव की 150 से अधिक महिलाओं की एआई तकनीक से फर्जी नग्न तस्वीरें बनाईं और उसे इंस्टाग्राम पर डाल दिया। तीनों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कासरगोड के चित्तरीक्कुल थाने की पुलिस ने जस्टिन जैकब, एबिन जोसेफ और शेबिन लुकोस को गिरफ्तार किया है। यह तीनों पिछले डेढ़ साल से अपने गांव की महिलाओं की नग्न तस्वीरें बना रहे थे। इन्होंने इन तस्वीरों को एक निजी इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया था, जिसे गिने चुने लोग ही देख सकते थे। तीनों युवक अपने गांव और आसपास की महिलाओं की फोटो सोशल मीडिया से लेते थे और एआई सॉफ्टवेयर के माध्यम से एडिट करते थे और उनकी नग्न तस्वीरें बनाते थे।

जिन महिलाओं की तस्वीरें सोशल मीडिया के माध्यम से नहीं मिलती थी, उनकी यह फोटो अपने कैमरे से खींच लेते

थे। इन तीनों ने अपने साथ पढ़ने वाली कम से कम 40 छात्राओं की फोटो भी एडिट करके उनकी नग्न तस्वीरें बनाई थी। यह रविवार को प्रार्थना के लिए चर्च आने वाली महिलाओं को भी निशाना बनाते थे। इनके इस कृत्य से अब गांव की महिलाओं में दहशत फ़ैल गई है।

इस पूरे मामले का खुलासा इनके एक दोस्त के माध्यम से हुआ। दरअसल, तीनों आरोपितों में से एक सिबिन का एक दोस्त एक बार उससे मिलने आया। यहां उसने सिबिन के फोन में अपनी एक रिश्तेदार की अश्लील फोटो देखी, इसके बाद उसने जब पड़ताल की तो सैकड़ों ऐसे फोटो पाए। उसने इस बात की सूचना अपनी रिश्तेदार और पुलिस को दी। इसके बाद जब पुलिस ने तीनों पर कार्रवाई की तो सिबिन और एबिन ने अपने फ़ोन से फोटो हटा दिए जबकि जस्टिन के फोन में यह फोटो पड़ी थीं। इसी आधार पर तीनों को पकड़ लिया गया।बताया गया कि तीनों आरोपितों में से एबिन इस वर्ष कक्षा 12 की परीक्षा में फेल हो गया था। जबकि शिबिन और जस्टिन बसों को धोने का काम करते हैं। पुलिस ने इन तीनों को गिरफ्तार करके आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया है। अभी तक चार शिकायतकर्ता सामने आए हैं जबकि कई और के सामने आने की बात कही जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय संस्था सृजन-सम्मान के तत्वावधान में

कजाखस्तान में 23वां अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन सम्पन्न

पीपी बख्शी स्मृति सम्मान से सम्मानित की गईं प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. मंगला रानी

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय संस्था सृजन सम्मान द्वारा आयोजित 23वां अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन कजाखस्तान के अल्माटी में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में विमर्श का विषय था, लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका एवं उपादेयता। इस सम्मेलन में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मंगला रानी को उनके साहित्यिक योगदान एवं हिंदी भाषा के प्रति समर्पित अंतरराष्ट्रीय कार्यों के लिए प्रख्यात साहित्यकार एवं हिंदी भाषा के अनन्य प्रतिष्ठापक श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी की स्मृति में श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में देश और दुनिया के लेखक, साहित्यकार और बुद्धिजीवी शरीक हुए। बेंगलुरू स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की एसोसिएट डायरेक्टर संस्कृति सिंह को प्रतिष्ठित सिंधु रथ स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन की अध्यक्ष डॉ. सविता मोहन, सृजन सम्मान के समन्वयक डॉ. जयप्रकाश मानस, कश्मीरी साहित्य सेवी डॉ. वीणा बुदकी, बंगाल के कवि गीतकार कृष्ण कुमार प्रजापति, प्रोफेसर एवं इतिहासविद प्रो. रेणु शुक्ला, विद्वान प्रोफेसर डॉ. सुनील जाधव, चिकित्सक डॉ. नमिता चतुर्वेदी, विदुषी प्रोफेसर डॉ. पुष्पा उनियाल, डॉ. रेखा, संस्कृति सिंह, दीवा सिंह एवं अनेक भारतीय एवं कज़ाकी विद्वानों से समृद्ध साहित्य समारोह में अकादमिक विचार विनिमय हुए तथा पुरस्कार, सम्मान प्रदान किए गए।

इसी सम्मेलन में बाल लेखिका सुश्री दीवा सिंह की कहानी-पुस्तक द क्रिसमस स्टोरी लोकार्पित हुई। असीम साहित्यिक संभावनाओं से समृद्ध दीवा सिंह बेंगलुरु स्थित गेयर इंटरनेशनल स्कूल में पांचवीं कक्षा की छात्रा हैं। इन्होंने प्रेजेंटेशन सत्र में अपनी इसी लंबी कहानी का पाठ भी किया।

प्रधानमंत्री की कश्मीर यात्रा के लिए सुरक्षा प्रबंध चाक चौबंद

जम्मू, 19 जून (ब्यूरो)।

21 जून को श्रीनगर से योग दिवस समारोह का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने जा रहे हैं। इस वर्ष मुख्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 21 जून को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद यह उनका पहला जम्मू कश्मीर दौरा होगा। 20 जून को उनका श्रीनगर पहुंचने का कार्यक्रम है और अगले दिन वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। इस कार्यक्रम में कई खिलाड़ियों समेत सैकड़ों लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रतिभागियों को शार्टलिस्ट किया गया है और उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा किए जाने वाले विभिन्न आसनों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 जून को कश्मीर के दौरे से पहले, श्रीनगर शहर को ड्रोन और

क्वाडकाप्टर के संचालन के लिए एक अस्थायी रेड जोन घोषित किया जा चुका है। श्रीनगर पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इसकी जानकारी दी देते हुए पुलिस ने इस संबंध में लोगों से सहयोग भी मांगा। पुलिस ने एक बयान में कहा गया है कि ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24(2) के प्रावधानों के अनुसार श्रीनगर शहर को तत्काल प्रभाव से ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के संचालन के लिए अस्थायी रेड जोन घोषित किया गया है। बयान में कहा गया है कि रेड जोन में सभी अनधिकृत ड्रोन संचालन ड्रोन नियम, 2021 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार दंडित किए जाने के लिए उत्तरदायी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रीनगर दौरे के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि पीएम के कार्यक्रम के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने श्रीनगर की हाई प्रोफाइल यात्रा के मद्देनजर सभी महत्वपूर्ण सड़कों और चौक-चौराहों पर अतिरिक्त नाके स्थापित कर दिए हैं।

प्रधानमंत्री श्रीनगर में एक योग कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) के पिछले हिस्से में होगा। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद को प्रशिक्षकों सहित इस अवसर के लिए 3,000 खिलाड़ियों को जुटाने का जिम्मा सौंपा गया है। प्रधानमंत्री की समर्पित सुरक्षा टीम आयोजन स्थल को मानक अभ्यास के रूप में अपने नियंत्रण में रखने के लिए कार्यक्रम से कुछ दिन पहले श्रीनगर पहुंच गई। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रोड से एसकेआईसीसी सहित प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी के अलावा विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान पूरे शहर में तैनात किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस कमांडो और सीआरपीएफ के जवान किसी भी घटना को रोकने के लिए एसकेआईसीसी के आसपास तैनात रहेंगे। काजीगुंड में कश्मीर में प्रवेश करने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

तीन जुलाई तक जेल में ही रहेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे। केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया था।

इससे पहले अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वहीं अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक बढ़ा दी थी। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी थी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित

पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के अनुसार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आत्मसमर्पण कर दिया था। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा था, जिसमें उनके स्वास्थ्य और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड में पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शामिल होने देने की अनुमति मांगी गई थी। कोर्ट ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलील को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं। ऐसे में ईडी याचिका पर आपत्ति नहीं कर सकता है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार ने कहा था कि, आरोपी ने पत्नी को मेडिकल बोर्ड में शामिल होने की अनुमति देने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। कोई भी आदेश पारित करने से पहले, मैं संबंधित जेल अधीक्षक से जवाब मांगना उपयुक्त समझता हूं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी से कहा था कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं, ईडी हिरासत में नहीं। अगर उन्हें कोई राहत चाहिए, तो आपकी कोई भूमिका नहीं है।

उत्तर प्रदेश में उपचुनाव

इंडी के अस्तित्व और भाजपा की प्रतिष्ठा का प्रश्न

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)।

यूपी में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस-सपा का गठबंधन महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव पर निर्भर करेगा। अगर कांग्रेस इन दो राज्यों में सपा को सीट देने के लिए तैयार हुई, तभी सपा यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के किसी दावे पर विचार करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं।

इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधानसभा सदस्य अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। सपा के चार विधायकों अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, लालजी वर्मा और जियाउर रहमान बर्क की सीटें उनके लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हो गई हैं।

अखिलेश यादव वर्ष 2019 का विधानसभा चुनाव करहल, अवधेश प्रसाद मिल्कीपुर, लालजी वर्मा कटेहरी और जियाउर रहमान कुंदरकी से जीते थे। खैर से भाजपा विधायक अनूप प्रधान वाल्मीकि, गाजियाबाद से अतुल गर्ग और फूलपुर से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल के भी लोकसभा सदस्य चुने जाने से अब यह स्थान खाली हो गए हैं।

मझवा (मिर्जापुर) से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद और मीरापुर से रालोद के विधायक चंदन चौहान भी अब सांसद हो गए हैं।

इस तरह से शीघ्र ही चुनाव आयोग इन 10 रिक्त सीटों पर चुनाव कराएगा। कांग्रेस इंडी गठबंधन के तहत सपा से विधानसभा उपचुनाव में भी साझेदारी चाह रही है। जबकि, लोकसभा चुनाव से पहले हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा को सीट न दिए जाने से दोनों दलों के बीच रिश्तों में काफी खटास आ गई थी। इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी को कुछ सीटें देने पर रजामंद हुई, तभी यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस को कोई सीट देने पर विचार किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में सपा के दो विधायक जीते थे। इससे पहले भी सपा वहां चुनाव जीतती रही है। इसी आधार पर सपा ने महाराष्ट्र में दावा करने का फैसला किया है। हरियाणा की 20 सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी हैं, जिसे सपा अपने पक्ष में मानती है। इस बारे में सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, लेकिन उपचुनाव में सीटों के मामले में कोई भी निर्णय समय आने पर सपा नेतृत्व ही लेगा।

ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत उद्योग लगाना लाभप्रद

दस लाख रुपए की परियोजना पर मिलेगा बैंक से लोन

गोरखपुर, 19 जून (एजेंसियां)।

यदि आप अपने गांव में ही उद्यम लगाकर स्वरोजगार की राह पर चलकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहते हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की तरफ से संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना आपके लिए बेहद काम की साबित हो सकती है। इस योजना में चयनित होने पर आपको दस लाख रुपए तक की परियोजना पर लोन अत्यंत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो जाएगा। इतना ही नहीं परियोजना पर नब्बे फीसदी लोन भी मिल जाएगा।

गोरखपुर के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एके पाल बताते हैं कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में ग्रामीण शिक्षित बेरोजगारों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर गांवों में ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्यम स्थापित करने के लिए अधिकतम 10 लाख रुपए तक की परियोजना पर वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से दिलायी जाती है। योजना के तहत सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को परियोजना लागत का दस प्रतिशत तथा जातिगत आरक्षित श्रेणी (एससी-एसटी, ओबीसी), अल्पसंख्यक, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक एवं महिला लाभार्थियों को पांच प्रतिशत का अंशदान स्वयं लगाना होगा।

प्रोजेक्ट स्वीकृत होने के बाद सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को पूंजीगत मद में मात्र 4 प्रतिशत ब्याज वहन करना होगा। पांच वर्ष तक शेष ब्याज की धनराशि सब्सिडी के रूप में शासन से प्राप्त धनराशि से समायोजित हो जाएगी। जबकि जातिगत आरक्षित वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक एवं महिला लाभार्थियों के पूंजीगत ऋण पर समस्त ब्याज की धनराशि सब्सिडी से समायोजित हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत 18 से 50 वर्ष तक कि आयु के इच्छुक अभ्यर्थी को न्यूनतम कक्षा आठ पास तथा ग्रामीण क्षेत्र का निवासी होना चाहिए। अभ्यर्थी पोर्टल पर 28 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन के बाद इसकी प्रिंटेड कॉपी व अन्य जरूरी दस्तावेज को जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में जमा करना होगा। विस्तृत जानकारी के लिए विकास भवन के द्वितीय तल पर स्थित जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

यूपी एसटीएफ ने रायपुर जाकर की कार्रवाई

शराब घोटाले में अनवर ढेबर गिरफ्तार

रायपुर, 19 जून (एजेंसियां)।

यूपी एसटीएफ ने शराब घोटाले में नकली होलोग्राम केस में व्यवसायी अनवर ढेबर को मंगलवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया। ढेबर पर नोएडा में नकली होलोग्राम बनाने के मामले पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बीते दिनों हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद से ढेबर रिहाई का इंतजार कर रहा था। अनवर की गिरफ्तारी के बाद राजधानी रायपुर में मंगलवार की रात से ही बवाल मच गया है।

शराब घोटाले में जमानत पर छूटे कारोबारी अनवर ढेबर को नकली होलोग्राम मामले में यूपी के नोएडा थाने से गिरफ्तार करने पहुंची और रायपुर सेंट्रल जेल से बाहर निकलते ही यूपी एसटीएफ ने प्रोडक्शन वारंट पर कस्टडी में ले लिया। इस दौरान जेल परिसर में काफी संख्या में मौजूद अनवर समर्थक यूपी एसटीएफ से भिड़ गए और हंगामा खड़ा हो गया। इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। जेल प्रशासन ने परिसर में रायपुर पुलिस को बुलवा लिया। गहमागहमी के बीच यूपी एसटीएफ अनवर को सिविल लाइंस थाने ले गई तो समर्थक वहां भी पहुंच गए।

उल्लेखनीय है कि 2000 करोड़ से अधिक के शराब घोटाला मामले में नकली होलोग्राम बनाने को लेकर अनवर ढेबर और अरुण पति त्रिपाठी की 19 जून को मेरठ में पेशी होनी है। इसके लिए यूपी पुलिस ने रायपुर न्यायलय में आवेदन दाखिल कर प्रोडक्शन वारंट की मांग की थी। सोमवार को कोर्ट ने तीन में से दो आरोपित अनवर और अरुण को यूपी ले जाने की इजाजत दे दी।

ईडी की जांच के अनुसार, पिछली कांग्रेस सरकार में बड़े स्तर के अधिकारियों, निजी व्यक्तियों और राजनीतिक अधिकारियों वाला एक सिंडिकेट काम कर रहा था।शराब की खरीद और बिक्री के लिए राज्य निकाय से शराब खरीदने के दौरान रिश्वतखोरी की गई। राज्य में डिस्टिलर्स से रिश्वत ली गई और देशी शराब को ऑफ-द-बुक बेचा गया. डिस्टिलर्स से कार्टेल बनाने और बाजार में एक निश्चित हिस्सेदारी की परमिशन देने के लिए घूस ली गई थी । इस घोटाले के जरिए साल 2019-22 में 2 हजार करोड़ से अधिक के काले धन की कमाई की गई। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग मामला साल 2022 में दिल्ली की एक अदालत में दायर आयकर विभाग की चार्जशीट से उपजा।

जेवर एयरपोर्ट के पास जल्द आने वाली है आवासीय योजना

10 हजार से ज्यादा होंगे फ्लैट और प्लॉट

जेवर (यूपी), 19 जून (एजेंसियां)।

यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे जेवर एयरपोर्ट के पास अगर आप घर खरीदने का सपना देख रहे हैं तो यह आपके लिए सबसे अच्छा मौका है। यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण जल्द ही बोर्ड बैठक में 10 हजार से अधिक फ्लैट और प्लॉट की योजना को मंजूरी देने जा रहा है।

जेवर में जल्द शुरू होने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास घर बसाने का सपना देखने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। यमुना प्राधिकरण जल्द ही फ्लैट और प्लॉट की योजना को मंजूरी देने जा रहा है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) 22 जून को बोर्ड बैठक है। इसमें 10 हजार से अधिक फ्लैट और प्लॉट की योजना को मंजूरी दी जा सकती है। जानकारी के मुताबिक प्राधिकरण एक बार फिर 60 व 90 वर्ग मीटर के प्लॉट की

योजना निकालने का फैसला किया है। योजना में चार हजार प्लॉट शामिल होने की संभावना है। हालांकि अभी प्लॉटों की संख्या अंतिम रूप से तय नहीं हुई है। यह प्लॉट सेक्टर 18, 20 में होंगे।

यमुना प्राधिकरण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए छह हजार प्लॉट की आवासीय योजना लाने की तैयारी में है। आम लोगों के लिए भी करीब 2500 प्लॉटों की आवासीय योजना आनी है। छोटे प्लॉटों के साथ प्राधिकरण तीन सौ वर्ग मीटर से लेकर चार हजार वर्गमीटर के प्लॉट की योजना भी निकालेगा। इसमें 450 प्लॉट शामिल होने होने की संभावना है। इससे पहले प्राधिकरण ने 2018 में छोटे आकार के प्लॉट की योजना निकाली थी। यमुना प्राधिकरण फ्लैट और प्लॉट की स्कीम के अलावा एग्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर बनाने की भी तैयारी कर रहा है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-9 में एग्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर बनेगा। बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा कि पहले 21 को बोर्ड बैठक होनी थी लेकिन चेयरमैन की व्यस्तता के कारण इसकी तारीख एक दिन आगे बढ़ा दी गई। अब बैठक 22 जून को होगी।

इतिहास के पन्नों में दफन हुआ अकबरनगर

कुकरैल नदी के पुनर्जीवन की राह हुई आसान

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)।

कुकरैल नदी का अतिक्रमण कर अवैध कब्जों से पाट दिया गया लखनऊ का अकबरनगर इलाका अब इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है। इस क्षेत्र को अब इको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी हो रही है। रिवर फ्रंट के साथ ही देश की पहली नाइट सफारी के अलावा सरकार ने इस क्षेत्र को चमकाने का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। इस पर जल्द अमल शुरू होगा। योगी सरकार के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से इस पूरे क्षेत्र को भूमाफिया, घुसपैठियों, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के कब्जे से खाली करा लिया गया है। यहां कब्जा कर बनाए गए एक-एक अवैध मकान और बड़े-बड़े वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को जमींदोज कर दिया गया है। बुधवार तड़के आखिरी बची चार मंजिला इमारत को भी ध्वस्त कर एलडीए ने अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया। 10 जून

से शुरू हुई कार्रवाई के खत्म होने के बाद अब योगी सरकार इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देने जा रही है।

पिछली सरकारों और भूमाफिया की सांठगांठ के चलते कुकरैल नदी की जमीन पर कब्जा कर यहां अवैध निर्माण कर लिए गए थे। सीएम योगी ने प्रदेश की बागडोर संभालने के बाद इस ओर ध्यान दिया। शासन के निर्देश पर सर्वे के दौरान नदी की जमीन पर बड़ी संख्या में अवैध निर्माण की बात सामने आई थी, जिसके बाद सीएम योगी ने इस अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर चलाने का निर्णय लिया। लोकसभा चुनाव के पहले दिसंबर 2023 से शुरू हुआ यह अभियान लोकसभा चुनाव के बाद भी अनवरत जारी रहा और आखिरकार 19 जून की तड़के अंतिम इमारत को ध्वस्त करने के बाद ही रुका। इस दौरान योगी के बुलडोजर ने यहां अवैध रूप से बने 1169 मकानों और 101 कमर्शियल निर्माण को जमींदोज कर दिया। इस अभियान में करीब 24.5 एकड़ जमीन पर बने 1800 से अधिक अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए हैं, जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है। इस दौरान कई अड़चनें भी आईं, लेकिन सीएम योगी ने हर चुनौती का सामना करते हुए इस अभियान को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया। कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए सीएम योगी ने हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। कोर्ट ने भी योगी सरकार की कार्रवाई को सही माना।

कुकरैल नदी का क्षेत्र खाली होने के बाद अब यहां रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। बख्शी के तालाब के पास दशौली गांव को इसका उद्गम स्थल माना जाता है, इसलिए वहीं से इसका विकास किया जाएगा। साथ ही सभी यहां मौजूद सभी तालाबों को इंटरलिंक करके क्षेत्र को संवारा जाएगा। इसके अलावा भी नगर विकास विभाग के अंतर्गत कई अन्य परियोजनाओं को यहां मूर्त रूप दिया जाएगा। यही नहीं, कई अन्य विभागों को भी इस क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन परियोजनाओं का लेआउट प्लान तैयार किया जा रहा है और जल्द ही सीएम योगी की मंजूरी के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। वहीं, योगी सरकार कुकरैल वन क्षेत्र को ईको टूरिज्म का हब बनाने जा रही है। यहां देश की पहली नाइट सफारी विकसित होने जा रही है। कुकरैल नाइट सफारी पार्क देश की पहली नाइट सफारी होगी। नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रेल, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंड की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे। नाइट सफारी में कुल 42 इनक्लोजर में 54 प्रजातियों के जानवरों को रखा जाएगा। पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क का अवलोकन 5.5 किमी ट्राम-वे तथा 1.92 किमी का पाथ-वे के माध्यम से किया जाएगा। नाइट सफारी में एशियाटिक लायन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हायना आदि आकर्षण का केंद्र होंगे। कुकरैल नदी के दोनों तरफ सुंदर पार्क विकसित किए जाएंगे। एडवेंचर एक्टिविटी भी होंगी।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करेगी सरकार

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)।

योगी सरकार दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को 3 दिसंबर यानी विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करेगी। इसके लिए प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन विभाग द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक व्यक्ति या संस्थाएं इन पुरस्कारों के लिए 15 जुलाई तक अपना आवेदन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के लिए दिव्यांगजन विभाग द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 प्रचलित है, जिसमें 12 विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कार दिए जाने की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि नियमावली के अनुसार इन पुरस्कारों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कर आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक व्यक्ति या संस्था संबंधित जनपद के दिव्यांगजन अधिकारी कार्यालय से संपर्क निर्धारित प्रारूप में 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी योग्य उम्मीदवारों और संस्थाओं से समय पर आवेदन करने का आग्रह किया गया है ताकि उनकी सेवाओं को सम्मानित किया जा सके।

राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के अंतर्गत पुरस्कार के लिए श्रेणियां निर्धारित की गई है जिनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता और सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्रोत के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगों के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधा मुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे।

राम मंदिर सुरक्षा में तैनात एसएसएफ जवान की गोली लगने से मौत

अयोध्या, 19 जून (एजेंसियां)।

अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई है। घटना बुधवार सुबह करीब 5.25 बजे की है। इस जवान का नाम शत्रुघ्न विश्वकर्मा है और इसकी उम्र 25 साल है। वह अंबेडकरनगर का रहने वाला था। तीन महीने के बाद यह दूसरा मामला है जब किसी जब किसी जवान की गोली लगने से मौत हुई है।

गोली की आवाज सुनकर बाकी साथी मौके पर पहुंचे और देखा कि जवान को गोली लगी हुई है और वह खून से लथपथ पड़ा हुआ है। उसे अस्पताल ले जाया गया। यहां से घायल जवान को ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। लेकिन वहां पर डॉक्टरों ने जवान को मृत घोषित कर दिया। जवान की मौत के बाद मंदिर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आईजी और एसएसपी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की पूरी तरह से जांच की गई। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच के बाद आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली

वजह क्लियर हो पाएगी।

शत्रुघ्न विश्वकर्मा साल 2019 बैच का था। वह अंबेडकरनगर के सम्मनपुर थाने के कजपुरा गांव का रहने वाला था। एसएसएफ में उनकी तैनाती थी। अयोध्या के राम मंदिर की सुरक्षा के लिए एसएसएफ बल का गठन किया गया है। शत्रुघ्न के साथियों ने बताया कि घटना होने से पहले शत्रुघ्न फोन को देख रहा था। वह बीते कई दिनों से कुछ परेशान भी था। पुलिस ने घटना का जानकारी जवान के परिवार वालों को दे दी है। परिजनों को रो-रोकर बहुत बुरा हाल है। उन लोगों को इस बात का यकीन ही नहीं हो रहा है कि शत्रुघ्न अब इस दुनिया में नहीं है।

तीन महीने पहले भी राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात एक जवान को गोली लग गई थी। उस मामले में तो जवान की गलती से ही गोली चल गई थी। बताया गया था कि वह बंदूक को साफ कर रहा था तब ही अचानक से ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। वह जवान के सीने के आर-पार हो गई। अब हम बात करतें हैं एसएसएफ की। एसएसएफ यानी स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन योगी सरकार ने चार साल पहले किया था। एसएसएफ के पास किसी को भी बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार है। इस फोर्स का नेतृत्व एडीजी स्तर के अधिकारियों के द्वारा किया जाता है।

संपादकीय

मोदी जी की बढ़ती चुनौतियां

मोदी जी तीसरी बार प्राधानमंत्री तो बन गए जोड़-तोड़ के पर उनकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। आनन- फानन में मोदी जी ने बगैर भाजपा संसदीय बोर्ड की औपचारिक बैठक बुलाईं जिसमें पाटा के नेता को चुनना होता है। एनडीए की बैठक बुलाकर अपने आपको पीएम घोषित करवा लिया। पर इससे मोदी जी की चुनौतियां कम नहीं हुईं। आज वह कईं मोर्चो पर घिरे हुए हैं। आज हम सिर्प दो मोर्चो की बात करेंगे। पहला भाजपा के अंदर से आ रही चुनौतियां और दूसरा भाजपा और संघ के रिश्तों की। भाजपा के अंदर इस समय घमासान मचा हुआ है। टिकटों के बंटवारे को लेकर असंतोष से अंदरखाते एक-दूसरे को हरवाने का दौर चल रहा है। यह किसी से अब छिपा नहीं कि मोदी जी की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रादेश में हुईं है। कहां तो 75 सीटें जीतने की बात हो रही थी कहां पाटा 240 सीटों पर अटक गईं जो बहुमत से 32 सीटें कम हैं। उत्तर प्रादेश में हार के कारण भाजपा केन्द्र में मोदी-03 सरकार नहीं बना सकी। अब यह विवाद चर्म पर है कि उत्तर प्रादेश में हार का जिम्मेदार कौन है? एक तरफ अमित शाह हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रादेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमित शाह योगी को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जबकि योगी कह रहे हैं कि टिकटों के बंटवारे से लेकर पूरा अभियान तो आपने दिल्ली से चलाया तो इसमें मैं वैसे जिम्मेदार हुआ? अगर कोईं जिम्मेदार है तो वह आप हैं, दिल्ली है। दरअसल मोदी-शाह बहुत दिनों से योगी को पद से हटाना चाहते हैं क्योंकि वह समझते हैं कि मोदी- शाह की जोड़ी का विकल्प अगर पाटा के अंदर अब बचा है तो वह योगी हैं। योगी हटने को तैयार नहीं। अब तो योगी का पलड़ा और भी भारी हो गया है क्योंकि खबर आईं है कि सर संघ चालक मोहन भागवत ने गोरखपुर में योगी से मुलाकात की है और उनकी पीठ पर हाथ रख दिया है। आने वाले दिनों में देखें यह महाभारत क्या रंग लाता है। दूसरा मोर्चा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खोल दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद सबसे ज्यादा चर्चा आरएसएस के बयानों की है। भाजपा के प्रादर्शन पर पहला मुखर प्राश्न संघ से जुड़ी पत्रिका आर्गनाइजर ने उठाया। उसके बाद सरसंघ चालक मोहन भागवत ने इशारों में कईं चेतावनियां दे डाली। मैंने भागवत जी के बयान का पहले भी जि्रा किया था, इसलिए यहां दोहराऊंगा नहीं और अब संघ की राष्ट्रीय कार्यंकारिणी के सदस्य व वरिष्ठ नेता इंद्रेश वुमार ने तीखे सवाल उठा दिए हैं। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यंकारिणी के सदस्य इंद्रेश वुमार ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि राम सबके साथ न्याय करते हैं। भाजपा को लेकर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी। उन्होंने कहा, जो अहंकारी हो गए हैं, उन्हें 240 पर रोक दिया, जिनकी राम में आस्था नहीं थी, उन सबको मिलाकर 234 पर रोक दिया। यह प्राभु का न्याय है। इंद्रेश वुमार गुरुवार को जयपुर के पास कानोता में रामरथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राम सबके साथ न्याय करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को ही देख लीजिए। जिन्होंने राम की भक्ति की, लेकिन धीरे-धीरे अहंकार आ गया। उस पाटा को सबसे बड़ी पाटा घोषित कर दिया। उनको जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने राम का विरोध किया, उन्हें बिल्वुल भी शक्ति नहीं दी। इन में से किसी को भी शक्ति नहीं दी। सब मिलकर (इंडिया ब्लाक) भी नंबर-1 नहीं बने, नंबर 2 पर खड़े हैं। इसलिए प्रामुख का न्याय विचित्र नहीं है, सत्य है, बड़ा आनन्ददायक है जिस पाटा ने भक्ति की, अहंकार आया, उस पाटा को 240 पर रोक दिया, पर सबसे बड़ी बना पाटा दिया। जिन्हें राम के प्राति आस्था नहीं थी, उन सबको मिलकर 234 पर रोक दिया। उन्होंने कहा कि तुम्हारी अनास्था की यही दंड है, तुम सफल नहीं हो सकते।

> एनडीए की बैठक बुलाकर अपने आपको पीएम घोषित करवा लिया। पर इससे मोदी जी की चुनौतियां कम नहीं हुईं। आज वह कईं मोर्चो पर घिरे हुए हैं। आज हम सिर्प दो मोर्चो की बात करेंगे। पहला भाजपा के अंदर से आ रही चुनौतियां और दूसरा भाजपा और संघ के रिश्तों की। भाजपा के अंदर इस समय घमासान मचा हुआ है। टिकटों के बंटवारे को लेकर असंतोष से अंदरखाते एक-दूसरे को हरवाने का दौर चल रहा है। यह किसी से अब छिपा नहीं कि मोदी जी की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रादेश में हुईं है। कहां तो 75 सीटें जीतने की बात हो रही थी कहां पाटा 240 सीटों पर अटक गईं जो बहुमत से 32 सीटें कम हैं। उत्तर प्रादेश में हार के कारण भाजपा केन्द्र में मोदी-03 सरकार नहीं बना सकी। अब यह विवाद चर्म पर है कि उत्तर प्रादेश में हार का जिम्मेदार कौन है? एक तरफ अमित शाह हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रादेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमित शाह योगी को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जबकि योगी कह रहे हैं कि टिकटों के बंटवारे से लेकर पूरा अभियान तो आपने दिल्ली से चलाया तो इसमें मैं वैसे जिम्मेदार हुआ? अगर कोईं जिम्मेदार है तो वह आप हैं, दिल्ली है। दरअसल मोदी-शाह बहुत दिनों से योगी को पद से हटाना चाहते हैं क्योंकि वह समझते हैं कि मोदी- शाह की जोड़ी का विकल्प अगर पाटा के अंदर अब बचा है तो वह योगी हैं।

गांव के कच्चे घरों में और नगरीय क्षेत्रों में ऐसे ही घरों में रहने को मजबूर हैं

बेघर परिवारों को मिलेंगे घर

प्रमोद भार्गव

> केंद्रीय मंत्रीमंडल की पहली बैठक में ही प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना के अंतर्गत तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को स्वीकृति दे दी गई है। यह योजना भारत सरकार का एक समाज कल्याण प्रमुख कार्यक्रम है। इसे प्रधानमंत्री ने 2015 में आरंभ किया था। इस योजना के अंतर्गत राजग के बीते दो कार्यकालों में गरीब पात्र परिवारों के लिए कुल 4 करोड़ 21 लाख घरों का निर्माण किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की षपथ लेते ही घर का सपना देख रहे लोगों के सपने को साकार करने का प्रबंध कर दिया। हाषिए पर पड़े घर से वंचित और गरीब के लिए अपना घर बड़ी सौगात है। केंद्रीय मंत्रीमंडल की पहली बैठक में ही प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना के अंतर्गत तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को स्वीकृति दे दी गई है। यह योजना भारत सरकार का एक समाज कल्याण प्रमुख कार्यक्रम है। इसे प्रधानमंत्री ने 2015 में आरंभ किया था। इस योजना के अंतर्गत राजग के बीते दो कार्यकालों में गरीब पात्र परिवारों के लिए कुल 4 करोड़ 21 लाख घरों का निर्माण किया गया है। ये घर ऐसे लोगों को दिए जा रहे हैं, जो अपने गांव के कच्चे घरों में और नगरीय क्षेत्रों में ऐसे ही घरों में रहने को मजबूर हैं। इस योजना के तहत जिस व्यक्ति के पास अपना भूखंड है, उसे आर्थिक मदद दी जाती है। नतीजतन इस योजना के अंतर्गत उन व्यक्तियों के घर का सपना पूरा हो रहा है, जो आर्थिक बदहाली के चलते घर बनाने में सक्षम नहीं है। हालांकि इस योजना पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मोदी ने 17 जुलाई 2020 को गारंटी दी थी कि 2022 तक प्रत्येक भारतीय के सिर पर छत होगी, जो खेखली साबित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरों में बेघरों को घर देने के लिए दो नई योजनाएं चल रही हैं। नया घर बनाने के लिए 9 लाख के ऋृण पर 4 फीसदी और 12 लाख रुपए तक के कर्ज पर 3 प्रतिशत ब्याज दर में छूट दी जाती है। वर्तमान ब्याज दर 9.5 फीसदी है। बीते दस सालों में पात्र गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं। इन घरों में राज्य सरकारों की मदद से षोचालय एलपीजी गैस, बिजली और नल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी दी जाती हैं। अब इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न आवास संबंधी जरूरतों की पूर्ति के लिए तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण एवं षहरी परिवारों को घर बनाने के लिए सहायता देने की घोशणा की है, जिससे आम आदमी का जीवन सुगम व सहस हो सके। यह देश के नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने का उत्तम प्रयास है। मनुष्य के जीवन में अपने घर का होना एक निर्णायक व अहम्‌ उपलब्धि है। इससे सामाजिक प्रतिष्ठा भी आंकी जाती है। घर पारिवारिक जीवन को बेहतर और सुकूनदायी बनाता है। इसीलिए घर का मूल्यांकन केवल चार दीवारों पर छत से नहीं, बल्कि परिवार के जीवन से आजीवन जुड़ जाने वाली सुविधा से किया जाता है। इसीलिए घर के मालिक निरंतर घर को सजाते व संवारते हैं, क्योंकि अंततः वह उनके लिए आत्म-प्रेरणा का स्रोत भी बन जाता है। इस मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री ने परिवार की हर इकाई को घर दिलाने के उपाय आसान किए हैं। देष में

हर परिवार के लिए अपना घर फिलहाल एक मृगतृश्णा की तरह है। देषभर में घरों की मांग और आपूर्ति का जो आंकलन किया गया है, उसका अनुमान षहरी क्षेत्रों में करीब दो करोड़ और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 5 करोड़ घरों की जरूरत का है। इस सबके बावजूद यह षंका अपनी जगह कायम है कि घर-ऋृण की योजना तभी फलीभूत होगी जब शहरी निम्न-मध्यमवर्गीय लोगों और लघु व सीमांत किसानों की आमदनी में इजाफा हो? साफ है, सरकारी क्षेत्र में संविदा पर काम करने वाले और असंगठित क्षेत्र में लगे लोगों की आय में वृद्धि हो? तभी लक्षित वर्ग कर्ज लेने व चुकाने लायक हो पाएगा, वरना सरकार सब्सिडी का अत्याधिक बोझ उठाना होगा। हालांकि ब्याज दरों में छूट देकर सरकार ने एक तरह से घर खरीदने वालों को सबसिडी की व्यवस्था कर दी है। इस योजना को लाबू करने के आरंभ में प्रधानमंत्री षहरी आवास योजना की घोशणा करते वक्त सरकार ने सबके लिए आवास मिषन पूरा करने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरषिप नमूने पर काम करने की उम्मीद जताई थी, लेकिन निजी क्षेत्र ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। षायद इसीलिए सरकार ने 12 लाख तक की रकम पर ब्याज में छूट देकर षहरों में निर्मित पड़े मकानों को खरीदने का व्यावहारिक रास्ता खोल दिया है। इस उपाय से सरकार को तत्काल भवन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के झंझट में भी नहीं उलझना होगा। फिलहाल घरों की कमी के जो आंकड़े सरकार के पास हैं, वे 2011 में दर्ज जनगणना के आंकड़ों से लिए गए हैं। साफ है, आबादी में वृद्धि निरंतर हो रही है, सो घरों की संख्या में भी वृद्धि होनी ही है। हालांकि भारतीय सांख्यकीय संस्थान के षोधकर्ताओं का दावा है कि अभी भी घरों की जो कमी गिनाई जा रही है, उससे कहीं तीन गुना अधिक घरों की कमी है। स्वयंसेवी संगठन तो 25 करोड़ घरों की कमी बता रहे हैं। यह कमी तब है, जब देष में 28 करोड़ मकान मौजूद हैं। अर्थषास्त्री एक घर में औसत पांच सदस्यों का रहना मानते हैं। यदि इस औसत से अंदाजा लगाएं और देष की अधिकतम आबादी 127 करोड़ मान लें तो 28 करोड़ घरों में 140 करोड़ लोग रह सकते हैं। मसलन जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध घरों के हिसाब से नए घरों की जरूरत ही नहीं है। लेकिन हम सब जानते हैं कि यह हकीकत नहीं है। महानागरों में करोड़ों लोगों को छत नसीब नहीं है। लोग फुटपाथों पर रात गुजारते हैं। दरअसल ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई लोग 3 से 5 मकानों तक के मालिक है। भ्रश्ट अधिकारियों के पास दर्जन-दर्जन भर मकानों के दस्तावेज पाए गए हैं। अतएव एक व्यक्ति द्वारा कई-कई मकान खरीदने पर पाबंदी लगे। एक पारिवारिक इकाई के पास एक ही आवासीय घर हो। बेनामी संपत्ति और कालेधन पर अकुंष लगाने की दृश्टि से मोदी सरकार ने बीते दस सालों में अनेक कानून बनाए हैं, लेकिन उनकी सार्थकता सामने नहीं आई। बेनामी संपत्ति और कालाधन दोनों ही बेतहाषा एक सीमित वर्ग के पास बढ़ रहे हैं। इन लोगों में बड़े व्यापारी तो षामिल हैं ही, भ्रश्ट नौकरषाही भी षामिल है। दरअसल देष में कानून तो बन जाते हैं, किंतु उन पर सख्ती से अमल नहीं होता है। यदि इन कानूनों पर अमल हो तो बड़ी तदाद में बेनामी संपत्ति सामने आएगी। इस संपत्ति की जब्ती से भी कई बेघरों को घर दिए जा सकते हैं। वैसे भी मकान केवल जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने के लिए होना चाहिए, वरना यह स्थिति जमीन का संकट पैदा करेगी? आवासीय बस्तियों के लिए खेती की जमीन का उपयोग जहां अनाज का संकट बढ़ाता है, वहीं बेरोजगारी भी पैदा करता है। इस जमीन को बाजार भाव से खरीदकर यदि षहरी आबादी के लिए घर निर्माण करने के उपाय किए जाते हैं, तो 10-12 लाख रुपए में अपना घर खरीदना मुष्किल होगा? इस लिहाज से सरकार बेनामी संपत्ति पर नकेल कसती है तो निर्मित भवनों की कीमतों में कमी बनी रहेगी और ये घर निम्न व मध्यम आय वर्ग के लोगों की पहुंच में बने रहेंगे। इसी दृढ़ इरादे के साथ सब के लिए घर का सपना पूरा हो पाएगा।

दृष्टि कोण

जी-7 शिखर-सम्मेलन में वैश्विक समाधान

भारत की 11वीं भागीदारी है। एक बार फिर डॉ.एस. जयशंकर विदेश मंत्री बने, तथा विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने सभी बिदुओं को विश्व पटल पर भारत की विश्वसनीयता पर ध्यान वेंद्रित किया। जहां एक ओर साइंस व टेक्नोलॉजी तेज़ी से विकसित हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धक हथियारों, परमाणु बम, विश्व शांति में मानवीयता को तार-तार कर रहे हैं। शिखर सम्मेलन 2024 में वैश्विक, महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए इटली में अंतर्राष्ट्रीय नेता एकत्रित हुए। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के उपरांत, ये नरेंद्र मोदी का पहला विदेशी दौरा है। इटली की प्रधानमंत्री, जियरेजिया मेलोनी ने अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के बोगरे एग्नाज़िया रिसॉर्ट में सभी नेताओं का स्वागत किया। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, प्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा व जापान शामिल हैं। इटली ने, जी-7 देशों के सामूहिक शिखर सम्मेलन की वर्तमान में अध्यक्षता व मेज़बनी करी। इस सम्मेलन के मुख्य मुद्दों में जी-7; यूव्रोन-रूस में संघर्ष, हमास-इज़राइल युद्ध व चीन व पशिमी देशों के बीच आर्थिक तनाव सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर निर्णय लिए गए। उद्‌घाटन सत्र में अप्रीका, जलवायु परिवर्तन, विकास मध्य पूर्व और यूव्रोन पर चर्चा हुईं। प्रवासन, हिदप्रशांत, आर्थिक सुरक्षा व पोप प्रांसिस के वृत्रिम मेधा चर्चो के मुद्दे थे। वैथोलिक चर्च के 87 वषाय प्रमुख पोप प्रांसिस ने, वृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जी-7 नेताओं को संबोधित किया। यह पहली बार था, जब पोप जी-7 शिखर सम्मेलन में बोले। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यून के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की, प्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैव्रॉन, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री त्रषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठवें कीं। भारत के अलावा इटली ने अप्रीका, दक्षिण अमेरिका व हिद-प्रशांत क्षेत्र के 11 विकासशील देशों के नेताओं को शिखर सम्मेलन में भाग लिया। जी- 7 में अमेरिका, ब्रिटेन, प्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। इटली जी-7 (सात देशों के समूह) शिखर सम्मेलन की वर्तमान में अध्यक्षता व मेज़बानी इटली कर रहा है। हालांकि, यूरोपीय संघ जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन यह वरषिक शिखर सम्मेलन में भाग लेता है। जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, 21वीं सदी टेक्नोलॉजी की सदी है। मानव जीवन का शायद ही कोईं ऐसा पहलु होगा जो टेक्नोलॉजी के प्रभाव से वंचित हो। एक तरफ जहां टेक्नोलॉजी मनुष्य को चांद तक ले जाने का साहस देती है, वहीं दूसरी ओर साइबर सिक्युरिटी जैसी

चुनौतियां भी पैदा करती है। अखिरकार इन अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियों की क्या उपयोगिता है? हमें मिलकर यह सुनिति करना होगा कि टेक्नोलॉजी का लाभ सभी वर्गो तक पहुंचे, समाज के हर व्यक्ति के सामर्थ्य को उजागर करे, सामाजिक असमानताओं को दूर करने में मदद करे, व मानवीय शत्तियों को सीमित करने की बजाय उनका विस्तार करे। जी-7 शिखर सम्मेलन से पूर्व यूरोपियन परलियामेंट के चुनाव हुए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में हुए आम चुनावों की चर्चा की। 2600 से ज्यादा पोलिटिकल परटियों ने हिस्सा लिया। 5 मिलियन से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक वोटिग मशीनें, 15 मिलियन पोलिग स्टाफ व लगभग 970 मिलियन वोटर्स, जिनमें से 640 मिलियन लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पीएम मोदी ने कहा, ठसबसे पहले, इस सम्मेलन में निमंत्रण के लिए, व हमारे आतिथ्य-सत्कार के लिए मैं प्रधानमंत्री मेलोनी का हरदिक आभार व्यत्त करता हूं। मैं चांसलर शोल्ज़ को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। जी-7 समिट का ये आयोजन विशेष भी है, और ऐतिहासिक भी है। जी- 7 के सभी साथियों को इस समूह की पचासवीं वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाईंठ। आटिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अप्रीका व भूमध्यसागरीय पर जी-7 आउटरीच सत्र वर्तमान में महत्वपूर्ण मुद्दे रहे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटिश पीएम त्रषि सुनक से बातचीत की। दूसरी तऱफ रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने एक शांति प्रस्ताव पेश किया है। इसमें यूव्रोन को गुट निरपेक्ष रहने की सलाह है व यूव्रोन के क्षेत्रों को रूस के क्षेत्र के तौर पर मान्यता की मांग की गईं है। सेमीवंडक्टर सहित कईं मुद्दों पर त्रषि सुनक के साथ पीएम की चर्चा हुईं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने एनडीए सरकार के तीसरे कार्यंकाल में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराईं। सेमीवंडक्टर, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने की काफी गुंजाइश है। हमने रक्षा क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात की। इमैनुएल मैॉन ने इन मुद्दों पर हुईं बात हुईं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने ट्वीट किया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली के अपुलिया में 50वें जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैव्रॉन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, शिक्षा के क्षेत्रों सहित साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जलवायु कार्रवाईं, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, कनेक्टिविटी व संस्वृति पर भी उन्होंने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इन राजनेताओं का मिलकर बातचीत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा करना आवश्यक है, ताकि शांति के हल ढूंढ़ने में मदद मिले। मजे की बात है कि अपुलिया के एक भारतीय रेस्तरां में उत्साह का माहौल था, जहां रेस्तरां के कर्मचारी पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल के व्यंजन संबंधी 'ऑर्डर' को पूरा करने में तेज़ी से लगे रहे। यूव्रोन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने जी-7 युद्धग्रस्त यून के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए इटली में शिखर सम्मेलन के दौरान शीर्ष एजेंडों में से एक रहा।

कुछ अलग

पानी की कसक

यह विडंबना ही है कि भीषण गर्मी में देश की राजधानी में जल संकट को सुलझाने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है। जिस समस्या को सुलझाने के लिये शासन-प्रशासन को सजग होना चाहिए था, उसको लेकर शीर्ष अदालत को निर्देश देने पड़ रहे हैं। कोर्ट ने दो राज्यों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि दिल्ली के लिये अतिरिक्त पानी का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हो। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में जीवनदायी पानी को लेकर राजनीति तो नहीं ही होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से कहा है कि हिमाचल प्रदेश जिस 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी को दिल्ली हेतु छोड़ने के लिये राजी हुआ, उसका दिल्ली तक पहुंचना सुनिश्चित करे। वैसे तो देश के कई राज्यों में नदियों के जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद जारी हैं, विवाद सुलझाने को कई प्राधिकरण भी बने हैं, लेकिन कम से कम पेयजल संकट के दौरान राजनीति नहीं की जानी चाहिए। एक तथ्य यह भी कि अतिरिक्त पानी देने वाले हिमाचल की सीमा दिल्ली से नहीं लगती, इसलिए हरियाणा के वजीराबाद बैराज के माध्यम से दिल्ली को अतिरिक्त पानी भेजा जा सकता है। बहरहाल, जानलेवा गर्मी के बीच दिल्ली जल संकट को दूर करने के लिये अदालत के हस्तक्षेप के बाद राज्यों में सहयोग तथा जल संसाधनों के तर्कसंगत प्रबंधन की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आबादी के लगातार बढ़ते दबाव के बीच जल संकट हर साल गर्मियों में गहरा जाता है। राष्ट्रीय राजधानी अपनी जल आपूर्ति के लिये पड़ोसी राज्यों पर ही निर्भर रही है। जिसके मूल में जल प्रबंधन में संवेदनहीनता व अक्षमता भी उजागर होती है। दिल्ली सरकार भी सारे साल प्रयास करने के बजाय सिर्फ गर्मियों में संकट पैदा होने पर हाथ-पांव मारती नजर आती है। दरअसल, दिल्ली सरकार अकसर कहती है कि कारगर तंत्र के अभाव में राज्य को न्यायसंगत ढंग से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। जिसके मूल में जलप्रबंधन में प्रणालीगत अंतर्विरोध भी निहित हैं। वहीं दूसरी ओर हरियाणा अकसर अपनी पानी की जरूरतों तथा हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त जल आपूर्ति मापने के लिये स्पष्ट तंत्र की कमी की बात कहता रहा है। दिल्ली सरकार कहती है कि हरियाणा उसके हिस्से का पानी नहीं पहुंचने देता है। दरअसल, जब दिल्ली व हरियाणा में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होती हैं तो जल संकट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो जाती है। दूसरी ओर, इस विवाद में मध्यस्थता करने के लिये बने ऊपरी यमुना नदी बोर्ड की कार्यक्षमता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि नदी बोर्ड जल प्रबंधन के लिए सबके सहयोग से पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाया जाए। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी न मिलना जन स्वास्थ्य के लिये भी खतरा है। जिसके लिये जल प्रबंधन स्थायी और न्यायसंगत ढंग से करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दिल्ली सरकार की शिकायत पर जहां सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार को अतिरिक्त पानी देने तथा हरियाणा सरकार को जल प्रवाह बाधा मुक्त बनाने को कहा है, वहीं दिल्ली के लोगों से कहा है कि वे पानी की बर्बादी रोकें। साथ ही जल प्रबंधन से जुड़ी अक्षमताओं को दूर करने को कहा गया है। जिसमें जल रिसाव व चोरी रोकने तथा टैंकर माफिया की निरंकुशता पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। वहीं अवैध कनेक्शनों पर भी नकेल कसने की जरूरत बतायी है। दूसरी ओर जरूरी है कि राज्यों में बेहतर सहयोग के लिए यूवाईआरबी जैसे निकाय इस बाबत हुए समझौतों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

देश दुनिया से

मोदी मंत्रिमंडल निरंतरता का द्योतक

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है।

एक पाटा की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्यं व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोई सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिता में उस तरह का कदम न उठाया जाए। देश का आर्थिक विकास, सड़कों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पाटा करेगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। साथी दलों के सामने साथ मिलकर काम करने का जनादेश मिला है तो वो इसका ध्यान बिलवुल रखेंगे। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो नरेंद्र मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। प्रधानमंत्री सहित वैबिनेट की संख्या 31 है। पिछली सरकार में वैबिनेट की संख्या 26 थी। 16 सांसदों वाले तेलुगू देशम और 12 वाले जद यू को दो-दो मंत्री मिले हैं। वैबिनेट में 21 चेहरे पुराने हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रुप में वापसी हुईं है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वषाय जीतन राम मांझी, जद यू के राजीव रंजन सिह, तेलुगू देशम के 36 वषाय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वषाय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो वैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गईं है। इनमें हरियाणा से रविदरजीत सिह, जम्मू कश्मीर से जितेंद्र सिह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार वेंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोईं सांसद नहीं है लेकिन रवनीत सिह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजयी हुईं है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोकसभा सदस्यों डॉक्टर सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठावुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इनमें सुकांत पहली बार मंत्री बने हैं लेकिन शांतनु पिछली सरकार में जुलाईं 2021 से जहाजरानी राज्य मंत्री रहे हैं। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठावुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठावुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोईं नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल वुछ क्षेत्र, समूह, वुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है। इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोईं बदलाव होगा ऐसा मानने का कोईं कारण नहीं है। वास्तव में भाजपा के अंदर बहुमत न मिलने से निराशा और चिता अवश्य होगी किंतु 10 वर्षो के शासन में आंतरिक और बा नीतियों में स्थायित्व आ चुका है। निति रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। सड़क परिवहन एवं अन्य निर्माण के क्षेत्र में नितिन गडकरी की भूमिका की प्रशंसा सभी दलों ने की है और सड़कों के मामले में भारत की विश्व स्तरीय पहचान बन चुकी है। विश्व भर के निवेशक सड़क सहित भारत की आधारभूत संरचना में निवेश करने के लिए खजाना खोल बैठे हैं और मंत्री परिषद की निरंतरता से वे आश्वस्त हुए होंगे। एक पाटा की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्यं व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोईं सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिता में उस तरह का कदम न उठाया जाए।

आप का नजरिया

पृथ्वी का आधार जल और जंगल है प्रेरणा

भौतिक विकास के पीछे दौड़ रही दुनिया ने आज जरा ठहरकर सांस ली तो उसे अहसास हुआ कि चमक-धमक के पेर में क्या कीमत चुकाईं जा रही है। आज ऐसा कोईं देश नहीं है जो पर्यावरण संकट पर मंथन नहीं कर रहा हो। भारत भी चिंतित है। लेकिन, जहां दूसरे देश भौतिक चकाचौंध के लिए अपना सबवुछ लुटा चुके हैं, वहीं भारत के पास आज भी बहुत वुछ बाकि है। पामि के देशों ने प्रवृति को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पेड़ काटकर जंगल के कंव्रीट खड़े करते समय उन्हें अंदाजा नहीं था कि इसके क्या गंभीर परिणाम होंगे? प्रवृति को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए पामि में मजबूत परंपराएं भी नहीं थीं। प्रवृति संरक्षण का कोईं संस्कार अखण्ड भारतभूमि को छोड़कर अन्यत्र देखने में नहीं आता है। जबकि सनातन परम्पराओं में प्रवृति संरक्षण के सूत्र मौजूद हैं। हिन्दू धर्म में प्रवृति पूजन को प्रवृति संरक्षण के तौर पर मान्यता है। भारत में पेड़- पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रवृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गईं है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। ग्रह-नक्षत्र, पहाड़ और वायु देवरूप माने गए हैं। प्राचीन समय से ही भारत के वैज्ञानिक त्रषि-मुनियों को प्रवृति संरक्षण और मानव के स्वभाव की गहरी जानकारी थी। वे जानते थे कि मानव अपने क्षणिक लाभ के लिए कईं मौकों पर गंभीर भूल कर सकता है। अपना ही भारी नुकसान कर सकता है। इसलिए उन्होंने प्रवृति के साथ मानव के संबंध विकसित कर दिए। ताकि मनुष्य को प्रवृति को गंभीर क्षति पहुंचाने से रोका जा सके। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही भारत में प्रवृति के साथ संतुलन करके चलने का महत्वपूर्ण संस्कार है। यह सब होने के बाद भी भारत में भौतिक विकास की अंधी दौड़ में प्रवृति पददलित हुईं है। लेकिन, यह भी सच है कि यदि ये परंपराएं न होतीं तो भारत की स्थिति भी गहरे संकट के किनारे खड़े किसी पामि देश की तरह होती। हिन्दू परंपराओं ने कहीं न कहीं प्रवृति का संरक्षण किया है। हिन्दू धर्म का प्रवृति के साथ कितना गहरा रिश्ता है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के सबसे प्राचीन ग्रंथ त्रग्वेद का प्रथम मंत्र ही अग्नि की स्तुति में रचा गया है। हिन्दुत्व वैज्ञानिक जीवन पद्धति है। प्रत्येक हिन्दू परम्परा के पीछे कोईं न कोईं वैज्ञानिक रहस्य छिपा हुआ है। इन रहस्यों को प्रकट करने का कार्यं होना चाहिए। हिन्दू धर्म के संबंध में एक बात दुनिया मानती है कि हिन्दू दर्शन 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर आधारित है। यह विशेषता किसी अन्य धर्म में नहीं है। हिन्दू धर्म का सह अस्तित्व का सिद्धांत ही हिन्दुओं को प्रवृति के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। वैदिक वाङ्मयों में प्रवृति के प्रत्येक अवयव के संरक्षण और संवर्धन के निर्देश मिलते हैं। हमारे त्रषि जानते थे कि पृथ्वी का आधार जल और जंगल है। इसलिए उन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए वृक्ष और जल को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है- 'वृक्षाद् वर्षति पर्जन्यः पर्जन्यादन्न सम्भवः' अर्थात्वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। जंगल को हमारे त्रषि आनंददायक कहते हैं- 'अरण्यं ते पृथिवी स्योनमस्तु।' यही कारण है कि हिन्दू जीवन के चार महत्वपूर्ण आश्रमों में से ब्राचर्य, वानप्रस्थ और संन्यास का सीधा संबंध वनों से ही है। हम कह सकते हैं कि इन्हीं वनों में हमारी सांस्वृतिक विरासत का सम्वर्धन हुआ है।

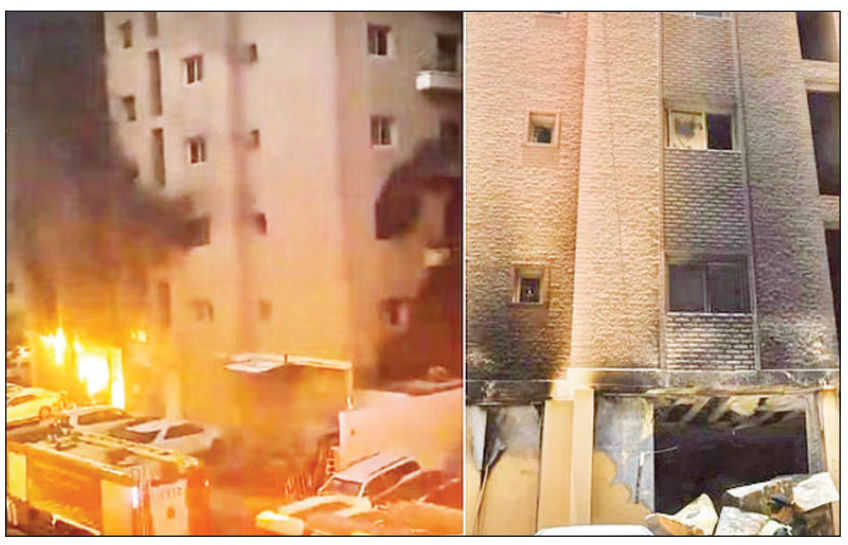

मंगफ अग्निकांड पीड़ितों के परिजनों को 12.5 लाख रुपए का मुआवजा देगी कुवैत सरकार, दूतावास से मिलेगी रकम

कुवैत सिटी, 19 जून (एजेंसियां)।

सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है। कुवैती सरकार दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में लगी आग के पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा देगी। इस आग में 50 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 46 भारतीय भी शामिल थे। कुवैती मीडिया की रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, मंगफ शहर में बीती 12 जून को सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर गार्ड के कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। अग्निकांड में 46 भारतीयों की हुई थी मौत इस इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। बताया कि कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर, पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा मिलेगा। सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है।

संबंधित पीड़ितों के दूतावासों को वितरित की जाएगी धनराशि रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित दूतावास यह सुनिश्चित करेंगे कि आग से प्रभावित लोगों के परिवारों को धनराशि वितरित की जाए, प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ितों के परिवारों तक सहायता तुरंत पहुंचे। अखबार ने कहा, इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों की सहायता करना है। भारत सरकार ने भीषण आग में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। केरल सरकार ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह आग त्रासदी में मरने वाले राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

न्यूज ब्रीफ

महिलाओं का व्यवस्थागत ढंग से दमन मानवता के विरुद्ध अपराध के समान तेजी से बिगड़ रहे हालात

काबुल। यूएन के विशेष रैपोर्टेयर रिचर्ड बैनेट ने जिनीवा में मानवाधिकार परिषद के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अफगान महिलाओं व लड़कियों के इस दमन को मानवता के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। अफगानिस्तान में सत्तारुढ़ तालिबान प्रशासन की अगस्त 2021 में वापसी हुई थी, जिसके बाद से ही महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। महिलाओं व लड़कियों पर सख्त पोशाक संहिता थोपी गई, उच्चतर शिक्षा हासिल करने पर पाबंदी लगाई गई, महिलाओं को रोजगार बाजार से बाहर कर दिया गया और सार्वजनिक स्थलों पर उनकी आवाजाही भी बेहद सीमित कर दी गई है। यूएन के स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञ ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में सचेत किया है कि तालेबान ने इस दमन के लिए हिंसक तौर-तरीकों को अपनाया, जिसके तहत हत्या, जबरन गुमशुदगी, यातना, बलात्कार समेत अन्य अमानवीय कृत्यों को अंजाम दिया गया। रिचर्ड बैनेट के अनुसार, तालिबान ने संस्थागत ढंग से महिलाओं व लड़कियों के दमन की व्यवस्था को अपनाया है, जिस तरह से उनके अधिकारों पर चोट पहुंचाई जा रही है, उससे मानवता की चेतना को गहरा धक्का पहुंचना चाहिए। व्यवस्थागत लैंगिक रंगभेद तालिबान की सत्ता पर वापसी के बाद से मौखिक व लिखित में कई सिलसिलेवार आधिकारिक आदेशों के जरिये, अफगान महिलाओं व लड़कियों की बुनियादी आजादी को एक तरह से खत्म कर दिया गया है। रिपोर्ट बताती है कि व्यवस्थागत दमन से कई पीढ़ियों की अफगान महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण पीछे छूट जाएगा, उनका सामाजिक-आर्थिक दर्जा हीन होगा और राजसत्ता द्वारा उन्हें जबरन पुरुषों पर निर्भर बना दिया जाएगा। रिचर्ड बैनेट का मानना है कि जिस तरह से मौजूदा अन्याय को अंजाम दिया जा रहा है, उसकी लैंगिक रंगभेद के जरिये व्याख्या की जा सकती है, चूंकि यह संस्थागत और वैचारिक है। मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ ने कहा कि सदस्य देशों को लैंगिक रंगभेद की अवधारणा को मान्यता देनी होगी और इसे संहिताबद्ध करना होगा।

अमेरिका ने चीन में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारीपर की आलोचना, तत्काल रिहाई की मांग की

वॉशिंगटन। अमेरिका ने स्वतंत्र पत्रकार और महिला अधिकार कार्यकर्ता हुआंग जुएकिन (सोफिया हुआंग) के साथ ही श्रम अधिकार कार्यकर्ता वांग जियानबिंग को गलत तरीके से सजा देने पर चीन आलोचना की है। साथ ही चीन से दोनों ही कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करने की अपील की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा, हम पीआरसी से हुआंग और वांग के साथ-साथ उनकी मौलिक स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए अन्यायपूर्ण तरीके से हिरासत में लिए गए अन्य व्यक्तियों को तुरंत रिहा करने का आग्रह करते हैं। मैथ्यू ने आगे कहा कि चीन की इस तरह की बातें नागरिकों को डराने और चुप कराने के लगातार प्रयासों को दिखाता है। इसके साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने चीन से अभिव्यक्ति और निष्पक्ष न्याय जैसी स्वतंत्रता सहित मानवाधिकारों का सम्मान करने के अपने वादों को कायम रखने का आग्रह किया।

24 साल बाद पुतिन पहुंचे उत्तर कोरिया अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ मिलकर काम करना चाहते हैं

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल बाद उत्तर कोरिया की यात्रा पर पहुंचे। रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक दोनों देश वाशिंगटन के साथ बढ़ते टकराव के मद्देनजर अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं। आरआईए-नोवोस्ती और इंटरफैक्स के अनुसार पुतिन का प्योंगयांग के हवाई अड्डे पर उत्तर कोरियाई नेता किम-जोंग-उन ने स्वागत किया। पुतिन, 24 वर्षों में उत्तर कोरिया की अपनी पहली यात्रा पर हैं। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में उनकी सैन्य कार्रवाइयों के लिए देश के दृढ़ समर्थन की सराहना की। यह यात्रा उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन द्वारा सितंबर 2023 में पुतिन को निमंत्रण दिए जाने के बाद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार पुतिन की यह यात्रा हथियार समझौते के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है। उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में सड़कों को पुतिन और रूसी झंडों के चित्रों से सजाया गया था। एक इमारत पर एक बैनर में कहा गया था... हम रूसी संघ के राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

जो अमेरिकियों के हित में होगा, राष्ट्रपति बाइडन वही करेंगे, चीन की चेतावनी पर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के तिब्बत को लेकर बनाए गए नए विधेयक पर चीन ने चेतावनी जारी की है और कहा है कि अगर राष्ट्रपति बाइडन ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए तो चीन सख्त कदम उठाएगा। अब इसे लेकर व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति वही फैसला करेंगे, जो अमेरिकी लोगों के हित में होगा। अमेरिकी संसद ने इसी महीने रिजोल्व तिब्बत एक्ट नामक प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव के तहत तिब्बत विवाद का शांतिपूर्ण समाधान करने की मांग की गई है।

क्या है अमेरिका के प्रस्ताव में

मीडिया से बात करते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पिएरे से जब चीन की चेतावनी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति वही करेंगे, जो उन्हें लगता है कि अमेरिकी लोगों के हित में है। अभी मैं आपको यही बता सकती हूं। रिजोल्व तिब्बत एक्ट एक द्विदलीय विधेयक है, जो चीन की सरकार और दलाई लामा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत का समर्थन करता है, ताकि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का शांतिपूर्ण हल निकाला जा सके।

साथ ही यह विधेयक अमेरिका के विदेश विभाग को सशक्त बनाता है कि वह चीन की सरकार के तिब्बत को लेकर भ्रामक दावों का जवाब दे सके। यह विधेयक चीन के उस दावे को भी खारिज करता है, जिसमें चीन का कहना है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का हिस्सा रहा है।

अमेरिकी प्रस्ताव चीन की सरकार और दलाई लामा के प्रतिनिधियों और तिब्बत के लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों के बीच बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत का समर्थन करता है। प्रस्ताव के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग अब दुनिया के अन्य देशों की सरकारों के साथ मिलकर तिब्बत मुद्दे के समाधान की दिशा में काम करेगा।

चीन ने दी धमकी

चीन द्वारा इस विधेयक का विरोध किया जा रहा है और चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा है कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर न करें। चीन के विदेश विभाग के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि कोई भी ताकत जो शिजांग को अस्थिर करने या फिर चीन के दबाने की कोशिश करेगी, वह सफल नहीं होगी। अमेरिका को विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और अपने हितों के लिए सख्त कदम उठाएगा। चीन तिब्बत को शिजांग कहकर संबोधित करता है। चीन ने इस साल अप्रैल में कहा था कि वह सिर्फ दलाई लामा के प्रतिनिधियों से बात करेगा न कि निर्वासन में चल रही तिब्बत सरकार से।

चीन ने दलाई लामा की तिब्बत को स्वायत्ता देने की मांग भी खारिज कर दी है। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद साल 1959 में 14वें दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आ गए थे। उसके बाद से ही दोनों पक्षों में संबंध तनावपूर्ण हैं।

बाइडन ने पांच लाख अप्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की पेशकश की

राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिकी नागरिकों से विवाहित और कम से कम 10 वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों के लिए नागरिकता का मार्ग प्रदान करने की पेशकश की है, व्हाइट हाउस का अनुमान है कि इस कदम से 5,00,000 से अधिक लोगों को लाभ होने की संभावना है। व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में, बाइडन ने डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स (डीएसीए) लाभार्थियों के लिए उच्च-कुशल रोजगार वीजा तक पहुँचने की प्रक्रिया को आसान बनाने की योजना की भी घोषणा की। इससे नियोक्ता अपने महत्वपूर्ण कर्मचारियों को बनाए रख सकेंगे। बाइडन ने इस दौरान कहा कि यह सही है। मैं चाहता हूं कि जो लोग अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं, वे अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग अमेरिका में काम करने के लिए करें। मैं दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण करना चाहता हूं, जिसमें दुनिया का सबसे अच्छा कार्यबल हो। हमने पहले ही 15 मिलियन नई नौकरियां पैदा की हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

वर्जीनिया प्राइमरी चुनाव में जीते भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम, बंगलूरू से है नाता

वॉशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया राज्य में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की है। सुहास सुब्रमण्यम ने 11 अन्य उम्मीदवारों को पछाड़कर वर्जीनिया सीट से दावेदारी जीती है। जिन 11 उम्मीदवारों को सुहास ने पछाड़ा है, उनमें भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल भी शामिल हैं। सुहास सुब्रमण्यम पहले भारतीय मूल के, दक्षिण एशियाई मूल के और पहले हिंदू नेता हैं, जो साल 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली के चुनाव में चुने गए थे। पहले भी राजनीति में सक्रिय रहे हैं सुहास सुहास सुब्रमण्यम वर्जीनिया स्टेट सीनेट के लिए भी साल 2023 में निर्वाचित हो चुके हैं। अब सुब्रमण्यम वर्जीनिया सीट से यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के लिए चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि वर्जीनिया सीट पर बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, ऐसे में सुहास सुब्रमण्यम की दावेदारी खासी मजबूत मानी जा रही है। वर्जीनिया सीट से मौजूदा सांसद जेनिफर वैक्सटन हैं, लेकिन बीते साल उन्होंने एलान किया था कि वह 2024 का चुनाव नहीं लड़ेंगी। वैक्सटन ने भी सुब्रमण्यम की दावेदारी का समर्थन किया था। अब सुहास का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लेंसी से होगा। बंगलूरू से है नाता सुहास सुब्रमण्यम (37 वर्षीय) का जन्म ह्यूस्टन में हुआ था। सुहास के माता-पिता बंगलूरू से अमेरिका शिफ्ट हुए थे। साल 2015 में सुहास को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में टेक्नोलॉजी पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया था। मीडिया के साथ बातचीत में सुहास ने हा कि वह अमेरिका के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस समस्याएं सुलझाने और भविष्य के प्रति सचेत होने के लिए है। हम सिर्फ अगले दो या तीन वर्षों के लिए कानून नहीं बनाएंगे बल्कि ये अगले 20-30 साल रहेंगे। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे एक बेहतर समाज और एक बेहतर दुनिया में रहें। सुहास ने कहा कि मेरे माता-पिता बंगलूरू और चेन्नई से हैं। उन्होंने कुछ समय सिकंद्राबाद में भी गुजारा। वो यहां आएं बेहतर भविष्य की तलाश में।

कैंसर से लड़ रहीं केट के स्वास्थ्य पर 'ट्रूपिंग द कलर' का बुरा प्रभाव, शाही परिवार ने दी जानकारी

लंदन, 19 जून (एजेंसियां)।

बकिंघम पैलेस में आयोजित हुए 'ट्रूपिंग द कलर' कार्यक्रम में शामिल होने के कारण कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है। शाही परिवार के विशेषज्ञ ने इसकी जानकारी दी है। कैंसर से जूझ रहीं केट केट मिडलटन ने लाइम लाइट से दूर रहने का फैसला किया था। लेकिन किंग चार्ल्स के जन्मदिन पर 'ट्रूपिंग द कलर' समारोह में शामिल होने के बाद वह फिर फोकस में आ गईं। जिसने उनके प्रशंसकों में उत्साह भर दिया। लेकिन अब उनके स्वास्थ्य को लेकर खबर आने से एक बार फिर यह सुर्खियां बन गया है। पहले किंग के जन्मदिन समारोह में ना शामिल होने का फैसला लिया था वेल्स की 42 वर्षीय राजकुमारी कैंसर से लगातार लड़ाई लगातार लड़ रही हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के दौरान उनकी हालिया सार्वजनिक उपस्थिति ने कथित तौर पर उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। पहले मिडलटन ने घोषणा की थी कि वह किंग के जन्मदिन समारोह में अपने परिवार के साथ शामिल नहीं होंगी। लेकिन बाद में अपना फैसला बदलते हुए वह कार्यक्रम में शामिल हुईं, जिसका उन्के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है और उनकी नाजुक स्थिति ने तनावपूर्ण माहौल बना दिया है। सर्जरी के दौरान पता चली थी कैंसर की बात मिडलटन पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं थीं, लेकिन सर्जरी के दौरान ही उन्हें कैसर से पीड़ित होने का पता चला। मार्च में केट मिडलटन ने सार्वजनिक बयान जारी कर कहा कि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं और जब तक उनकी तबीयत ठीक नहीं हो जाती, वे सार्वजनिक जिम्मेदारियों से दूर रहेंगी।

मक्का में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 50 डिग्री के पार तापमान, अब तक 550 जायरीनों की मौत

रियाद, 19 जून (एजेंसियां)।

हज दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में शुमार है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। भीषण गर्मी के कारण जायरीनों की मौत हो रही है। इस साल गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार तक जा चुका है। चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान हैं। वहीं, यह गर्मी हज यात्रियों के लिए मुसीबत बन गई है। अब तक हज यात्रा के दौरान कम से कम 550 जायरीनों की मौत हो गई है। यह जानकारी राजनयिकों ने दी। मरने वालों में मिस्र के सबसे ज्यादा नागरिक शामिल दो अरब राजनयिकों ने जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश की मौत गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण हुई है। वहीं मरने वालों में अकेले मिस्र के 323 नागरिक हैं। वहीं, एक राजनयिक ने बताया कि सभी जायरीनों की भीषण गर्मी के कारण जान गई है। सिवाय एक शख्स के जो भीड़ में बुरी तरह से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि कुल आंकड़े मक्का के पास अल-मुआइसिम में स्थित अस्पताल के मुर्दाघर से हासिल हुए हैं। जॉर्डन के इतने लोगों की मौत वहीं, सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 60 जायरीनों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। अम्मान द्वारा आधिकारिक तौर पर 41 लोगों की मौत की जानकारी दी गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन नई मौतों के साथ ही कई देशों द्वारा अब तक बताई गई कुल मौतों की संख्या 577 हो गई है। लाखों जायरीन कर रहे हज की यात्रा हज, दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में शुमार है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार हज की यात्रा पर जरूर जाना चाहिए।

वार्षिक हज यात्रा के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया है, जिसमें इस वर्ष लगभग 18 लाख मुसलमान भाग ले रहे हैं। गर्मी की मार पिछले महीने प्रकाशित एक सऊदी अध्ययन के अनुसार, हज यात्रा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है। जिस क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, वहां का तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फ़ारेनहाइट) बढ़ रहा है।

कनाडा की संसद में आतंकी की याद में रखा गया मौन, भारत ने भी उसी भाषा में दिया जवाब

ओटावा, 19 जून (एजेंसियां)।

भारत के बार-बार कहने के बावजूद कनाडा अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल कनाडा की सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। ताजा मामला हरदीप सिंह निज्जर से जुड़ा है। दरअसल कनाडा की संसद में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया, जिसके जवाब में भारत ने भी कनाडा को उसी भाषा में जवाब दिया है। कनाडा के वैंकुवर स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास ने 23 जून को एयर इंडिया आंतकी हमले को याद में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन का एलान किया है।

एयर इंडिया विमान हमले की बरसी मनाएगा भारतीय वाणिज्य दूतावास

वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत, आतंकवाद के पागलपन के खिलाफ है और इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। 23 जून 2024 को एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) पर हुए कायराना आतंकी हमले की 39वीं बरसी है, जिसमें 329 मासूम लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में 86 बच्चे भी थे। यह नागरिक उड्डयन के इतिहास की सबसे घिनौनी आतंकी घटनाओं में से एक है। 23 जून, 2024 को वैंकुवर में स्टैनले पार्क में एयर इंडिया मेमोरियल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय मूल के लोगों को इस कार्यक्रम में आकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखानी चाहिए।

खालिस्तानी आतंकियों ने दिया था हमले को अंजाम

22 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट 182 ने कनाडा के मॉन्ट्रियल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। अगले दिन यानी 23 जून 1985 को जब विमान आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहा था तो उसमें जोरदार धमाका हुआ और विमान का मलबा टुकड़े-टुकड़े होकर अटलांटिक महासागर में जा गिरा था। इस हमले को ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए खालिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया था। हमले में विमान में सवार क्रू समेत सभी 329 लोग मारे गए थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने कनाडा की सरकार को चरमपंथियों के हमले को लेकर आगाह भी किया था, लेकिन इसके बावजूद कनाडा की सरकार ने सावधानी नहीं बरती और 329 लोगों को कनाडा सरकार की लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ी थी। अब एक बार फिर भारत सरकार कनाडा की सरकार को वहां पनप रहे चरमपंथियों को लेकर आगाह कर रही है, लेकिन 1985 की तरह अब भी कनाडा सरकार चरमपंथियों के महिमामंडन में जुटी है।

निज्जर को लेकर भारत-कनाडा के रिश्तों में आया तनाव

भारत के वाणिज्य दूतावास का यह कदम कनाडा की संसद में निज्जर की याद में मौन रखने के बाद सामने आया है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर भारत में वांछित आतंकवादी था और चरमपंथी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था। भारत ने जो 40 वांछित आतंकियों की लिस्ट कनाडा को सौंपी थी, उसमें निज्जर का भी नाम था। निज्जर की बीते साल 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा की सरकार ने निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत की सरकार ने कनाडा के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। इस मामले को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। इसी महीने इटली में आयोजित हुए जी7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई थी।

कौन था हरदीप सिंह निज्जर

हरदीप सिंह निज्जर पंजाब के जालंधर से साल 1997 में फर्जी पासपोर्ट पर कनाडा गया था। हालांकि निज्जर के शरणार्थी के दावे को कनाडा की सरकार ने खारिज कर दिया था। इसके बाद निज्जर ने कनाडा में शादी करके वहां की नागरिकता लेने की कोशिश की, लेकिन कनाडा सरकार ने फिर से उसका आवेदन खारिज कर दिया। हालांकि बीते साल जब निज्जर की गोली मारकर हत्या की गई तो कनाडा की सरकार ने निज्जर को कनाडा का नागरिक बताया। निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा की पुलिस ने तीन भारतीय युवकों को गिरफ्तार किया है।

इगोर स्टिमैक की बर्खास्तगी के बाद एआईएफएफ ने शुरू की नए हेड कोच की तलाश, मंगाए आवेदन

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इगोर स्टिमैक की मुख्य कोच पद से बर्खास्तगी के बाद नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए आवेदन की जानकारी साझा की। दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। नए युग की हो रही शुरुआत स्टिमैक और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील छेत्री के संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल युग की नई शुरुआत होने जा रही है। पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक की बर्खास्तगी से टीम में बदलाव की लहर शुरू हो गई है। फीफा रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना है। फिलहाल विश्व कप का सपना उनकी पहुंच से दूर है। एआईएफएफ ने जारी किया आवेदन एआईएफएफ की तरफ से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि, इस पद का प्राथमिक उद्देश्य फीफा विश्व कप/एएफसी एशियाई कप/एसएएफएफ चैम्पियनशिप और एएफसी अंडर-23 चैम्पियनशिप के लिए योग्यता के साथ विभिन्न मैचों और प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम और अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय टीम का चयन, निगरानी और तैयारी करना है और प्रमुख लक्ष्यों में एशियाई खेल 2026 में उल्लेखनीय तैयारी और प्रदर्शन करना है।एआईएफएफ ने साफ किया है कि उन्हें इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति की तलाश है जिसके पास 10-15 साल का कोचिंग का अनुभव है। इसके अलावा ऐसे खिलाड़ी को प्राथमिकता दी जाएगी जिसके पास पहले से ही राष्ट्रीय टीम की कोचिंग का अनुभव है। एआईएफएफ और स्टिमैक के बीच ठनी हाल ही में स्टिमैक ने एआईएफएफ को चेतावनी दी थी कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, मैं समय से पहले इस तरह अपना अनुबंध खत्म किये जाने के कारण दस दिन के भीतर अपना बकाया भुगतान किये जाने के लिये कह रहा हूं। यह रकम वही होगी जो अनुबंध के कार्यकाल में मुझे मिलनी थी। ऐसा नहीं करने पर मैं फीफा की ट्रिब्यूनल में एआईएफएफ के खिलाफ मामला दर्ज करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर, बटलर और आर्चर को निभानी होगी अहम भूमिका : वॉन

ग्रोस आइलेट। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट फिर जीतने का अच्छा अवसर है पर इसके लिए कप्तान जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ी लय में नहीं है और उसने बड़ी मुश्किलों से सुपर आठ में जगह बनायी है। उसे अब सुपर आठ में सह-मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका का भी मुकाबला करना है। वॉन ने कहा, सेमीफाइनल और उससे भी आगे तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड को अपने सर्वश्रेष्ठ दो खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उन्होंने कहा कि आर्चर इंग्लैंड के लिए बहुत अहम हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो 20 ओवरों में से हर ओवर में गेंदबाजी कर सकते हैं और उनकी वापसी अब तक काफी अच्छी रही है। वॉन ने साथ ही कहा, बटलर को भी सुपर आठ के लिए फॉर्म में आना होगा। कप्तान को बल्ले से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत है क्योंकि वह अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं। इंग्लैंड को उनकी जरूरत पड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि अगर इंग्लैंड टीम अपने खिताब को बचाने के लिए पूरी तरह से एकजुट होकर प्रयास करती है किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। अगर इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतता है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी20 विश्व कप में इंग्लैंड टीम आयरलैंड से हार गयी थी और तब भी इसी प्रकार लगा था कि हम बाहर हो जाएंगे पर उन्होंने वापसी करते हुए खिताब जीता। - लेकिन उन्होंने इसे पीछे छोड़ दिया, लगातार चार गेम जीते और खिताब अपने नाम किया। वॉन ने साथ ही कहा, इंग्लैंड एक बहुत ही खतरनाक टीम है। वे अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेल सकते हैं। उनका आगे जाना दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो बड़े खेलों पर निर्भर करता है। इसमें से इंग्लैंड को कम से कम एक जीतना होगा। उन्होंने विस्तार से बताया कि यह बिल्कुल भी सबसे खराब स्थिति नहीं है। वॉन ने कहा कि कैरीबियाई पिचों की धीमी प्रकृति के कारण सुपर आठ चरण में लेग स्पिनर आदिल राशिद इंग्लैंड के लिए अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जाएंगे और वह विपक्षी स्पिनरों के खिलाफ टीम की कमान संभालने के लिए मोईन अली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं।

हमने अपनी गलतियों से अब तक सबक नहीं लिया : हसरंगा

ग्रोस आइलेट। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम इस बार टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के कारण सुपर आठ तक का सफर भी नहीं तय कर पायी है। उसी को लेकर टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने कहा है कि टीम ने लगातार गलतियां की हैं जिन्हें अब सुधारना है। ताकि आगे के टूर्नामेंटों में वह बेहतर प्रदर्शन कर सके। पिछले साल श्रीलंकाई टीम एकदिवसीय विश्व कप में नौवें स्थान पर रही थी पर इसके बाद भी उसने कोई सुधार नहीं किये। इसी कारण वह इस टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। हसरंगा ने कहा, 'इस स्थिति के लिए मै निराश हूं। हमने इस विश्व कप और इससे पहले एकदिवसीय विश्व कप में की गयी गलतियों पर चर्चा की थी पर उससे कुद सीखा नहीं।

कोच दिनेश लाड के कारण यहां तक पहुंचा हूं : हरमीत

न्यूयार्क। अमेरिकी टीम ने अपने पहले ही टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। अमेरिकी टीम में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शनन से टीम को जीत दिलायी है। इन्हीं में शामिल बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय कोच दिनेश लाड को दिया है। लाड भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के भी कोच रहे हैं। हरमीत ने अमेरिका जाने से पहले दो अंडर-19 विश्व कप में भारत की ओर से खेला था। इसके बाद आगे अवसर नहीं मिलने के कारण वह अमेरिका चले गये थे। हरमीत ने कहा, 'मैं यहां तक पहुंचने में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों और विशेष रूप से कोच लाड का आभारी हूं। उन्होंने सबसे पहले मेरी प्रतिभा को पहचाना। वह मेरे स्कूल के दिनों में कोच और मेंटर थे। उन्होंने कहा, 'असल में उन्होंने ही मुझे अपने स्कूल में शामिल होने की सलाह दी थी। वहां उन्होंने मुझे वह सब कुछ उपलब्ध कराया जो उनके नियंत्रण में था। हरमीत ने कहा कि ऐसे कोच के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच सकता था। उन्होंने कहा, 'मैंने स्वामी विवेकानंद स्कूल में दाखिला लिया। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े, तब उपनगरों में क्रिकेट प्रचलित नहीं था, मैंने स्कूल में जो कुछ भी हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा ने दिखाया दम पावो नूरमी खेलों के बने विजेता, जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। नीरज के अलावा फिनलैंड के टोनी केरानेन ने 84.19 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक और ओलिवियर हेलांडर ने 83.96 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

बढ़त लेने के बाद पिछड़ गए थे नीरज

नीरज चोपड़ा सबसे पहले थ्रो करने आए और उन्होंने पहली ही बार में 83.62 मीटर का थ्रो किया। विश्व चैंपियन नीरज की यह खराब शुरुआत नहीं थी। नीरज एंडरसन पीटर्स से आगे रहे जिन्होंने पहली बार में 82.58 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में नीरज ने 83.45 मीटर का थ्रो किया जो उनके शुरुआती प्रयास से बेहतर नहीं था। दूसरे प्रयास के बाद नीरज पिछड़ गए थे और ओलिवियर हेलांडर ने बढ़त बना ली थी। ओलिवियर ने दूसरे प्रयास में 83.96 मीटर का थ्रो किया था। इससे नीरज दूसरे स्थान पर खिसक गए थे।

तीसरे प्रयास में नीरज ने की वापसी

दूसरे प्रयास में पिछड़ने के बाद हालांकि, नीरज ने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की और 85.97 मीटर का थ्रो कर बढ़त हासिल कर ली। नीरज का यह सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। नीरज आठ भाला फेंक एथलीटों में एकमात्र खिलाड़ी रहे जिन्होंने 85 मीटर के थ्रो को पार किया। वहीं, ओलिवियर अपने तीसरे प्रयास में 83 मीटर के पार भी नहीं जा सके और उन्होंने 82.60 मीटर का थ्रो किया। तीसरा प्रयास समाप्त होने के बाद नीरज ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

नीरज ने चौथे प्रयास में 82.21 मीटर का थ्रो किया। नीरज का यह इस मुकाबले का सबसे कमजोर थ्रो रहा, लेकिन इससे उनकी बढ़त पर कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि अन्य कोई एथलीट उनके सर्वश्रेष्ठ थ्रो के करीब भी नहीं पहुंच सका। इस तरह नीरज ने चौथे प्रयास के समाप्त होने के बाद भी अपनी बढ़त को बरकरार रखा। नीरज पांचवें प्रयास में फाउल कर बैठे, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस प्रयास में भी कोई नीरज को पीछे नहीं छोड़ सका और पांचवें प्रयास की समाप्ति के बाद भी टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी की बादशाहत बरकरार रही। पांचवें प्रयास में ऑद्रियन मारडारे ही 82 मीटर के थ्रो को पार कर सके, जबकि नीरज सहित तीन खिलाड़ियों ने फाउल किया। हालांकि, छठे प्रयास में नीरज ने 82.97 मीटर का थ्रो किया। दिलचस्प बात यह रही कि अंतिम प्रयास में नीरज और मैक्स डेहिंग ही सफल प्रयास कर सके, जबकि अन्य सभी खिलाड़ियों ने फाउल किया।

मैक्स डेहिंग का निराशाजनक प्रदर्शन

प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे कम उम्र के सदस्य जर्मनी के मैक्स डेहिंग का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। माना जा रहा था कि वह नीरज चोपड़ा को कड़ी टक्कर देंगे, लेकिन उन्होंने पहले प्रयास में 79.84 मीटर का थ्रो किया, जबकि दूसरे प्रयास में फाउल कर बैठे। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया और चौथे प्रयास में 79.04 मीटर का थ्रो ही कर सके। इसके बाद उन्होंने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया और छठे प्रयास में 77.81 मीटर का थ्रो फेंका।

दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका को 18 रन से हराया

नॉर्थ साउंड, 19 जून (एजेंसियां)।

क्विंटन डिकॉक (74) और कप्तान एडन मारक्रम (46) रनों की तूफानी पारियों आठ, ग्रुप दो के मुकाबले में अमेरिका को 18 रनों से हरा दिया है। 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका के लिए स्टीवन टेलर और ऐंड्रियस गौस की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। चौथे ओवर में स्टीवन टेलर 14 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अमेरिका ने लगातार अंतराल पर अपने चार और विकेट खो दिये। नितीश कुमार (8), कप्तान ऐरन जोंस (शून्य), कोरी एंडरसन (12) और शयन जहांगीर (3) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे समय में ऐंड्रियस गौस और हरमीत सिंह ने छठे विकेट के लिये मजबूत साझेदारी करते हुए न केवल पारी को संभाला रन भी तेजी के साथ बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिये रिकार्ड 91 रन जोड़े। जीत की ओर बढ़ रही अमेरिका को 19वें ओवर में रबाड़ा ने हरमीत सिंह को आउट कर बड़ा झटका दिया। हरमीत सिंह ने 22 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुये 38 रन बनाये। ऐंड्रियस गौस 47 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाये। जसदीप सिंह दो रन बनाकर नाबाद रहे। अमेरिका की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन ही बना सकी और मुकाबला 18 रनों से हार गई।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज, एनरिक नोर्त्जे और तबरेज शम्सी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में अमेरिका के कप्तान ऐरन जोंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में रीजा हेंड्रिक्स (11) का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान एडन मारक्रम और क्विंटन डिकॉक ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 110 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में हरमीत सिंह ने क्विंटन डिकॉक (74) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। क्विंटन डिकॉक ने अपनी पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाये। इसके बाद हरमीत ने अगली ही गेंद पर डेविड मिलर (शून्य) को पवेलियन भेज दिया। 15वें ओवर में सौरभ नेत्रवलकर ने एडन मारक्रम (46) को आउट किया। मारक्रम ने अपनी पारी में पांच चौके एक और छक्का लगाया। हाइनरिक क्लासन (36) और ट्रिस्टन स्टब्स (20) रन बनाकर नाबाद रहे।

पांड्या और ऋषभ का फार्म में होना टीम के लिए फायदेमंद : हरभजन

फ्लोरिडा, 19 जून (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और विकेटकीपर के अलावा बल्लेबाज ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर शानदार प्रदर्शन टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। पांड्या ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उबर कर वापसी की है। वहीं ऋषभ ने कार हादसे के बाद पहले ही अंतरराट्रीय टूर्नामेंट में पुरानी लय हासिल कर ली है। इसी कारण भारतीय टीम आसानी से सुपर आठ में पहुंच गयी है।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि पांड्या विकेट ले रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्व कप से पहले आईपीएल में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की। वहीं ऋषभ ने इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए बेहद कठिन पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से अंतर पैदा किया है। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे पर अब वह संभव नहीं लग रहा है। हरभजन ने कहा, 'ऋषभ को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है। भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है पर चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो निडर होते हैं।

एनआरएआई ने ओलंपिक के लिए भारतीय शॉटगन टीम घोषित की, तोंडाइमन करेंगे अगुआई

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए पांच सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम घोषित कर दी है। सीनियर ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज तोंडाइमन ने खेलों में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्तक तक आयोजित किया जाएगा।

तोंडाइमन ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में जगह बनाई है, जबकि राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में निशाना साधेंगी। अनंतजीत सिंह नरुका भारत के एकमात्र पुरुष स्कीट निशानेबाज होंगे, जबकि रायजा ढिल्लों और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में उन पांच कोटा स्थानों को पूरा करेंगी जो शॉटगन टीम ने क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान हासिल किए थे। महेश्वरी और अनंतजीत स्कीट मिक्स्ड टीम स्पर्धा में एकमात्र भारतीय जोड़ी के रूप में भी भाग लेंगे। यह स्पर्धा पेरिस खेलों में पहली बार हो रही है। भारत के पांचों शॉटगन निशानेबाज अपने पहले ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एनआरएआई महासचिव को पदक आने की उम्मीद

एनआरएआई के महासचिव के सुल्तान सिंह ने कहा, स्थानों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और हाल ही में संपन्न लोनाटो विश्व कप में कुछ निशानेबाजों के पदक जीतने की स्थिति में चीजें बदल सकती थीं, लेकिन हमारा मानना है कि हमारे पास एक बेहतरीन शॉटगन टीम है जिसने किसी भी खेल में भारत के लिए अब तक के सर्वोच्च कोटा स्थान जीते हैं और निश्चित रूप से इस स्पर्धा में दूसरा ओलंपिक पदक एक मजबूत संभावना है। महिला ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह के नाम को भी चयन समिति ने मंजूरी दे दी है और एनआरएआई ने कोटा स्वैप के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) को पत्र लिखा है। एनआरएआई ने साथ ही कहा कि इस स्थिति में आईएसएसएफ से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही उनका नाम आगे भेजा जा सकता है।

सुपर आठ में भारत को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर स्टोइनिस से रहेगा खतरा

सेंट लूसिया, 19 जून (एजेंसियां)।

आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ में 24 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला होगा। इसमें भारतीय टीम को ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस से सावधान रहना होगा। स्टोइनिस ने इससे पहले आईपीएल में भी कई मैच विजेता पारी खेलते हुए अपनी टीमों को जीत दिलायी थी। इस विश्वकप में भी स्टोइनिस ने अब तक खेले गये 4 मैचों में 78.00 के औसत और 190.24 के स्ट्राइक रेट से 156 बनाने बनाये हैं।

इसके अलावा गेंदबाजी में 8.66 के औसत और 5.77 की इकोनॉमी से 6 विकेट भी लिए हैं। ये प्रदर्शन सभी अन्य खिलाड़ियों से बेहतर है। स्टोइनिस के इस प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगातार जीत मिली है। इस दौरान चार में से दो मैचों में वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। टीम के हर मैच में उन्होंने गेंद या बल्ले या फिर दोनों से ही अच्छा प्रदर्शन किया। ओमान के खिलाफ मैच में स्टोइनिस ने 36 गेंदों पर 2 चौकों और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 67 रन बनाने के अलावा से 19 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में उन्होंने 17 गेंदों पर 30 रन बनाने के अलावा 24 रन देकर 1 विकेट लिया। नामीबिया के खिलाफ स्टोइनिस को बल्लेबाजी का अवसर तो नहीं मिला पर उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लेते हुए गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में स्टोइनिस ने 29 गेंदों पर तेजी से खेलते हुए 59 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को सुपरआठ में स्थान मिला। स्टोइनिस के अलावा केवल वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ही गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। रसेल ने 3 मैचों में दो बार नाबाद रहते हुए 59 के औसत और 178.78 के स्ट्राइक रेट से 59 रन बनाने के अलावा 13.25 के औसत से चार विकेट लिए हैं। वहीं इसी प्रकार शाकिब ने 4 मैचों में 30.66 के औसत और 106.97 के स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाने के अलावा 37.00 के औसत से दो विकेट लिए हैं। नामीबिया के गेरहार्ड इरामस ने 34 के औसत से चार मैचों में 102 रन बनाने के अलावा 20.25 के औसत से चार विकेट लिए हैं। वहीं अन्य ऑलराउंडर किसी एक क्षेत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। सुपर 8 राउंड से टूर्नामेंट के सभी मैच वेस्टइंडीज में होंगे। अमेरिका की तुलना में वहां के विकेट अच्छे हैं। इससे बल्लेबाजों की मुश्किल कुछ कम होगी और ऑलराउंडर्स को भी अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा। स्टोइनिस लक्ष्य का पीछा करने के मामले में भी काफी अच्छे हैं।

भारत का बुनियादी ढांचा आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा, गौतम अडाणी ने किया ये बड़ा ऐलान

नई दिल्ली,19 जून (एजेंसियां)। अदाणी समूह हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए ऊर्जा हस्तांतरण परियोजनाओं और विनिर्माण क्षमता में 100 अरब डॉलर (लगभग 835 करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश करेगा। समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने क्रिसिल के एक कार्यक्रम में यह एलान किया। गौतम अदाणी ने बताया कि सूरज की रोशनी और पवन चक्की से बिजली का उत्पादन करने के लिए सौर पार्कों व विंड फार्म्स के निर्माण के अलावा समूह हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा टरबाइन और सौर पैनल बनाने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर बनाने से जुड़े प्रमुख सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलाइज़र की मदद से पानी से हाइड्रोजन को विभाजित करके बनाया जाता है, को उद्योग के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र को डीकार्बोनाइज़ करनेकी दिशा में संभावित रामबाण के रूप में देखा जाता है। क्रिसिल के इंफ्रास्ट्रक्चर- द कैटेलिस्ट फॉर इंडियाज फ्यूचर कार्यक्रम में अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि ऊर्जा संक्रमण और डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर के अवसर हैं, जो भारत को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदल देंगे। गौतम अदाणी ने कहा अगले दशक में हम एनर्जी ट्रांजिशन (ऊर्जा हस्तांतरण) के क्षेत्र में 100 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे और हमारी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य शृंखला का और विस्तार करेंगे। समूह पहले से ही हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक हर प्रमुख घटक के निर्माण का विस्तार करता है।

अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने क्रिसिल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां भारत का बुनियादी ढांचा उद्योग एक आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसके प्रभाव को हम पूरी तरह से तब समझ पाएंगे जब हम एक दशक पीछे देखेंगे। हमने एक बुनियादी ढांचा पूंजीगत व्यय चक्र शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। इसके जरिए भारत के कई दशकों के विकास की नींव रखी गई। यह शासन की गुणवत्ता के साथ शुरू हुआ, इसलिए विश्व स्तर पर बहुत कम क्षेत्र सरकारी नीति के साथ इतने मजबूती से जुड़े हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

हुण्डई मोटर कंपनी कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। हुण्डई मोटर कंपनी अपने कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर विचार कर रही है। इससे उत्साहित होकर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने भारतीय कारोबार को स्टॉक एक्सचेंज पर लाने की सोच रही हैं। सूत्रों ने कहा कि करीब आधा दर्जन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ उनकी बातचीत चल रही है। वे अपनी कीमत बढ़ाने और रकम जुटाने में मूल कंपनी की मदद करने के लिए भारत में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि किन कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है लेकिन संकेत दिया कि हुण्डई की इस पहल पर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां नजर जमाए हुए हैं। हुण्डई इंडिया के शुरुआती आईपीओ के लिए काम करने वाले एक निवेश बैंकर ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि आईपीओ के लिए कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ बातचीत हुई है। भारतीय बाजार अधिक मूल्यांकन, जबरदस्त नकदी प्रवाह और सभी प्रकार के निवेशकों तक पहुंच प्रदान करते हैं। हुण्डई का आईपीओ अन्य संभावित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आईपीओ के लिए एक कसौटी साबित होगा। हुण्डई मोटर कंपनी ने पिछले सप्ताह अपनी भारतीय इकाई हुण्डई मोटर इंडिया में 17.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम दस्तावेज जमा कराए थे। कंपनी का आईपीओ 25,000 करोड़ रुपए का होगा जो भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। खबरों में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया की प्रमुख होम अप्लायंस कंपनी एलजी भी अपनी भारतीय इकाई एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को सूचीबद्ध कराने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत में कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रूस की कंपनी नयारा एनर्जी, सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर शामिल हैं। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि पांच लाख करोड़ डॉलर के भारतीय बाजार में पेशकश किया गया मूल्यांकन कोरिया, रूस और यूरोप के मुकाबले करीब दो से पांच गुना अधिक है। सेंट्रम कैपिटल के पार्टनर ने कहा कि आम तौर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियां और विशेष रूप से पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने घरेलू बाजार के बाहर सूचीबद्ध होना नहीं चाहती हैं। लेकिन भारत में ज्यादा मूल्यांकन के मद्देनजर वे इस पर नए सिरे से विचार कर रही हैं।

भारतीय मसालों की दीवानी हुई दुनिया, रिकॉर्ड मात्रा में हुआ निर्यात, चीन और बांग्लादेश ने खरीदी बंपर लाल मिर्च

नई दिल्ली । भारतीय मसालों और उनके उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर रिकॉर्ड 4.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मसाला बोर्ड के जारी आंकड़ों से पता चला है कि निर्यात होने वाले मसालों की मात्रा और कीमतों, खासकर लाल मिर्च, इलायची और हल्दी, में बढ़ोतरी के कारण निर्यात से प्राप्त आय बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में देश से 15,39,692 टन मसालों का निर्यात हुआ था इसकी कीमत 36,958.80 करोड़ रुपये (4.46 अरब डॉलर) है। लाल मिर्च का निर्यात रिकॉर्ड 1.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो वित्त वर्ष 2022-23 के 1.3 अरब डॉलर से 15 प्रतिशत ज्यादा है। यह देश के कुल मसाला निर्यात का 34 प्रतिशत है। इसकी सबसे ज्यादा मांग चीन और बांग्लादेश से आई। मात्रा के आधार पर भी लाल मिर्च का निर्यात 5.24 लाख टन से 15 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 6.01 लाख टन पर पहुंच गया।

गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में

नई दिल्ली । गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में एंड्रॉयड स्मार्टफोन का उपयोग करने वालों के लिए ऐप के रूप में उपलब्ध है, जो अंग्रेजी, हिंदी और आठ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करता है। जेमिनी गूगल एआई द्वारा विकसित जनरेटिव कृत्रिम मेधा वाला चैटबॉट है। इसे पहले बार्ड के नाम से जाना जाता था। जेमिनी एक्सपीरियंस के एक इंजीनियरिंग के ब्लॉग अनुसार आईफोन का उपयोग करने वालों के लिए जेमिनी तक पहुंच अगले कुछ हफ्तों में गूगल ऐप के जरिए शुरू की जाएगी। उन्होंने लिखा कि गूगल की आपकी एआई सहायक जेमिनी का भारत में पहला वर्ष रोमांचक रहा है। छात्रों से लेकर डेवलपर्स और कई अन्य जिज्ञासु लोगों तक भारत में लोग हर रोज अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए जेमिनी को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, भारत में जेमिनी एडवांस्ड के उपयोगकर्ता अब गूगल के नवीनतम अगली पीढ़ी के एआई (कृत्रिम मेधा) मॉडल, जेमिनी 1.5 प्रो की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दुष्प्रचार के...

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वजह से भारत में आम चुनावों पर वैश्विक मीडिया की नजर रही और नरेंद्र मोदी को किसी तरह सत्ता तक नहीं पहुंचने देने का कुचक्र रचा गया।

डिसइंफो लैब का कहना है कि जब करोड़ों भारतीय आम चुनाव के दौरान अपना भविष्य तय कर रहे थे। इस दौरान वैश्विक मीडिया का एक वर्ग मतदाताओं के निर्णयों को प्रभावित करने के लिए एक भयानक साजिश की योजना तैयार रहा था। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए सुव्यवस्थित तरीके से वित्तपोषण यानी पैसों की व्यवस्था भी की गई। इसमें सिर्फ विदेशी ही नहीं बल्कि भारतीय मीडिया भी शामिल था। अलग-अलग तरीके से भारत में आम चुनावों को प्रभावित करने की कोशिशें कीं गईं।

डिसइंफो लैब ने अपनी खोज में दावा किया है कि कुछ मीडिया संस्थानों के लेखों और विजुअल कार्यक्रमों में अलग तरह का पैटर्न देखने को मिला। इस अलग पैटर्न की अंदरूनी खोजबीन से पता चला कि यह सुनियोजित षडयंत्र के तहत किया गया। डिसइंफो लैब की रिपोर्ट में इस बात पर हैरानी जताई गई है कि इस दौरान एक विशेष तरह के आख्यान को आकार देने की कोशिश कर मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश की गई। डिसइंफो लैब का दावा है कि फ्रांस का समाचार पत्र ले-मोंडे ऐसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा। फ्रांस के राजनीतिक विशेषज्ञ क्रिस्टोफ जॉफरलेट इन गतिविधियों के केंद्र बिंदु में रहे। भारत में आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए जॉफरलेट के बयानों को आधार बनाया गया। डिसइंफो लैब ने दावा किया है कि इस खेल में सिर्फ जॉफरलेट ही अकेले खिलाड़ी नहीं थे, बल्कि विदेश और भारत के कई पत्रकार इस कुचक्र में शामिल थे।

डिसइंफो लैब ने अपनी रिपोर्ट में हेनरी लुइस फाउंडेशन (एचएलएफ) और जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) का जिक्र किया है। एचएलएफ और ओएसएफ द्वारा भारत में आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए भारी फंडिंग की गई। रिपोर्ट में जिन समूहों और व्यक्तियों का नाम उजागर किया गया है, वे फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, कुछ खाड़ी देशों और कुछ एशियाई देशों से संचालित किए गए हैं। रिपोर्ट में कुछ और भी बड़े आरोप लगाए गए हैं।

डिसइंफो लैब का दावा है कि फ्रांस के कई मीडिया संस्थानों ने भारत में आम चुनाव में हस्तक्षेप के लिए कई तरह के लेख प्रसारित किए। इनमे ले मोंडे के अलावा वाई ले सोइर, ला क्रॉइक्स (इंटरनेशनल), ले टेम्प्स, रिपोर्टेरी और रेडियो फ्रांस इंटरनेशनल (आरएफआई) जैसे संस्थान शामिल हैं। इन सभी को भारतीय चुनाव में आम जनता की राय को अलग आकार देने के लिए निर्देशित किया गया। दावा किया गया है कि इन सभी मीडिया संस्थानों का नेतृत्व ले मोंडे ने किया। भारतीय मीडिया के कुछ खास पत्रकार उन विदेशी मीडिया संस्थानों और मीडिया हस्तियों की बातों को भारत में उठाते रहे और धन पाते रहे।

डिसइंफो लैब का दावा है कि ले मोंडे ने आम चुनाव के मद्देनजर भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया (इस्लाम के नाम पर डराने की कोशिश) और मुस्लिमों के बदनाम करने जैसे विषयों पर विभिन्न लेख प्रकाशित किए और विजुअल कार्यक्रम प्रसारित किए। भारत के कुछ पत्रकार उन सामग्रियों को हूबहू अपने नाम और चेहरे के साथ भारत में पेश करते रहे। क्रिस्टोफ जॉफरलेट के लेखों को सिर्फ फ्रांस ही नहीं बल्कि भारत के कई मीडिया संस्थानों में भी प्रकाशित किया गया। डिसइंफो लैब ने अपनी रिपोर्ट को क्रिस्टोफर जॉफरलेट को सामान्य स्रोत (द कॉमन सोर्स) नाम दिया है।

डिसइंफो लैब की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके एवज में क्रिस्टोफ जॉफरलेट को अमेरिका के हेनरी लुइस फाउंडेशन (एचएलएफ) ने अत्यधिक धनराशि दी थी। डिसइंफो लैब के अनुसार जॉफरलेट को हिंदू बहुसंख्यकवाद के शिकार मुस्लिम नाम से व्यापक दुष्प्रचार योजना चलाने के लिए 3.85 लाख डॉलर की धनराशि दी गई।

डिसइंफों ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि क्रिस्टोफ और उनके सहयोगी गाइल्स वर्नियर्स ने अशोक विश्वविद्यालय में त्रिवेदी सेंटर फॉर पॉलिटिकल डेटा (टीसीपीडी) के माध्यम से मुस्लिमों और निचली जातियों के बीज भाजपा विरोधी नैरेटिव को जबरदस्त बढ़ावा दिया। इस बात पर जोर दिया गया कि भाजपा की साजिश से भारत की राजनीति में निचली जातियों का कम प्रतिनिधित्व है।

डिसइंफो लैब मे दावा किया है कि एचएलएफ ने वर्ष 2020 से लेकर वर्ष 2024 तक भारत विरोधी एजेंडा चलाने के लिए कुछ और भी संस्थानों को धनराशि मुहैया कराई। डिसइंफो ने अपनी रिपोर्ट में बर्कले सेंटर फॉर रिलिजन, पीस एंड वर्ल्ड अफेयर्स का भी नाम उजागर किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 3.46 लाख डॉलर की आर्थिक सहायता मिली। इसके बाद बर्कले संस्थान ने हिंदू अधिकार और भारत की धार्मिक कूटनीति पर एक रिपोर्ट तैयार की और उसे भारत में प्रकाशित और प्रसारित कराया।

डिसइंफो की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएलएफ ने सीईआईपी यानी कार्नेगी इडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस को सत्तावादी दमन, हिंदू राष्ट्रवाद और बढ़ते हिंदुओं पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए 1.20 लाख डॉलर की धनराशि दी गई। डिसइंफो के अनुसार सीईआईपी को इसके बाद एक और रिपोर्ट तैयार करने के लिए 40 हजार डॉलर की धनराशि दी गई। आरोप है कि यह धनराशि वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सत्ता में भाजपा: भारतीय लोकतंत्र और धार्मिक राष्ट्रवाद पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए दी गई थी। उस लेख पर भी भारत में व्यापक प्रकाशन और प्रसारण कराया गया और इसके लिए मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को पैसा दिया गया।

डिसइंफो की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएलएफ ने ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) रो एशिया में हिंसा पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीन लाख डॉलर की धनराशि दी गई। एचआरडब्ल्यू ने अपनी रिपोर्ट में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का नहीं बल्कि भारत का नाम लिया। ऑड्रे ट्रुश्के की संस्था साउथ एशिया एक्टिविस्ट कलेक्टिव (एसएएसएसी) को एचएलएफ ने हिंदू राष्ट्रवाद पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी भारी धनराशि दी थी।

आग की...

नालंदा की यह धरती विश्वबंधुत्व की भावना को नया आयाम दे सकती है। आने वाले 25 साल भारत के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। नालंदा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आने वाले दिन महत्वपूर्ण हैं। आप अपने ज्ञान को समाज को एक सकारात्मक बदलाव के लिए प्रयोग करिए। अपने ज्ञान से बेहतर भविष्य का निर्माण कीजिए। नालंदा का गौरव भारत का गौरव है। आपके ज्ञान से पूरी मानवता नई दिशा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा आने वाले समय में पूरे विश्व को नेतृत्व देंगे।

आप देखिए दो दिन बाद ही 21 जून को विश्व योग दिवस है। आज भारत में योग की सैकड़ों विधाएं मौजूद हैं। हमारे ऋषियों इतना गहन शोध किया आज पूरा विश्व योग को मना रहा है। आज आयुर्वेद को स्वस्थ जीवन के रूप में देखा जा रहा है। हम प्रगति और पर्यावरण को एक साथ लेकर चले। भारत ने विश्व को मिशन लाइफ जैसा विजन दिया। पीएम ने कहा कि मेरा मिशन है कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा अभियान का केंद्र बने। भारत की पहचान फिर से दुनिया के ज्ञान के केंद्र के रूप में हो।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि नालंदा का अर्थ है कि जहां शिक्षा और ज्ञान के दाह का अविरल प्रवाह हो। शिक्षा सीमाओं से परे है। नफा-नुकसान के नजरियों से भी परे है। शिक्षा ही हमें गढ़ती है। उसे विचार और आकार देती है। नालंदा में बच्चों का एडमिशन उनकी पहचान और उनकी राष्ट्रीयता को देखकर नहीं होता था। नालंदा में 20 से ज्यादा देशों लोग पढ़ते थे। नालंदा विश्वविद्यालय आसियान इंडिया विश्वविद्यालय की दिशा में भी काम कर रही है। 21वीं सदी को एशिया की सदी कहा जा रहा है। हमारा साझा प्रयास दुनिया की नई प्रगति को दिशा देगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, तीसरे पीएम की शपथ लेने के 10 दिन के अंदर यहां आने का मुझे सौभाग्य मिला है। नालंदा विश्वविद्यालय हमारी पहचान है। पुस्तकें भले जल जाए लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा पाई। इसकी फिर से स्थापना भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रहा है। यह भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा। पीएम मोदी ने कहा कि नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें एशिया के कई देशों की विरासत जुड़ी हुई है। इस कार्यक्रम में उपस्थित मेरे मित्र देशों के प्रतिनिधियों का मैं अभिनंदन करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें विश्व के, एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई है। नालंदा यूनिवर्सिटी के पुनर्निर्माण में हमारे साथी देशों की भागीदारी भी रही है। मैं इस अवसर पर भारत के सभी मित्र देशों का अभिनंदन करता हूँ। अपने प्राचीन अवशेषों के समीप नालंदा का नवजागरण। ये नया कैंपस, विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा। जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं, वो राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अरविंद पनगढ़िया भी मौजूद रहे। इसके साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापना में अहम योगदान देने वाले कुल 17 देशों के राजदूत भी शामिल हुए, तो नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे कई देशों के छात्र-छात्राएं भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

नालंदा जाग्रत स्थल है, मोदी जी आप आए, बहुत अच्छा हुआ

नालंदा, 19 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, यह अत्यंत खुशी की बात है कि नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के करकमलों से किया जा रहा है। पुराने नालंदा विश्वविद्यालय में देश के ही नहीं दुनिया की अनेक जगह के लोग आकर पढ़ते थे लेकिन दुर्भाग्य से ये विश्वविद्यालय 1200 ईस्वी में नष्ट हो गया था। 2005 से हम लोगों को काम करने का मौका मिला तब से हमने बिहार के विकास का काम शुरू किया। 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम बिहार आए थे और उन्होंने अपने संबोधन में नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने की बात की थी।

नीतीश ने कहा, नालंदा बहुत पौराणित और जाग्रत स्थान है, प्रधानमंत्री जी को भी यहां आकर अच्छा लग रहा होगा। राजगीर दुनिया के पांच धर्मों का संगम स्थल है। सिख धर्म के गुरु नानकदेव भी यहां आए थे। मुस्लिम धर्म के महान संत मखदूम साहब को राजगीर में ही ज्ञान प्राप्त हुआ। हिंदू धर्म का मलमास मेला का आयोजन हर तीसरे वर्ष किया जाता है। मान्यता है कि उस वक्त 33 करोड़ देवी-देवता यहीं रहते हैं। यहां गर्म पानी का कुंड है। लाखों लोग यहां नहाने आते हैं। मैं तो बचपन से यहां आता रहा हूं। पीएम मोदी से उन्होंने कहा कि आप आ गए हैं तो बहुत अच्छा हुआ। आपको बहुत अच्छा लगेगा। करोड़ों वर्ष पुराने पहाड़ और जंगल हैं। इनमें जड़ी-बूटियों का भंडार है। एक से एक दवा यहां से निकलती है। इतना ज्यादा राजगीर का महत्व है। बड़े पैमाने पर ईको टूरिज्म का विकास किया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि आप पहली बार यहां आए। पुराने विश्वविद्यालय के खंडहर आज भी जस का तस है। नालंदा विश्वविद्यालय की पहचान ज्ञान के केंद्र में रही। पहले यहां 15 हजार छात्र पढ़ते थे। देश और दुनिया के अनेक जगह के लोग आकर पढ़ते थे। चीन, जापान, श्रीलंका समेत अन्य कई देशों के लोग आकर यहां पढ़ते थे। 12वीं सदी में यह नष्ट हो गया था।

मार्च 2005 तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने की बात कही थी। हालांकि बाद में वह इनकार कर गए थे लेकिन जब वह विधान मंडल आए थे तो उन्होंने यह बात कही थी कि नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करना चाहिए। नए नालंदा विश्वविद्यालय को इंटरनेशनल स्तर का बनाना था इसलिए हमलोगों केंद्र सरकार से बात की लेकिन उस समय मदद नहीं मिला। इसके बाद हमलोगों नया कानून ही बना दिया। फिर राज्य सरकार ने नए विश्वविद्यालय के लिए 455 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया। इन सब चीजों को बताना जरूरी है। ताकि लोग पुरानी बात भी जान सकें कि कैसे क्या बना।

ऐबी ऐबक ने जलाया...

आज यह नालंदा खंडहर के रूप में जाना जाता है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।नालंदा विश्वविद्यालय की नींव गुप्त राजवंश के कुमार गुप्त प्रथम ने रखी थी। पांचवीं सदी में बने प्राचीन विश्वविद्यालय में करीब 10 हजार छात्र पढ़ते थे, जिनके लिए 1500 अध्यापक हुआ करते थे. छात्रों में अधिकांश एशियाई देशों चीन, कोरिया और जापान से आने वाले बौद्ध भिक्षु होते थे।

इतिहासकारों के मुताबिक, चीनी भिक्षु ह्वेनसांग ने भी सातवीं सदी में नालंदा में शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने अपनी किताबों में नालंदा विश्वविद्यालय की भव्यता का जिक्र किया है। यह ज्ञान और बुद्धिमत्ता के प्रसार की दिशा में प्राचीन भारत के योगदान का गवाह है। पूरी दुनिया से छात्र ज्ञान पाने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय आते थे। लंदन की प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से भी 500 से भी ज्यादा वर्षों पहले भारत के बिहार में मौजूद नालंदा विश्वविद्यालय ज्ञान पाने का सिरमौर संस्थान था। नालंदा विश्वविद्यालय एक समय 90 लाख किताबों का घर था और दुनियाभर से करीब 10 हजार छात्र नालंदा में पढ़ने आते थे।

नालंदा विश्वविद्यालय में साहित्य, खगोलशास्त्र, मनोविज्ञान, कानून, विज्ञान, दर्शनशास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, चिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद, योग जैसे विषयों की पढ़ाई कराई जाती थी। चीन के ह्वेनसांग और इतसिंग जैसे विद्वानों ने भी भारत आने के बाद नालंदा विश्वविद्यालय का गुणगान किया था और इसे विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय करार दिया था। नालंदा विश्वविद्यालय स्थापत्य कला का भी अद्भुत नमूना है। यहां 300 से ज्यादा कमरे थे और सात बड़े हॉल थे। नालंदा में नौ मंजिला लाइब्रेरी थी और माना जाता है कि इस लाइब्रेरी में 90 लाख से ज्यादा किताबें मौजूद थीं।

नालंदा में प्रवेश पाना बेहद कठिन था। यहां पढ़ाई के इच्छुक छात्रों को नालंदा के शीर्ष प्रोफेसरों के साथ मुश्किल मौखिक साक्षात्कार में शामिल होना पड़ता था और अपने ज्ञान का प्रमाण देना पड़ता था। जो लोग भाग्यशाली रहे, उन्हें भारत के प्रतिष्ठित विद्वानों और बौद्ध गुरुओं जैसे धर्मपाल और सीलभद्र आदि द्वारा पढ़ाया गया। पुस्तकालय की 90 लाख हस्तलिखित, ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियाँ दुनिया में बौद्ध ज्ञान का सबसे समृद्ध भंडार थीं। उन ताड़ के पत्तों की पुस्तकों और चित्रित लकड़ी के पन्नों में से केवल मुट्ठी भर ही आग से बच पाए, जिन्हें भागते हुए भिक्षुओं ने अपने साथ ले लिया था। एक बार दलाई लामा ने भी कहा था कि हमारे पास जो भी ज्ञान है, उसका स्रोत नालंदा से आया है।

भारतीय गणित के जनक माने जाने वाले आर्यभट्ट के बारे में अनुमान लगाया जाता है कि उन्होंने छठी शताब्दी ईस्वी में विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया था। आर्यभट्ट ने ही दुनिया को शून्य से परिचित कराया और शून्य को अंक के रूप में मान्यता दी, जो एक क्रांतिकारी अवधारणा थी। इस शून्य ने गणितीय गणनाओं को सरल बनाया और बीजगणित जैसे अधिक जटिल विषयों को विकसित करने में मदद की। शून्य के बिना, हमारे पास कंप्यूटर नहीं होते। यही वजह है कि दुनिया को बदलने में नालंदा की भूमिका बेहद अहम रही। आर्यभट्ट की खोज ने ही दक्षिण भारत और पूरे अरब प्रायद्वीप में गणित और खगोल विज्ञान के विकास बढ़ावा दिया। बौद्ध शिक्षाओं और दर्शन को पूरे एशिया में फैलाने में भी नालंदा की अहम भूमिका रही।आधुनिक नालंदा विश्वविद्यालय ने 2014 में 14 छात्रों के साथ एक अस्थायी स्थान से परिचालन शुरू किया। नए परिसर का निर्माण 2017 में शुरू हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय को ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, चीन, इंडोनेशिया और थाईलैंड सहित 17 अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को 137 छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। 2022-24 और 2023-25 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और 2023-27 के पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, घाना, केन्या, नेपाल, नाइजीरिया, श्रीलंका, अमेरिका और जिम्बाब्वे के छात्र शामिल हैं। नालंदा विश्वविद्यालय कैम्पस में 40 कक्षाओं वाले दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं, जिनकी कुल बैठने की क्षमता लगभग 1900 है। इसमें 300 सीटों की क्षमता वाले दो सभागार हैं। इसमें लगभग 550 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्र छात्रावास है। इसमें अंतरराष्ट्रीय केंद्र, 2000 व्यक्तियों तक की क्षमता वाला एम्फीथिएटर, फैकल्टी क्लब और खेल परिसर सहित कई अन्य सुविधाएं भी हैं। यह परिसर एक नेट जीरो ग्रीन कैंपस है। नालंदा विश्वविद्यालय यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

कर्नाटक...

वह राज्य की आम जनता को अब नए कर और बढ़े करों से लादना चाह रही है। साथ ही वह कमाई के नए जुगाड़ भी तलाश कर रही है।कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की यह गारंटियां बजट का एक बड़ा हिस्सा ले जा रही हैं। इससे बाकी के विकास कामों के लिए पैसा नहीं बच रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में इन पांच चुनावी गारंटियों पर 39,825 करोड़ का खर्चा किया गया था। यह कर्नाटक के 2023-24 के बजट का लगभग 17 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2024-25 में गारंटियों का यह खर्चा और बढ़ गया है। 2023-24 के मुकाबले इसमें लगभग एक तिहाई की वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट में कर्नाटक ने इन पांच चुनावी गारंटियों पर 52,000 करोड़ खर्च करने की योजना बनाई है। राज्य की कई अन्य योजनाओं का असर इस खर्च के कारण पड़ रहा है। कांग्रेस सरकार ने जुलाई 2023 में राज्य के एससी-एसटी समुदाय के कल्याण के लिए खर्च किए जाने वाले 11,000 करोड़ को भी इन गारंटियों के लिए उपयोग करने का फैसला लिया था, जिसके कारण इसकी काफी आलोचना हुई थी।

जुलाई 2023 में ही कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी अपने विधायकों से स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें कोई भी फंड नहीं दिए जाएंगे और पूरा फोकस गारंटियों को पूरा करने पर लगाया जाएगा। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया है कि वह राज्य के विकास का सारा पैसा अपने चुनावी वादे पूरे करने में फूंक रही है जिससे राज्य पिछड़ रहा है।कांग्रेस सरकार अब अपना खजाना भरने के लिए लगातार जनता पर नए बोझ लाद रही है। राज्य सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए थे। कांग्रेस सरकार ने राज्य में पेट्रोल और डीजल पर सेल्स टैक्स बढ़ाया था। इसके अंतर्गत पेट्रोल और डीजल के दाम राज्य क्रमशः तीन रुपए और साढ़े तीन रुपए बढ़ गए थे। इसको लेकर कांग्रेस सरकार की खूब आलोचना हुई थी। यह निर्णय लोकसभा चुनाव के आने के तुरंत बाद लिया गया था।पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाने से भी कांग्रेस सरकार का खजाना पूरा नहीं पड़ रहा है। अब कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि बेंगलुरु में पानी आपूर्ति के दाम बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि पानी की कीमतें बढ़ाना जरूरी है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार का दावा है कि बेंगलुरु का जल आपूर्ति विभाग अपना बिजली का बिल और कर्मचारियों की तन्ख्वाह तक नहीं दे पा रहा है। कावेरी नदी से पानी लेने वाले बाशिंदों के लिए पानी की कीमतें 40 प्रतिशत बढ़ाए जाने की तैयारी है।पानी के अलावा कर्नाटक में बसों का किराया बढ़ाए जाने पर विचार कांग्रेस सरकार विचार कर रही है। सोमवार 17 जून को हुई एक बैठक में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने राज्य में बसों का किराया बढ़ाने पर चर्चा की। बसों का किराया बढ़ाने के समर्थन में तर्क दिया गया कि यह लम्बे समय से अटका हुआ है और इसे 2015 में बढ़ाया गया था। सिद्दारमैया ने इसके अलावा पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाए जाने के निर्णय का भी बचाव किया।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अपनी कमाई बढ़ाने के लिए नई जुगत भिड़ाई है। कांग्रेस सरकार ने राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने और राजस्व बढ़ाने पर सुझाव देने के लिए एक अमेरिकी कम्पनी बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) को काम पर लगाया है। यह कंसल्टिंग कम्पनी अब राज्य सरकार को बताएगी कि वह अपना खजाना कैसे बढ़ा सकती है। यह निर्णय चुनावी गारंटियों के बढ़ते खर्चे के बीच लिया गया है।गौरतलब है कि भाजपा सरकारी खजाने पर विपरीत असर डालने वाली ऐसी योजनाओं का विरोध करती आई है। जबकि, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इन योजनाओं को चुनावी हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। हालिया लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने हर महिला को प्रतिमाह 8500 रुपए देने की बात कही थी।

रियासी के...

गिरफ्तार व्यक्ति एक प्रमुख आतंकी सहयोगी है जिसने हमले को अंजाम देने में आतंकियों की मदद की थी। मामले में आगे की पूछताछ और जांच जारी है।आला पुलिस अधिकारी ने बताया कि 9 जून को शिव खोड़ी से आ रही तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले से संबंधित एफआईआर संख्या- 31/2024 यू/एस 302/307 आईपीसी, 7/27 आर्म्स एक्ट 16/18/20 यूएपीए, पीएस-पौनी में एक सफलता हासिल की गई है। इसमें एक आतंकी सहयोगी पकड़ा गया, जिसकी पहचान हाकम दीन (40) पुत्र एमए खान निवासी बंधराही (सैदा नाल्हा), जिला राजौरी के रूप में हुई है। उसे जम्मू कश्मीर पुलिस ने रियासी में गिरफ्तार किया है। वह आतंकियों को शरण देने के साथ-साथ उन्हें भोजन और अन्य सामग्रियां मुहैया कराता था। वह आतंकियों के लिए गाइड का काम भी करता था। उसी ने आतंकियों को घटना स्थल तक पहुंचने में मदद की थी। गिरफ्तार शख्स आतंकवादियों का सक्रिय ओवर ग्राउंड वर्कर है, जिसने हमले को अंजाम देने में आतंकवादियों की मदद की थी।उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों आतंकियों ने रियासी जिले के रनसू इलाके से आ रही एक यात्री बस पर हमला किया था। हमले के कारण बस का चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पौनी के कांडा इलाके के पास एक गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना के कारण 10 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए।एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि रियासी आतंकी हमले से जुड़े जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है उसका नाम हाकम दीन है। उसकी उम्र 40 वर्ष है। यह व्यक्ति कई बार आतंकियों को शरण देने में शामिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 दिनों में रियासी पुलिस ने इस मामले से जुड़े करीब 150 लोगों को गिरफ्तार किया है, जब भी उन्हें तकनीकी साक्ष्य समेत कोई जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हाकम दीन के कब्जे से 6,000 रुपए की नकदी बरामद की है, जो आतंकवादियों ने उन्हें मुहैया कराई थी। कोई हथियार या गोला-बारूद बरामद नहीं हुआ है। एक सवाल के जवाब में शर्मा ने कहा कि मामले की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन तीनों आतंकवादी तीन बार हाकम दीन के घर पर रुके थे।

सुरक्षाबलों ने...

सेना व सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है। मंगलवार को सेना की क्यूआरटी वाहन सवार जवानों ने कस्बे के वीर भूमि पार्क के गेट के बाहर एक संदिग्ध बैग बरामद किया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बैग की जांच में सेना की वर्दी, टीशर्ट, एक पायजामा व एसएलआर का एक कारतूस मिला है। इसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

भारत में हर रोज...

रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में बसाने के लिए हिंदी-असमी जैसी भाषाओं का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। बोलने के लहजे के कारण वो पकड़े न जाएं, इसीलिए ऐसा किया जाता है। उक्त गिरोह प्रतिदिन 5-10 रोहिंग्या मुस्लिमों को भारत में घुसाता था। पहचान छिपाने के लिए घुसपैठियों का हुलिया तक बदल दिया जाता है। दिल्ली में ऐसे कई शिविर हैं, जहां रोहिंग्या रह रहे हैं। सिर्फ 2 वर्ष में भारत में रोहिंग्या मुस्लिमों की जनसंख्या दोगुनी हो गई है।केंद्र सरकार कह चुकी है कि देश में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए किसी कैम्प की व्यवस्था नहीं है। मुस्लिम बहुल जम्मू कश्मीर में इनकी संख्या 10,000 बताई जाती है। कई अपराधों में भी ये रोहिंग्या शामिल रहे हैं। शाहनबाग और जफराबाद में सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन में रोहिंग्याओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया था। भारत पहले से ही दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश भी है, ऊपर से आतंकवादी लगातार हमले की फिराक में रहते हैं। ऐसे में रोहिंग्या देश के लिए भीषण खतरा हैं।बांग्लादेश से त्रिपुरा 856 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। करीब एक साल में अकेले त्रिपुरा से 1018 घुसपैठिए पकड़े गए हैं। 2023 में त्रिपुरा से पकड़े गए 337 बांग्लादेशियों में 93 औरतें और 24 बच्चे थे। साल 2023 में बीएसएफ ने 744 घुसपैठिए पकड़े थे। 2022 में 369 घुसपैठिए धराए थे। इसी तरह 2021 में 208 घुसपैठिए दबोचे गए थे, जिनमें 93 बांग्लादेशी थे।

3 स्त्रियां गलती से भी न करें तुलसी की पूजा

घर में फैल जाती है दरिद्रता

हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि जिस घर में तुलसी का पौधा सही दिशा में होता है। उस घर में सदैव सुख समृद्धि वास करती है और बीमारियां कोसों दूर रहती है । तुलसी के पौधे को देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। हिन्दू धर्म में कोई भी धार्मिक अनुष्ठान बिना तुलसी के पूरा नहीं होता। ऐसा भी कहा जाता है, जिस भी घर में सुहागन महिलाएं प्रातः तुलसी में जल अर्पित करती है एवं संध्या के समय तुलसी के नीचे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करती है। उनके घर में देवी लक्ष्मी की कृपा सदैव ही बनी रहती है। तुलसी जी को भगवान श्री विष्णु ने सदा सुहागन रहने का वरदान दिया था । सौभाग्य प्राप्ति के लिए घर की महिलाओं को स्नान के पश्चात बालों को बांधकर मांग में सिंदूर भरकर और सर को ढक कर ही तुलसी में जल अर्पित करना चाहिए।

तुलसी पूजा किसे नहीं करनी चाहिए

चरित्र हीन और मन में गंदे विचार रखने वाली महिलाओं को भूल कर भी तुलसी की पूजा छोड़ तुलसी को कभी हाथ भी नहीं लगाना चाहिए। ऐसी महिलाओं की पूजा माता लक्ष्मी कभी स्वीकार नहीं करती।

अगर आपने हिन्दू रीति-रिवाजों के अनुसार सात फेरे नहीं लिए तो आप तुलसी के पास गलती से भी न जाए। बगैर सात फेरे लिए कोई भी महिला तुलसी पूजा नहीं कर सकती

लोक मान्यताओं के अनुसार मासिक धर्म के दौरान औरतें अपवित्र होती है और इसीलिए मासिक धर्म के दौरान तुलसी पूजा नहीं करनी चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इससे मां तुलसी भी अपवित्र होती है।

जो स्त्री नियमानुसार प्रतिदिन तुलसी की पूजा करती है, उसका सौभाग्य सदैव अखंड रहता है। प्रत्येक गुरुवार को शुद्ध जल में गंगा जल और कुछ बूँदें गाय के कच्चे दूध की मिलाकर तुलसी की जड़ को सींचने से घर में आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर में धन, संपदा, सुख, समृद्धि और वैभव की प्राप्ति भी होती।

नंदी बाबा के किस कान में मनोकामना कहने से होती है पूरी

नंदी के कान में क्यों कही जाती है मनोकामना? कौन से कान में मनोकामना कहने से पूरी होती है? नंदी के कान में मनोकामना कहने के क्या नियम हैं? ये ऐसे सवाल हैं जिसके बारे में करोड़ों लोग पढ़ना चाहते हैं, आपने देखा होगा जब भी कोई किसी शिव मंदिर जाता है तो पूजा अर्चना करने के बाद नंदी के कान में कुछ बड़बड़ाता है। हालांकि वो व्यक्ति उनके कान में क्या बोलता है ये तो सिर्फ वो दोनों ही जान पाते हैं। आपको बता दें कि नियम के मुताबिक ऐसा ही करना उचित माना जाता है। जहां भी शिव मंदिर होता है वहां नंदी की स्थापना जरूर होती है, क्योंकि नंदी भगवान शिव के परम भक्त और वाहन है। मनोकामना कहने के पीछे मान्यता है कि भगवान शिव तपस्वी हैं और वो हमेशा समाधि में रहते हैं। ऐसे में उनकी समाधि और तपस्या में कोई विघ्न ना आए इसलिए नंदी ही हमारी मनोकामना शिव जी तक पहुंचाते हैं। इसी मान्यता के चलते लोग नंदी को अपनी मनोकामना कहते हैं।

नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपकी कही हुई बात कोई और ना सुने। अपनी बात इतने धीमे कहें कि आपके पास खड़े व्यक्ति को भी उस बात का पता ना लगे।

बोलते समय अपने होंठों को हाथों से ढक लें ताकि कोई अन्य व्यक्ति उस बात को कहते हुए आपको ना देख सके।

आप कभी भी किसी दूसरे की बुराई दूसरे व्यक्ति का बुरा करने की बात ना कहें वरना शिवजी के क्रोध का भागी बनना पड़ेगा

नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहने से पूर्व नंदी का पूजन करें और मनोकामना कहने के बाद नंदी के समीप कुछ भेंट अवश्य रखें। ये भेंट धन या फलों के स्वरूप में हो सकती है।

नंदी के बाएं कान में ही अपनी इच्छा कहें। बाएं कान को देवी कान माना जाता है। देवी पार्वती भगवान शिव की अर्धांगिनी हैं और उनकी इच्छा भी भगवान शिव के लिए महत्वपूर्ण होती है। इसलिए, नंदी के बाएं कान में अपनी इच्छा कहने से देवी पार्वती तक भी आपकी बात पहुंच जाती है और वे आपकी इच्छा पूरी करने में भगवान शिव की सहायता करती हैं।

नंदी कौन थे ?

शिलाद नाम के एक मुनि थे जो ब्रह्मचारी थे। वंश समाप्त होता देख उनके पितरों ने उनसे संतान उत्पन करने को कहा। जिसके बाद शिलाद मुनि ने भगवान शिव को प्रसन्न कर उनसे मृत्युहीन संतान मांगी। भगवान शिव ने शिलाद मुनि को ये वरदान दे दिया। 1 दिन जब शिलाद मुनि भूमि जोत रहे थे, उन्हें एक बालक मिला। उसका नाम नंदी रखा। 1 दिन मित्रा और वरुण नाम के दो मुनि शिलाद के आश्रम आए। उन्होंने बताया की नंदी अल्प आयु है। ये सुनकर नंदी महादेव की आराधना करने लगे। प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और कहा कि तुम मेरे ही अंश हो, इसीलिए तुम्हें मृत्यु से भय कैसे हो सकता है? ऐसा कहकर भगवान शिव ने नंदी को अपना गणाधक बना लिया।

ज्येष्ठ पूर्णिमा कल

जानें धनवर्षा कराने वाले चमत्कारी उपाय

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करें। इस दिन व्रत रखें और दान करें। पीपल और बरगद के पेड़ों की पूजा करें। गाय को भोजन खिलाएं और धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मंत्रों का जाप करने से भी लाभ मिलता है। मान्यता है कि इस दिन स्नान, दान और पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन कुछ विशेष उपाय भी किए जाते हैं, ये उपाय क्या हैं और इससे आपको क्या लाभ मिलेगा आइए जानते हैं।

पूर्णिमा तिथि प्रारंभ: 21 जून 2024 (शुक्रवार), सुबह 06:01 बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्त: 22 जून 2024 (शनिवार), सुबह 05:07 बजे

स्नान का शुभ मुहूर्त

22 जून 2024 (शनिवार): सुबह 05:48 बजे से 07:31 बजे तक

पूजा का शुभ मुहूर्त

22 जून 2024 (शनिवार): सुबह 11:16 बजे से 12:49 बजे तक

व्रत का पारण

23 जून 2024 (रविवार): सुबह 08:07 बजे से 09:36 बजे तक

ज्येष्ठ पूर्णिमा पूजा विधि और उपाय

ज्येष्ठ पूर्णिमा का दिन विशेष रूप से शुभ माना जाता है और इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने से धन, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस दिन सफेद या हल्के रंग के वस्त्र धारण करें, क्योंकि यह शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है। प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें और अपने पूजा स्थान को भी स्वच्छ करें। लक्ष्मी माता की मूर्ति या चित्र स्थापित करें और उन्हें स्नान कराकर, वस्त्र अर्पित करें। इसके बाद उन्हें पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य (भोग) अर्पित करें।

श्रीसूक्त का पाठ करें, जो मां लक्ष्मी की स्तुति का विशेष मंत्र है। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। लक्ष्मी माता को कुंकुम और हल्दी का तिलक लगाएं और उनके चरणों में अर्पित करें। शुद्ध घी का दीपक जलाएं और लक्ष्मी माता की आरती करें। दीपक की रौशनी समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक मानी जाती है। इस दिन कुछ धन (रुपया, अन्न या वस्त्र) का दान करें। इससे आपके घर में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का 108 बार जप करें। यह मंत्र मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। लक्ष्मी मंत्रों का पाठ करें और उनसे घर में समृद्धि और शांति की कामना करें। लक्ष्मी माता को बिल्व पत्र अर्पित करें। यह उन्हें बहुत प्रिय होता है और इससे वे शीघ्र प्रसन्न होती हैं। संध्या के समय पुनः लक्ष्मी माता की पूजा करें और दीपक जलाकर उनकी आरती करें। इस समय शंख और घंटी बजाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इन उपायों को श्रद्धा और भक्ति के साथ करने से मां लक्ष्मी की कृपा अवश्य प्राप्त होती है और घर में धन-संपत्ति, सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

घी या तेल नहीं, हर शाम घर की चौखट पर इस खास तेल का जलाएं दीपक

शिव जी होंगे बेहद प्रसन्न!

सनातन धर्म में पूजा-पाठ के दौरान दीया जलाने का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य या फिर पूजा-पाठ, हवन आदि के दौरान दीया अवश्य जलाया जाता है। माना जाता है कि दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। धर्म शास्त्रों में भी शाम के समय दीया जलाने का खास महत्व बताया गया है। शाम के समय यानि कि संध्याकाल के वक्त दीप जलाने से घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस समय कौन से तेल का दीपक जलाना अधिक शुभ माना जाता है? ऐसे में आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

शाम के समय किस तेल का दीया जलाना चाहिए?

शाम के समय दीपक जलाने के लिए सरसों का तेल सबसे शुभ माना जाता है। सरसों का तेल भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रिय है। इस तेल से दीपक जलाने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद सदैव बना रहता है। इसके साथ ही सरसों, तिल या अलसी के अलावा शाम के समय महुआ के तेल का दीया भी अवश्य जलाना चाहिए। मान्यता है कि शाम के समय महुला के तेल का दीया जलाने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं, क्योंकि शास्त्रों की मानें तो महुआ का तेल भगवान शिव को अति प्रिय है। ऐसे में शाम के समय इस तेल का दीया जलाने से घर-परिवार में खुशियां आती हैं।

शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने के फायदे

शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। धन-दौलत में वृद्धि होती है, परिवार में खुशियां आती हैं। इसके साथ ही मन शांत होता है और तनाव दूर होता है। इस बात का ध्यान रखें दीया हमेशा स्वच्छ और नए बर्तन में जलाएं और इसे जमीन पर न रखें, बल्कि एक थाली या चौकी पर रखें। दीपक को कभी भी मुंह से नहीं फूंकें। ये स्वयं बुझ जाए तो शुभ माना जाता है। दीप को तब तक जलने दें जब तक वह पूरी तरह से जल न जाए।

इस दिशा में रखें दीपक

वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर हमेशा दाहिनी ओर दीपक रखना शुभ माना जाता है। यहां आप घी, तेल, अलसी या फिर महुआ का तेल किसी का भी लगा सकते हैं। मान्यता है कि नियमित रूप से घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में दरिद्रता का वास नहीं होता और सुख समृद्धि बनी रहती है।

इस लोक से अलौकिक तक की यात्रा ध्यान फाउंडेशन सेशन हैदराबाद में शुरू

वैदिक इतिहास उन लोगों की कहानियों का वर्णन करता है जिन्होंने ऐसे पुल बनाए जो मानवीय रूप से बनाना असंभव लगता है, जो पृथ्वी पर बारिश और नदियाँ लाए, जिन्होंने समानांतर ब्रह्मांड बनाए, जिन्होंने सूर्य और चंद्रमा की यात्रा की, जिन्होंने इच्छा अनुसार सूर्य को बादलों से ढक दिया, जो प्रकट होना

और गायब होना जानते थे, जिन्होंने इच्छानुसार अपना शरीर त्याग किया ... जो लोग यह सोचते हैं कि ये कोरी कहानियाँ हैं, उन्हें यह जानना होगा कि ऋषि कणाद ने आर्किमिडीज़ सिद्धांत को आर्किमिडीज़ से 2500 वर्ष पहले ही दे दिया था, शुल्बसूत्र और शतपथ ब्राह्मण ने पाइथागोरस थ्योरम का वर्णन पाइथागोरस से बहुत पहले ही कर दिया था।हजारों वर्ष पूर्व के ऋषि और योगी यह सब करने में कैसे सक्षम थे ? ऐसा क्या है कि एक सामान्य मनुष्य यह सब करने सक्षम नहीं है ? ऐसा कहा जाता है कि एक सामान्य मनुष्य का मस्तिष्क 7-8% की दक्षता पर कार्य करता है किन्तु योग और सनातन क्रिया का विज्ञान मानव मस्तिष्क के अप्रयुक्त हिस्सों में प्रवेश कर व्यक्ति को उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास कराने में मदद करता है।सनातन क्रिया की तकनीकों पर वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा अनेक शोध किए गए हैं, जिन्हें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) मुंबई जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रमाणित किया गया है।

ध्यान आश्रम के अश्विनी गुरु जी के मार्गदर्शन में जून 2024 से हैदराबाद में ध्यान फाउंडेशन (डीएफ) को सनातन क्रिया के रहस्यों पर विशेष सत्र की घोषणा करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है। वर्ष 2002 से डीएफ योग और सूक्ष्म हीलिंग विज्ञान के प्रामाणिक मार्ग का निःशुल्क प्रचार कर रहा है, जिससे दुनिया भर में हजारों लोगों ने लाभ उठाया है। अनेक लोगों ने गुरुजी द्वारा सिखाई गई सनातन क्रिया का अभ्यास करके अपनी व्याधियों से छुटकारा पाने,अपने विचारों को मैनिफेस्ट करने और दिव्य शक्तियों से संपर्क होने के अनुभवों की भी सूचना दी है।

अश्विनी गुरु जी इस बात पर जोर देते हैं कि योग के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए कर्मों की शुद्धि आवश्यक है। इसी का अनुसरण करते हुए, डीएफ हैदराबाद, शहर में दो गौशालाएं चला रहा है जिसमें 3500 बचाए गए गौवंश की देखभाल हो रही है।

योग की इस अद्भुत यात्रा में वैदिक सिद्धांतों पर आधारित संतुलित जीवन अपनाकर - नित्य यौवन, कुशाग्र बुद्धि और निश्चित रूप से आरोग्य एवं ऊर्जावान जीवन का अनुभव करें ! अधिक जानकारी के लिए - www.dhyanfoundation.com पर लॉगिन करें।

इस पवित्र स्थान पर स्नान करने का है बड़ा ही खास महत्व

सभी पाप और कष्ट हो जाते हैं दूर!

धार्मिक ग्रंथो में कलयुग में मां गंगा में स्नान करना सबसे उचित और फलदाई बताया गया है। ऐसे ही हरिद्वार में मां गंगा का सबसे बड़ा महत्व भी बताया जाता है। पहाड़ों से होकर मां गंगा सबसे पहले समतल क्षेत्र हरिद्वार में आती है। यहां हर की पौड़ी होने के कारण मां गंगा का महत्व पूरे ब्रह्मांड में सबसे अधिक बताया गया है। हरिद्वार कुंभ नगरी है, जहां प्रत्येक 12 साल में महाकुंभ का आयोजन एक बड़े स्तर पर किया जाता है। वहीं हरिद्वार हर की पौड़ी पर गंगा स्नान, गंगा घाट पर ध्यान और पूजा पाठ आदि का भी बहुत बड़ा महत्व है। यहां स्नान करने से जहां मोक्ष की प्राप्ति होती है वहीं पितरों के निमित्त पूजा पाठ या अन्य पूजा करने से उसका कई गुना फल प्राप्त होता है। ऐसे ही ज्योतिष शास्त्र में हरिद्वार हर की पौड़ी पर गंगा दर्शन करने, मां गंगा में स्नान करने और मां गंगा के जल का आचमन करने का विशेष महत्व बताया गया है।

हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि पूरे ब्रह्मांड में मां गंगा का सबसे बड़ा महत्व हरिद्वार में है। हरिद्वार हर की पौड़ी पर जो श्रद्धालु गंगा दर्शन, गंगा स्नान और गंगा जल का आचमन करते हैं। उनके सभी प्रकार के सांसारिक, भौतिक जैसे दोष खत्म हो जाते हैं। हिंदू धार्मिक ग्रंथो में मां गंगा के दर्शन करने मात्र से ही सभी दोष खत्म हो जाते हैं। मां गंगा में स्नान करने से शारीरिक दोषों की समाप्ति और आचमन करने से मन पवित्र हो जाता है।

श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि जब आप हरिद्वार हर की पौड़ी पर स्नान करें उससे पहले मां गंगा को दोनों हाथ जोड़कर दर्शन कर उन्हें प्रणाम करें, उसके बाद मां गंगा के मंत्रो का मन ही मन जाप करते हुए स्नान करें और मां गंगा के जल का आचमन कर अपने शरीर और मन को पवित्र करें। ऐसा करने से मां गंगा और सभी देवी देवताओं की कृपा आप पर बनी रहेगी और जीवन में आने वाले सभी दुख, कष्ट और रोग दूर हो जाएंगे।

रणबीर कपूर की रामायण में दशरथ बनेंगे अरुण गोविल

सुनील लहरी बोले- अपनी इमेज खुद कुचल रहे

फेमस डायरेक्टर नितेश तिवारी 'रामायण' के साथ बड़े पर्दे पर उतरने वाले हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जिंदगी पर बन रही इस फिल्म की फिलहाल कास्टिंग चल रही है। इस फिल्म में जहां भगवान राम का रोल एक्टर रणबीर कपूर निभाएंगे तो वहीं मां सीता के रोल में एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आएंगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में हनुमान का किरदार एक्टर सनी देओल निभाने वाले हैं, वहीं रावण के रोल में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश नजर आएंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रामानंद सागर की 'रामायण' में प्रभु श्रीराम का किरदार निभाने वाले एक्टर अरुण गोविल नितेश तिवारी की रामायण में दशरथ बनेंगे। वहीं अब इस खबर पर सुनील लहरी का रिएक्शन आया है।

अरुण गोविल के 'दशरथ' बनने पर सुनील लहरी ने किया रिएक्ट

बता दें कि नितेश तिवारी की 'रामायण' के सेट से अरुण दोविल की दशरथ के रोल में कुछ तस्वीरें

सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन खबरों को लेकर सुनील लहरी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा, वह अपनी पर्सनालिटी को खुद कुचल रहे हैं। अगर मुझे कुछ ऐसा रोल ऑफर हुआ होता तो मैंने उसे कभी नहीं करता। मैं अरुण की बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। लेकिन इस मुद्दे पर मैंने किसी भी रोल के लिए हां नहीं किया होता।

सुनील लहरी ने रणबीर कपूर के 'राम' बनने पर भी किया रिएक्ट

सुनील लहरी ने इंटरव्यू में कहा कि राम के रोल में रणबीर कपूर का लुक मुझे पसंद आया। एक्टर ने आगे कहा, वह बहुत स्मार्ट हैं और वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि राम के रूप में कितने लोग उन्हें एक्सेप्ट करेंगे। मुझे लगता है कि इस रोल के लिए ऐसे एक्टर को लेना चाहिए था, जिसकी कोई इमेज ना हो। सुनील लहरी ने आगे कहा कि रणबीर एक बहुत अच्छे एक्टर हैं और मुझे पता है कि वह इस किरदार के साथ न्याय करेंगे। लेकिन 'एनिमल' जैसी फिल्म करने के बाद उनके लिए यह बहुत मुश्किल होगा कि लोग उन्हें भगवान राम के रोल में स्वीकार करें।

थाई स्लिट ड्रेस पहन अवनीत कौर ने लगाया हॉटनेस का ओवरडोज तड़का

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट पर सनसनी मचा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने कान्स फिल्म फेस्टिवल इवेंट की कुछ बेहद ही स्टनिंग फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदरा एक्टिंग और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस से फैंस को इस कदर इंप्रेस किया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल हील में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने कान्स फिल्म फेस्टिवल की कुछ बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी कातिल अदाओं से फैंस के बीच कहर बरपा रही हैं।अवनीत कौर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है अमेजिंग। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- टू हॉट टू हेंडल, फिर तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग।बता दें कि एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है। साथ ही फैंस उनके लुक्स की लोग तारीफ करते हुए भी नहीं थकते हैं।अवनीत कौर अपने हर एक लुक को लेकर चर्चा में आ जाती हैं। उनका स्टनिंग अवतार अक्सर फैंस के बीच कहर ढाता है। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

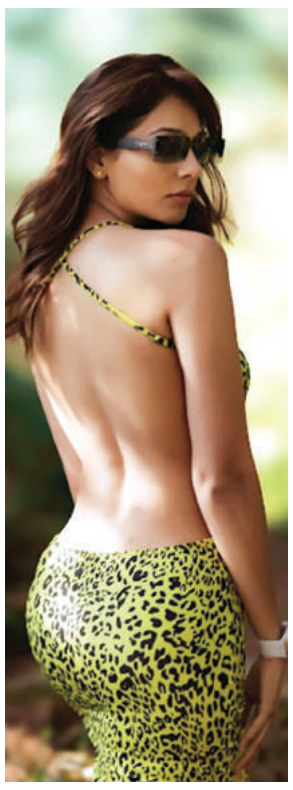

अपने बोल्ड फिगर से सोशल मीडिया में कहरा बरपा रही किमाया कपूर

किमाया कपूर अपने बोल्ड फिगर और ग्लैमरस अंदाज से सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं। उनके आकर्षक लुक्स और आत्मविश्वास से भरी हुई तस्वीरें और वीडियोज़ ने उन्हें इंटरनेट सेंसेशन बना दिया है। किमाया का फोटोज़ में बोल्ड पोज़ और उनका ड्रेसिंग स्टाइल हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है।

उनके फैंस उनकी हर नई पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं और उनके बोल्ड अवतार की तारीफें करते नहीं थकते। किमाया की हर तस्वीर और वीडियो को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं, जो यह दर्शाता है कि लोग उनके अंदाज को कितना पसंद करते हैं। उनके स्टाइल और फैशन सेंस ने उन्हें युवाओं के बीच एक आइकॉन बना दिया है।किमाया कपूर का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी खूबसूरत और बोल्ड तस्वीरों से भरा हुआ है, जो उनके फैंस को हमेशा प्रेरित करता है। फिटनेस, फैशन और ब्यूटी में उनकी रुचि ने उन्हें सोशल मीडिया पर एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बना दिया है। किमाया के फैंस उनकी फिटनेस रूटीन और स्टाइल टिप्स को फॉलो करते हैं, जिससे वह और भी ज्यादा पॉपुलर हो रही हैं।

सिकंदर से सलमान खान का फर्स्ट लुक आया सामने

ईद 2025 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगे भाईजान

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। वैसे तो यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी लेकिन इस फिल्म को लेकर अभी से ही क्रेज देखने को मिल रहा है। बताते चलें की इस फिल्म में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगी। हाल ही में सलमान खान ने फिल्म की पहली झलक शेयर करते हुए बताया कि 'सिकंदर' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सलमान खान का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सिकंदर का फर्स्ट लुक आया सामने

सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में बॉलीवुड के दबंग खान फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला और डायरेक्टर संग खड़े नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में सलमान खान ब्लू कलर की टीशर्ट पहनें नजर आ रहे हैं और उन्होंने आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, ईद 2025 पर नजरें हैं, टीम के साथ। सलमान खान के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सलमान खान के पोस्ट पर लोगों के रिएक्शन

सलमान खान के इस पोस्ट पर लोग खूब रिएक्ट रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप बहुत हैंडसम लग रहे हैं सिकंदर, ऑल द वेरी बेस्ट। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, बवाल होगा अब। एक और यूजर ने सलमान खान के पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, सलमान दिन पर दिन और भी ज्यादा जवान होते जा रहे हैं। बता दें कि सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'सिकंदर' को जहां साजिद नाडियाडवाला और वर्दा खान नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। तो वहीं इसका डायरेक्शन ए.आर. मुरुगादोस कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। बता दें कि आखिरी बार सलमान खान फिल्म 'टाइगर 3' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

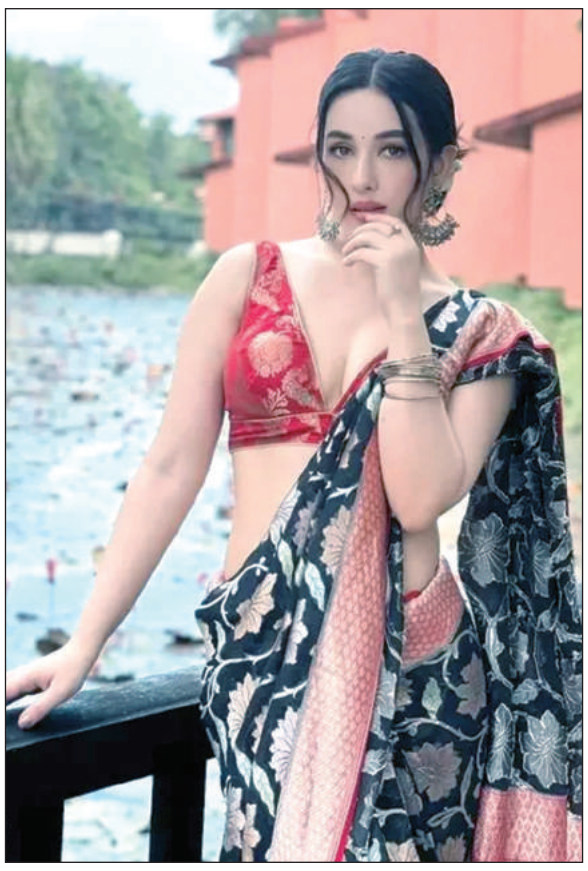

शिवानी जाधव के स्टाइलिश अंदाज़ के फैन हो जाएंगे

फैशन और ग्लैमर की दुनिया में हर दिन नए ट्रेंड्स और स्टाइल्स देखने को मिलते हैं, लेकिन कुछ खास व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो अपने अनोखे अंदाज़ से सबका दिल जीत लेते हैं। ऐसी ही एक फैशन आइकन हैं शिवानी जाधव, जिनके स्टाइलिश अंदाज़ ने सभी को दीवाना बना दिया है। शिवानी का फैशन सेंस और उनकी ग्रेसफुल उपस्थिति हर किसी को आकर्षित करती है। आइए, हम आपको दिखाते हैं शिवानी के कुछ शानदार लुक्स जो आपको भी उनके स्टाइल का फैन बना देंगे।शिवानी जाधव का यह ग्लैमरस गाउन लुक किसी रेड कार्पेट इवेंट के लिए परफेक्ट है। इस गाउन में उनकी ग्रेस और एलिगेंस देखते ही बनती है। इस अंदाज़ में शिवानी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।शिवरपळ का कैज़ुअल लुक भी किसी से कम नहीं है। जीन्स और टी-शर्ट में भी वे बेहद स्टाइलिश लगती हैं। उनके कैज़ुअल वियर का यह अंदाज़ बेहद कूल और ट्रेंडी है, जिसे हर कोई फॉलो करना चाहेगा। सरल और सहज होते हुए भी उनका यह लुक हर किसी को प्रभावित कर देता है।शिवानी का एथनिक लुक भी बेहद खूबसूरत है। साड़ी या लहंगा में उनकी खूबसूरती और बढ़ जाती है। उनका यह एथनिक अंदाज़ हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है। पारंपरिक परिधानों में शिवानी की यह तस्वीरें दिखाती हैं कि वे हर स्टाइल को बेहद खूबसूरती से कैरी कर सकती हैं।

वेस्टर्न ड्रेस में भी शिवानी का कोई मुकाबला नहीं है। उनके इस स्टाइलिश और मॉडर्न लुक ने फैशन प्रेमियों को दीवाना बना दिया है। उनकी वेस्टर्न आउटफिट्स की पसंद और उसे कैरी करने का अंदाज़ बेहद प्रभावी है।पार्टी वियर में भी शिवानी का जलवा देखने लायक है। उनकी यह शिमरी ड्रेस और उसके साथ परफेक्ट एक्सेसरीज उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। पार्टी लुक में शिवानी का यह अंदाज़ बेहद ग्लैमरस और आकर्षक है।शिवानी जाधव का स्टाइलिश अंदाज़ और फैशन सेंस वाकई में तारीफ के काबिल है। उनके हर एक लुक में एक अलग ही ग्रेस और एलिगेंस दिखाई देती है। चाहे वह ग्लैमरस गाउन हो, कैज़ुअल वियर हो, एथनिक लुक हो, या वेस्टर्न ड्रेस - शिवानी हर अंदाज़ में कमाल लगती हैं। उनके यह लुक्स फैशन प्रेमियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं।अगर आप भी फैशन और स्टाइल के दीवाने हैं, तो शिवानी जाधव के इन शानदार लुक्स से प्रेरणा लेना न भूलें। उनके अनोखे स्टाइल का फैन बनने के लिए अभी उनकी ताजा तस्वीरें देखें और अपने फैशन को एक नया ट्विस्ट दें।

यलो कलर की ड्रेस में अहसास चन्ना ने लगाया बोल्ड तड़का

अहसास चन्ना ने हाल ही में यलो कलर की ड्रेस में अपने बोल्ड अवतार से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अहसास चन्ना, जो अपने शानदार अभिनय और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं, ने इस बार अपने बोल्ड लुक से सबको चौंका दिया है।यलो ड्रेस में अहसास चन्ना ने अपने लुक को बेहद स्टाइलिश और आकर्षक तरीके से कैरी किया है। उनके आत्मविश्वास और ग्लैमरस अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। उनकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही फैंस ने लाइक्स और कमेंट्स की बरसात कर दी है।कई फैंस और फैशन लवर्स ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि यलो कलर की ड्रेस में उनका यह लुक वाकई काबिले तारीफ है।अहसास चन्ना का यह बोल्ड अवतार एक बार फिर साबित करता है कि वह फैशन और स्टाइल के मामले में हमेशा आगे रहती हैं। उनके इस नए लुक ने फैंस को दीवाना बना दिया है और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं।

साड़ी पहन नेपाल की इस हसीना ने दिखाईं कातिलाना अदाएं

नेपाल की मशहूर अदाकारा अदिति बुधाथोकी आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग अक्सर उनके लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।नेपाली एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि ना सिर्फ पंजाबी इंडस्ट्री बल्कि भोजपुरी इंडस्ट्री में भी एक्ट्रेस अपने हुस्न का जलवा बिखेर चुकी हैं।तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है और साथ ही रेड कलर के ब्लाउज से उसे टीमअप किया है।कानों में झुमकें, माथे में बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा से ही लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। वो अपनी ब्यूटी से हर किसी का दिल जीत लेती हैं।अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पडेगी तभी सारे काम पूरे होंगे । विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा । व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ जरूर बनेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं । आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें।। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज ना करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है।। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम को पूरा करने में अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेंगे। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नही देना। कुछ नए काम को शुरू कर सकते हैं। शासकीय कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।बिना सोचे समझे कोई काम न करें। निवेश की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्य में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विरोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगा । पारिवारिक जिम्मेदारी पूरे करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता हैं । नया काम शुरू कर सकते हैं। मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। आज आप नौकरी बदले का मन कर रहे हैं तो बढीया समय है कोशिश सफल होगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे । धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ इंजाय कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ईष्टदेव का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा।। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तो और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन मे सामंजस्य के कारण सुख-समृद्धि में बढोतरी होगी ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप को सकारात्मक रहने की जरुरत है आप सरकारी नौकरी मे है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा । आपकी कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों मे आकर नया काम शुरू न करें। छात्रों के लिए दिन सफल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन मे उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा हैं। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नही होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा । किस्मत का साथ मिलेगा। माता-पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज स्वभाव मे तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते की सूचना मिलेगी। दफ्तर में किसी सहयोगी से अनबन की आशंका है। कन्या को खीर का भोग रखे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 20 जून 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 07:51 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 06:10 तक
योग : साध्य रात्रि 08:11 तक
करण : तैतिल प्रात: 08:24 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सूर्य दक्षिणायन आरंभ , पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक , वर्षा ऋतु आरंभ , गण्डमूल सायं 06:11 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस को व्यक्तिगत जागीर की तरह चलाया जा रहा है

किरण चौधरी और श्रुति चौधरी भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। हरियाणा की कांग्रेस विधायक किरण चौधरी और उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी आज भाजपा में शामिल हो गई। दिल्ली में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर समेत भाजपा के बड़े नेता मौजूद थे।

किरण चौधरी और श्रुति चौधरी ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे इस्तीफे के पीछे किरण ने लिखा है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा में कांग्रेस को व्यक्तिगत जागीर के तौर पर चलाया जा रहा है। इसमें मेरी जैसी ईमानदार आवाजों के लिए कोई जगह नहीं है। मेरे जैसे लोगों को बहुत ही सुनियोजित तरीके से दबाया जाता है। समय-समय पर अपमानित किया जाता है और साजिशें रची जाती हैं। अपने लोगों को प्रतिनिधित्व करने और मूल्यों को बनाए रखने के लिए मेरे प्रयासों में

बाधा उत्पन्न की जा रही है। मेरा लक्ष्य शुरू से ही अपने राज्य और अपने देश के लोगों की सेवा करना रहा है। मगर अब ऐसी बाधाओं की वजह से काम करने में असमर्थ हूं। अपने लोगों और कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए मैं आगे देखने के लिए मजबूर हूं। वहीं, श्रुति चौधरी ने भी अपने इस्तीफे में कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से एक व्यक्ति केंद्रित हो गई है, जिसने अपने स्वार्थी व हितों के लिए पार्टी के हितों से समझौता किया है।

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल परिवार का अच्छा खासा प्रभाव था। बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी भी यहां से सांसद रह चुकी हैं। पिछले कुछ समय से किरण को लेकर सियासी गलियारों में अफवाहें और कयास तेज हो गए थे लेकिन मंगलवार को उनके कांग्रेस से इस्तीफे के बाद तस्वीर अब स्पष्ट हो गई है। किरण अपनी बेटी श्रुति का राजनीतिक भविष्य भी साथ लेकर चल रही हैं। ऐसे में किरण चौधरी का फैसला उनकी बेटी श्रुति के राजनीतिक भविष्य को भी तय करेगा।

प्रदेश कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व किरण चौधरी की आपसी खींचतान जगजाहिर है। किरण चौधरी ने हाल ही में दिए बयान में हरियाणा में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं होने की बात कह कांग्रेस छोड़ने के संकेत दे दिए थे। प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने भी कह दिया है कि सब स्वतंत्र हैं। अपने फैसले लेने का हक सभी को हैं। भूपेंद्र हुड्डा ने अपने प्रभाव से किरण चौधरी की बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी की टिकट काट राव दान सिंह को लोकसभा प्रत्याशी बनाकर इस खींचतान को और बढ़ाने का काम किया था।

किरण के कांग्रेस को अलविदा कहने के बाद भिवानी में भूपेंद्र हुड्डा का गुट मजबूत होगा क्योंकि हुड्डा के यहां हर विधानसभा क्षेत्र में न केवल कार्यकर्ताओं की अच्छी फौज है, बल्कि पूर्व विधायकों का बड़ा धड़ा भी उनके साथ खड़ा है। ऐसे हालातों में किरण के जाने के बाद हुड्डा गुट यहां पहले से अधिक मजबूत होगा।

राजस्थान को बनाया जाएगा औद्योगिक हब : दिया कुमारी

जयपुर, 19 जून (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी में कहा है कि राजस्थान को देश के औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। दिया कुमारी ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र एवं कर सलाहकार संघों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बजट पूर्व चर्चा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रावधान किए जायेंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास से रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के लोगों को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को औद्योगिक विकास में अग्रणी राज्य बनाने की और अग्रसर है। प्रदेश में औद्योगिक विकास की बहुत संभावनाएं है, जिन्हें साकार रूप देने के लिए सरकार सभी के साथ मिलकर काम कर रही है । उन्होंने कहा की राजस्थान में सड़क एवं रेल नेटवर्क सहित मजबूत आधारभूत संरचनाएं विकसित की जा रही है जो औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। इस संबंध में जितने भी सुझाव प्राप्त हो रहे है उन्हें बजट में शामिल करने का पूरा प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना के अनुरूप औद्योगिक विकास के मामले में भी राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों में किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी।

विकास के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया जाएगा : रावत

अजमेर, 19 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने पुष्कर व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि विकास के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया जाएगा। पुष्कर सीट से विधायक श्री रावत ने आश्वस्त किया है कि जैसा पुष्कर है वैसा ही सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पुष्कर की जनता से राय लेकर कार्य किया जाएगा।

तीर्थ नगरी पुष्कर में आज उपखंड कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जल संसाधन मंत्री एवं विधायक सुरेश सिंह रावत ने कहा कि पुष्कर जैसा है वैसा ही रहेगा और पुष्कर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य होंगे वह पुष्कर की जनता को और व्यापारियों को विश्वास में लेकर किये जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलोक कॉरिडोर योजना को लेकर ब्रह्माजी के मंदिर से सरोवर तक का रास्ता चौड़ा करके उसी को सुंदर बनायेंगे। घाटों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और ब्रह्मा मंदिर को भव्य बनाया जाएगा। श्री रावत ने कहा कि सरकार को जो भी निर्माण कार्य करना है, जहां लंबी चौड़ी जगह होगी, वहां करवा दिया जाएगा। पुराने पुष्कर से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जायगी। उन्होंने रुष्ट व्यापारियों स कहा कि अब तक कोई योजना नहीं बनायी है, जब बनेगी, तब आप सभी को दिखाकर उसकी सहमति ली जायेगी। इस दौरान पालिका अध्यक्ष कमल पाठक सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि आज पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर के निकट व्यापारियों ने तीन घंटे बाजार बंद करके मंदिर के चारों ओर प्रस्तावित कोरिडोर निर्माण का विरोध किया था।

पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कारों के लिए आवेदन शुरू

सिरसा, 19 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने पदम विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की सिफारिशों के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मान के अंतर्गत इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाएगी।यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पद्म पुरस्कारों के लिए सर्वोच्च नागरिकों के नाम 15 सितंबर तक भेजे जाने है। केवल ऑनलाइन भेजे गए नामांकनों पर विचार किया जाएगा और निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त किसी भी नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ग्रामीण पिला रहे ठंडा-मीठा पानी

सिरसा, 19 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिला के गांव खारी सुरेरां के रेलवे स्टेशन पर पिछले 50 दिन से लगातार खारी सुरेरां व सुरेरां के ग्राम वासियों व दानी सज्जनों के सहयोग से सादुलपुर और हनुमानगढ़ से आने वाली गाड़ी के रेल यात्रियों को मीठा जल पिलाया जा रहा है।

इस सेवा को चलाने में गांव के युवा बढ़चढ़ कर सहयोग कर रहे हैं। इस संबंध में समाजसेवी सतीश सुथार ने बताया कि गर्मी के भीषण प्रकोप के चलते गांव के सभी लोगों ने रेलवे स्टेशन पर पानी की छबील लगाने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि जब तक मौसम ठंडा नहीं होता, दान दाताओं के सहयोग से सेवा चलती रहेगी।

यात्रियों को जल पिलाने के लिए महेन्द्र सिहाग, सतीश सुथार, पूर्ण गर्वा, श्यामलाल शर्मा, औम प्रकाश झोरड़, औमप्रकाश खाती, डूंगरमल कस्वां, लादुराम, डा. विनोद सहारण, डा. बलकरण, सुभाष सिहाग, बलवंत गोदारा व गांव के युवा अपराह्न दो बजे स्टेशन पर पहुंच जाते हैं और मीठा जल तैयार करके आमजन व रेलवे यात्रियों के लिए पानी की सेवा करते हैं।

योग व्यक्ति और समाज के मध्य संतुलन बनाने का बेहतर माध्यम :देवनानी

जयपुर, 19 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने योग व्यक्ति और समाज के मध्य संतुलन बनाने का बेहतर माध्यम बताते हुए कहा है कि योग का अर्थ जीवन में संतुलन है और शरीर, मन एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तब ही राष्ट्र की उन्नति होगी और राष्ट्र को स्वस्थ बनाने के लिए योग, यज्ञ और संतुलित आहार को आचरण में लाया जाना चाहिए।

श्री देवनानी ने बुधवार को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वयं और समाज के लिए योग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ आसन नहीं है। यह जीवन दर्शन है और शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास को भी एकाग्रता की दिशा तय करने में सहयोगी है। उन्होंने कहा कि योगासन भारत की प्राचीन विधि है जो शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित करने के लिए प्रयुक्त की जाती है। योग के माध्यम से शरीर की ऊर्जा को नियन्त्रित और संतुलित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि सभी मिल जुलकर स्वस्थ भारत की रचना करें और शरीर, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तब ही राष्ट्र की उन्नति होगी। राष्ट्र को स्वस्थ बनाने के लिए योग, यज्ञ और संतुलित आहार को आचरण में लाए। भारत विश्व गुरु है। भारत की परम्पराएं समृद्ध है। सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से राष्ट्र समृद्ध है। निरोगी राष्ट्र बनाने के लिए योग को जीवन का अंग बनाना होगा। योग स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। इस मशीनी युग में बदलती जीवन शैली के लिए योग की आवश्यकता बढ गई है। श्री देवनानी ने कहा कि योग इंसान को शारीरिक और मानसिक सुकून देकर मन की एकाग्रता को बढाता है और तनाव को कम करने में मददगार होता है। यह दुनिया और स्वंय को बेहतर तरीके से समझने और नई सोच के साथ नये काम को शुरू करने के लिए आत्माविश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि योग दिवस पर सभी लोग योग करके समाज में आपसी सदभाव निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभायें। एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार बनकर बहुआयामी विकास के पथ पर प्रदेश को आगे बढ़ाएं।

किसान के बेटे ने एचसीएस की परीक्षा में प्राप्त की पहली रैंक

चंडीगढ़, 19 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद के गांव खटकड़ निवासी अभिषेक खटकड़ ने एचसीएस की परीक्षा में पूरे हरियाणा में पहली रैंक प्राप्त की है। अभिषेक ने 399.8 अंक प्राप्त करके हरियाणा में पहला स्थान प्राप्त किया। उचाना कलां गांव की बेटी ऋतु ने भी एचसीएस की परीक्षा में 30वीं रैंक हासिल की है। दोनों के घर वालों को इसका पता लगने के बाद खुशी का ठिकाना नहीं रहा। घर पर बधाई देने वालों को तांता लग गया। खटकड़ गांव निवासी अभिषेक खटकड़ ने बताया कि उनका सपना पुलिस ऑफिसर बनने का है। एचसीएस की तैयारी बिना कोचिंग लिए घर पर की है। सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी। दूसरी बार में एचसीएस की परीक्षा पास की। हरियाणा में नंबर वन आने की उसे उम्मीद थी। परिणाम में जो उम्मीद उसे थी, वह पूरी हुई। वह आठ से 10 घंटे पढ़ाई करता था।

परिवार में पिता राजकुमार खेतीबाड़ी करते हैं। उनकी माता कविता कसूहन के राजकीय स्कूल में प्रवक्ता है। अभिषेक ने कहा कि जीवन में हमेशा प्रयास जारी रखने चाहिएं क्या पता कब सफलता मिल जाए। यह जरूरी नहीं है कि शहरी क्षेत्र के बच्चे आगे आते हैं। ग्रामीण आंचल के बच्चे भी निरंतर आगे आ रहे हैं।

उचाना कलां गांव की बेटी ऋतु ने भी हासिल की 30वीं रैंक

बड़े सपने जीवन में देखने चाहिए उन सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कोई भी मंजिल दूर नहीं होती सब उसको पाने के लिए आपके अंदर जुनून होना चाहिए। पिता राजकुमार खटकड़, माता कविता देवी, ताऊ इंद्र सिंह खटकड़, दादा रामस्वरूप खटकड़, चाचा बलवान खटकड़ ने कहा कि अभिषेक खटकड़ ने परिवार का ही नहीं बल्कि गांव, जिले का नाम रोशन किया है। हरियाणा में नंबर वन एचसीएस की परीक्षा में आना बड़ी बात है। बिना कोचिंग के पढ़ाई वो करता था। जब परिणाम आया तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा। बधाई देने वालों को घर पर तांता लग गया। उचाना कलां की बेटी ऋतु शर्मा पुत्री दयानंद शर्मा ने एचसीएस की परीक्षा में 30वीं रैंक प्राप्त की। पोती के एचसीएस की परीक्षा पास करने का पता चलने के बाद दादा टेकचंद शर्मा का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। शीशपाल शास्त्री, ब्राह्मण चौबीसी प्रधान अनिल शर्मा, चंद्रपाल शर्मा, शिव कुमार शर्मा, सत्यवान शर्मा ने कहा कि यह उचाना कलां के लिए गर्व की बात है कि गांव की बेटी ऋतु ने एचसीएस की परीक्षा में 30वां रैंक प्राप्त किया है। शुरू से ही पढ़ाई में ऋतु होशियार है। ऋतु शर्मा ने कहा कि परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग उसे मिला है। दादा का सपना था कि पोती अफसर बने। दादा के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। बेटी आज किसी मामले में बेटों से पीछे नहीं है। बेटी भी माता-पिता, गांव का नाम रोशन कर रही है। अभिभावकों को चाहिए कि बेटियों को भी बेटों की तरह प्रोत्साहित करें। परिवार के सदस्यों ने हमेशा बेटे की तरह की उसको प्रोत्साहित किया। पूरे परिवार का सहयोग उसे इस मुकाम पर पहुंचने के लिए मिला। मूल रुप से गांव सिवाहा एवं हाल आबाद डिफेंस कॉलोनी निवासी सचिन कुमार बिश्नोई ने बीसी-ए श्रेणी में 13वीं रैंक हासिल की है। सचिन को फिलहाल जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी का पद मिला है। सचिन के पिता सज्जन कुमार पूर्व सैनिक हैं। उनके दादा सूरत सिंह बिश्नोई ने बताया कि सचिन ने 12वीं कक्षा जींद के डीएवी स्कूल से पास की। इसके बाद उसने एनआईटी कुरुक्षेत्र से इंजीनियरिंग की। उसके बाद एक कंपनी में अच्छे पैकेज पर काम किया, लेकिन कंपनी छोड़कर अपनी पढ़ाई जारी की। सचिन ने अपनी मेहनत के दम पर 13वीं रैंक प्राप्त की। सूरत सिंह बिश्नोई ने बताया कि सचिन का लक्ष्य यूपीएससी में उत्तम स्थान प्राप्त कर आईएएस अधिकारी बनना है। पूरे परिवार में खुशी का माहौल है तथा लोग उनके घर बधाई देने आ रहे हैं।

लालू ने बीमा भारती पर फिर जताया भरोसा

राजद के टिकट पर ठोकेंगी ताल, रुपौली से लड़ेंगी विधानसभा उपचुनाव

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने फिर से बीमा भारती को अपनी पार्टी का सिंबल दिया है। लोकसभा चुनाव में अपनी जमानत जब्त करवा चुकीं बीमा भारती फिर से विधानसभा उपचुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगीं।

टिकट लेने के लिए बीमा भारती मंगलवार को राबड़ी आवास पर गईं थी। वहां उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से मुलाकात की थी। 2020 में उन्होंने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता था। इस बार जनता दल यूनाईटेड ने कलाधर मंडल को टिकट दिया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने रुपौली विधानसभा सीट पर उप-चुनाव के लिए तारीखों की घो-षणा कर दी है। 10 जुलाई को वहां मतदान होगा। बीमा भारती के इस्तीफे के कारण यह सीट खाली हुई थी। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले बीमा भारती ने विधानसभा सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था, लेकिन लोकसभा चुनाव में भी उन्हें सफलता नहीं मिली।

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 14 जून को अधिसूचना जारी की जाएगी। 21 जून नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। जबकि 24 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 26 जून तक नाम वापस लिए जाएंगे। 10 जुलाई को वोट डाले जाएंगे और 13 जुलाई को मतगणना होगी।

वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में रुपौली सीट पर जदयू के टिकट पर बीमा भारती को जीत मिली थी। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी के शंकर सिंह को 9672 वोटों से हराया था। तीसरे स्थान पर महागठबंधन की ओर से सीपीआई प्रत्याशी विकास चंद्र मंडल रहे थे। लेकिन बीमा भारती ने लोकसभा चुनाव के पहले जेडीयू छोड़ कर आरजेडी की सदस्यता ले ली। इसके साथ ही विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देकर पूर्णिया लोकसभा सीट से आरजेडी टिकट पर चुनाव लड़ा। लेकिन चुनाव में बीमा भारती को करारी हार का सामना करना पड़ा और वो तीसरे स्थान पर रहीं। लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव को जीत मिली, जबकि जदयू उम्मीदवार संतोष कुशवाहा दूसरे स्थान पर थे।

मुस्लिम यादव विवादित बयान: आरजेडी का एमपी देवेश चंद्र ठाकुर पर तंज

आरके सिंह अभी आरा से हारे हैं, आगे पता चल जाएगा

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी से नव निर्वाचित सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान को लेकर बिहार की राजनीति का सियासी पारा बढ़ा हुआ है। जदयू सांसद द्वारा यादव मुस्लिम और अन्य जातियों को लेकर दिए गए बयान पर राष्ट्रीय जनता दल लगातार सवाल उठा रहा है। अब राजद के मीनापुर से एमएलए राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर का बयान देश की एकता और अखंडता को आहत करने वाला है। उनके दिए गए बयान ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत कड़ी को आहत किया है। मैं खुद उनके दिए गए बयान से आहत हूं।

राजद के विधायक मुन्ना यादव ने कहा कि यही नहीं, आरा के पूर्व सांसद और भारत सरकार के मंत्री रहे आरके सिंह द्वारा दिए गए विवादित बयान पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि आरके सिंह कहते हैं कि जो गांव ने मुझे वोट नहीं दिया उसको देख लेंगे। आरके सिंह को पता होना चाहिए कि लोकसभा का चुनाव अभी हुआ है, अभी आगे भी चुनाव होने वाले हैं। अभी तो जान बची है, आने वाले चुनाव में इन्हें सब जनता मिलकर समझा देगी।

राजद एमएलए ने कहा कि लोकतंत्र में पहली बार ऐसा हुआ है कि एक जानकार और अच्छा इंसान इस तरह का बयान कैसे दे सकता है। मैं खुद इसकी निंदा करता हूं। जो देवेश चंद्र ठाकुर कहते हैं कि मुझे तो 2% वोट मिला है तो यह गर्व करने वाली बात होनी चाहिए कि इन लोगों ने अपनी विचारधारा से हटकर वोट करने का काम किया है। देवेश चंद्र ठाकुर को ऐसे लोगों के चरण स्पर्श करने चाहिए थे।

राजद नेता मुन्ना यादव ने कहा कि उनके (देवेश चंद्र ठाकुर) द्वारा दिए गए बयान से देश को एकता और अखंडता पर आघात पहुंचा है। यह खेदजनक है। देवेश चंद्र ठाकुर के बयान ने हमें भी आहत किया है। आरजेडी विधायक ने कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह जरूरी नहीं कि जो हमें वोट दे, हम उसी का काम को करें।

बांका में शराब माफिया ने उत्पाद विभाग की टीम पर किया हमला

भागलपुर (एजेंसियां)। बिहार के बांका में उत्पाद टीम का छापामारी दल को मंगलवार देर रात शराब की सूचना मिलने पर छापामारी करने गया था। इस दौरान उन्हें ग्रामीणों का भारी विरोध झेलना पड़ा। वहीं, शराब माफिया और असामाजिक तत्वों ने मिलकर उत्पाद विभाग की टीम के वाहन पर जमकर पथराव करना शुरू कर दिया।

दरअसल, उत्पाद विभाग के अधीक्षक के निर्देश पर फुल्लीडूमर थाना क्षेत्र के भितिया गांव के पास गोरायडीह गांव में छापामारी के लिए गई थी। जहां से शराब माफिया और ग्रामीणों ने मिलकर भारी संख्या में हरवे हथियार के साथ इन्हें खदेड़ा तो उत्पाद टीम भागने लगी। उसके बाद आगे के गांव गोबरदहा में सक्रिय शराब माफियाओं की टोली ने उत्पाद विभाग की टीम के वाहनों को आगे से रास्ते ब्लॉक करते हुए रोक दिया और पथराव करने लगे। इस दौरान पत्थर लगने से ड्राइवर अनियंत्रित हो गया और वाहन भी पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। छापामारी का नेतृत्व कर रहे एसआई गौरीशंकर ने बताया कि उनकी टीम में कुल 10 पुलिसकर्मी थे। उनमें से पांच लोग गंभीर घायल हो गए हैं। सभी का उपचार बांका सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। ड्यूटी पर तैनात डॉ. सौरभ कुमार सुमन ने बताया कि सबसे अधिक चोट ड्राइवर सुनील कुमार यादव को लगी है, जिसको प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। ड्राइवर सुनील यादव बांका थाना के बलियामहरा गांव के रहने वाले हैं। उसे सिर में गंभीर चोट लगी है। वहीं, एसआई गौरीशंकर समेत अन्य सिपाही शिल्पा कुमारी, आरती और चंदन कुमार का सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही बांका डीएसपी विपिन बिहारी बांका सदर अस्पताल पहुंचे। वहां घटना की जानकारी ली और उन्होंने कहा कि उत्पाद विभाग की टीम छापामारी करने गई थी, जहां छापामारी के दौरान शराब माफियाओं ने हमला कर दिया। इस हमले में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की जांच की जा रही है फुल्लीडूमर गांव में पुलिस बल भेज कर दोषियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने जुर्म कबूल कराने के लिए बेहिसाब पीटा, सात में से छह अस्पताल में भर्ती

भागलपुर (एजेंसियां)। पुलिस की कार्यशैली पर अक्सर सवाल उठता रहा है, यह कोई नयी बात नहीं है। एक बार फिर एक ऐसा ही मामला बिहार के उस जिले से है जहां एक दारोगा ने एक इंजीनियर को पीटते-पीटते मार डाला था। उस समय भी काफी हो-हंगामा हुआ, डीआईजी ने उस आरोपी दरोगा पर कार्रवाई करने का झूठा आश्वासन दिया था। जी, वह झूठा आश्वासन ही था क्यों कि कई महीने और कई साल बीतने के बाद भी भागलपुर पुलिस को आरोपी दारोगा अब तक नहीं मिला, कार्रवाई तो बहुत दूर की बात है। इस जिले की ऐसी ढेर सारी कहानियां हैं लेकिन, फिलहाल ताजा मामला उसी जिला भागलपुर का है, लेकिन इस बार थाना अलग है। इस बार थाना गोराडीह है, जहां पुलिस ने हत्या के एक मामले में सात लोगों को उठाकर लायी और उनसे गुनाह कबूल करवाने के लिए उनके साथ थर्ड डिग्री का इस्तेमाल की। नतीजतन एक को छोड़ सभी मायागंज अस्पताल में इलाजरत हैं।

पुलिस के थर्ड डिग्री का मामला तब खुला जब पुलिस की पिटाई से उन सब की हालत गंभीर हो गई और पुलिस ने आननफानन में सभी घायलों को इलाज के लिए मायागंज ले आई। यहां परिजनों ने बताया कि पुलिस ने हत्या के एक मामले में सात लोगों को उठाया और उनके साथ थर्ड डिग्री का इस्तेमाल करते हुए अस्पताल तक पहुंचा दिया। पुलिस ने जिन लोगों को उठाया था, उसमें गोराडीह गांव के रहने वाले धनेश्वर दास, अंबेडकर दास, फुलेश्वर दास, संजीत दास, कन्हैया दास और संतोष दास हैं। गोराडीह पुलिस के इस रवैये से पूरा इलाका सदमे में है। पीड़ितों का कहना है कि छह लोगों का इलाज मायागंज में चल रहा है, जबकि सातवें शख्स को पुलिस ने थाना में ही रखा है। पीड़ित लोगों ने बताया कि बड़ा बाबू और छोटा बाबू दोनों ने एक रूम में बंद कर हम लोगों को जानवर की तरह पीटा जबकि हम लोग निर्दोष हैं।

दरअसल गोराडीह थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बीते 14 जून को सुमेश मंडल की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी थी। घटना के बाद आक्रोशिर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था। जाम को हटाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। इस दौरान पुलिस ने कुछ चेहरों को चिन्हित कर लिया और फिर रविवार की देर रात को पुलिस ने उन चिन्हित लोगों धनेश्वर दास, अंबेडकर दास, फुलेश्वर दास, संजीत दास, कन्हैया दास और संतोष दास सहित कुल सात लोगों को पूछताछ के नाम पर गिरफ्तार कर लिया। फिर पूछताछ के रूप में उनसब के साथ मारपीट शुरू हो गई। हिरासत में लिए गए लोगों के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने पूछताछ के क्रम में सबों के साथ पुलिस ने थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया। इस दौरान पुलिस ने किसी के हाथ-पैर बांधकर करंट लगाकर उसकी पिटाई की तो किसी के गुप्तांग में पेट्रोल डालकर न सिर्फ थर्ड डिग्री टॉर्चर किया, बल्कि उसी जिले में हुए गंगाजल की भी याद ताजा कर दी। परिजनों का कहना है कि पुलिस का ऐसा करने के पीछे बस एक ही मंशा थी कि वेलोग हत्या का आरोप स्वीकार कर ले, लेकिन पुलिस अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सकी।

सिटी एसपी श्री राज ने बताया कि यह मामला संज्ञान में आया है, संबंधित एसडीपीओ को जांच के लिए दिया गया है। तथ्य सामने आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

भागलपुर में इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। इस संबंध में लोगों का कहना है कि शहर में तकनीक अब हाईटेक हो गया है। चौक-चौराहों से लेकर हाजत के अंदर तक बड़े सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, इसके बाद भी थाना के अंदर इस तरह की घटना धड़ल्ले से हो जाना, पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठती है।

देवेश चंद्र विवाद : आरजेडी नेता ने कहा-

सीतामढ़ी एमपी के अमर्यादित बयान से मां सीता की धरती पूरे देश में हुई शर्मसार

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी के नव निर्वाचित सांसद के विवादित बयान के बाद पूर्व सांसद अर्जुन राय ने नगर के एक होटल सभागार में प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान अर्जुन राय ने कहा कि वर्तमान सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा दिए गए अमर्यादित बयान से सीतामढ़ी ही नहीं पूरे देश में माता सीता की धरती शर्मसार हुई है। ऐसे तुच्छ मनुव-ादी विचार वाले सांसद को सीतामढ़ी की जनता ने गलती से लोकसभा का प्रतिनिधि चुना है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि लोकसभा का प्रतिनिधि जनता का नौकर होता है और वह नौकर मालिक को आज आंख दिखा रहा है।

राजद नेता अर्जुन राय ने कहा कि जिस धरती को सीतामढ़ी के पूर्व के जन प्रतिनिधियों ने देश में नाम रोशन करने का काम किया, उसे आज वर्तमान सांसद द्वारा धूमिल किया जा रहा है। उन्होंने खेद जताते हुए कहा कि गलती से सीतामढ़ी की जनता ने सांप को दूध पिलाने का काम किया है। वह सांप अब अपना असली रूप दिखाने लगा है। मैं भी पूर्व में पांच वर्षों तक सांसद रहा हूं। लेकिन, ऐसी अमर्यादित भाषा का प्रयोग कभी नहीं किया।

उन्होंने कहा कि जनता ने मुझे जो जनादेश दिया है, उसका मैं सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि यह धरती सामाजिक न्याय की धरती, कर्पूरी ठाकुर, बाबा साहेब अंबेडकर की धरती है। नीतीश कुमार ने पिछड़े वर्ग के हक को मारकर एक मनुवादी विचारधारा के व्यक्ति को टिकट दे दिया। अब वह व्यक्ति जीतने के बाद मुस्लिम, यादव और कुशवाहा समाज पर गलत भाषा का प्रयोग कर रहा है। गौरतलब है कि इन दिनों देवेश चंद्र ठाकुर के विवादित बयान से पूरे बिहार में सियासी घमासान चल रहा है।

नीतीश सरकार के मंत्री बोले-

बिहार में लागू होगा योगी मॉडल अपराधियों को सीधे मार दें गोली

पूर्णिया (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार अब योगी मॉडल पर काम करेगी। ऐसा हम नहीं बिहार सरकार के भूमि और राजस्व सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है। उन्होंने पूर्णिया में बड़ा बयान दिया है। डॉ. दिलीप जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि जो बदमाश अवैध रूप से गोली-बंदूक लेकर चलेंगे, उनको सीधे गोली मारने का आदेश सरकार ने दिया है। कोई अपराधी अब कहीं नहीं बचेगा। जो गोली बंदूक लेकर चलता है उन लोगों को तमाम कर दिया जाएगा।

मंत्री जायसवाल यहीं नहीं रुके। उन्होंने पूर्व विधायक बीमा भारती पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंदूक चमकाने वाले को रुपौली में घुसने नहीं देना है। रुपौली में अब गरीब का राज होगा।

दरअसल, बिहार सरकार के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने भवानीपुर के क्रीड़ा मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद भवानीपुर पहुंच कर दिवंगत गोपाल यादुका के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली। इस दौरान गोपाल यादुका के भाई ने घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल से सुरक्षा और जमीन संबंधी विवाद को जल्द से जल्द निष्पादन करने की गुहार लगाई। मामले में विभागीय मंत्री जी ने दूरभाष पर अधिकारियों से बात कर मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई का निर्देश दिया। साथ ही साथ पीड़ित परिवार को जल्द जांच कर कर निष्पक्ष कार्यवाही का भरोसा दिया। उन्होंने यादुका परिवार को हर संभव सहायता देने की बात भी कहीं।

सीतामढ़ी सांसद विवाद : राजद के मुस्लिम नेता ने कहा-

जिनका काम देवेश चंद्र ठाकुर नहीं करेंगे, उनकी मदद हम करेंगे

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी के जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान पर अब तेजस्वी के मुस्लिम विधायक की प्रतिक्रिया आई है। पूर्व मंत्री इसराइल मंसूरी ने बड़ा एलान कर कहा कि सांसद देवेश चंद्र ठाकुर जिनका काम नहीं करेंगे, वे लोग मेरे पास आएं। हम उनकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर अपने पद और कद का ख्याल नहीं रखते हैं।

दरअसल, सीतामढ़ी के नव निर्वाचित जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के मुस्लिम, यादव और कुशवाहा को लेकर दिए गए बयान के बाद बिहार में सियासत गरमाई हुई है। इसको लेकर के राजद विधायक और पूर्व मंत्री इसराइल मंसूरी ने बड़ा बयान दिया है। मंसूरी ने सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान की निंदा कर कहा कि उनका ये बयान बिल्कुल संवैधानिक नहीं है। क्या वे शपथ लेंगे तो उनके लिए नया शब्द बनेगा? क्या वे बोलेंगे कि बिना रार और द्वेष के मैं देश और राज्य की सेवा करूंगा?

राजद विधायक ने सीधे तौर पर कह दिया कि देवेश चंद्र ठाकुर अगर जाति देखकर काम नहीं करेंगे तो वैसे लोग मेरे पास आएं। मैं उनके काम को करवाऊंगा। फिर चाहे कोई भी जाति क्यों न हो, चाहे सूरी हो या अन्य। जिनको भी देवेश चंद्र ठाकुर लौटा देंगे, वे सब मेरे पास आएं। हम खुद उनका काम कर देंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com